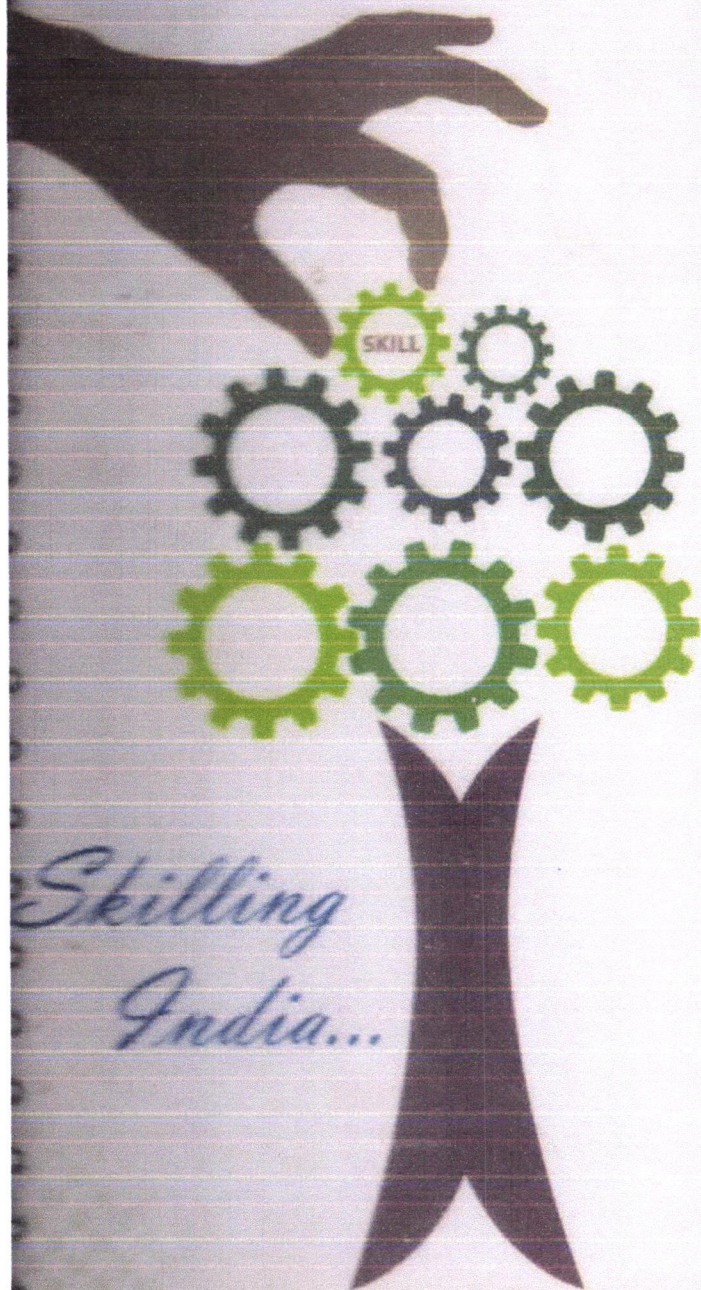


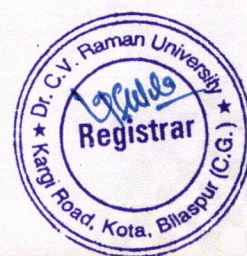


Approved by



DEEN DAYAL UPADHYAY
KAUSHAL KENDRA
दीनदयाल उपाध्याय
कौशल केन्द्र

QUARTERLY
PROGRESS
REPORT



DEEN DAYAL UPADHYAY KAUSHAL KENDRA

(Centre for Knowledge Acquisition & Upgradation of Skilled Human Abilities and Livelihood)

Skill Development Initiative of University Grants Commission (UGC) and MHRD, Govt. of India

State's Resource Centre

(For all Govt. & Pvt. Colleges and Govt. Universities under Deptt. of Higher Education)

DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY

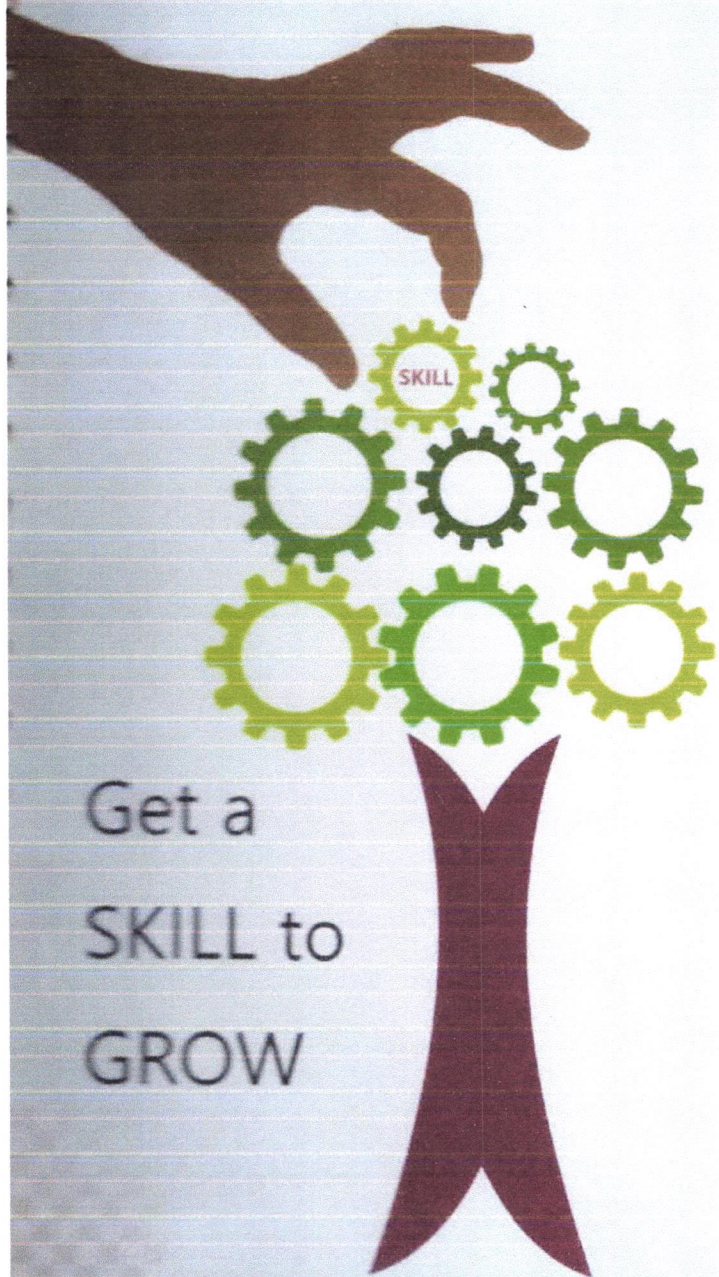
C.G. Road, Kota, Bilaspur (C.G.) Ph: 07753-253801, 07753-253805 Fax: 07753-253728 | Email: info@cvru.ac.in

DR. C. V. RAMAN UNIVERSITY
KARGI ROAD KOTA, BILASPUR (C.G.)

DEENDAYAL UPADHYAY KAUSHAL KENDRA
COURSE WISE STUDENT STATUS/REGISTRATION STATUS (SESSION 2016-17)

| S.NO. | NAME OF COURSE | DURATION | NUMBER OF REGISTERED STUDENT |
|----------|---|----------|------------------------------|
| A | TRADE : INFORMATION TECHNOLOGY | | |
| 1 | CERTIFICATE DATA ENTRY OPERATOR | 3 MONTH | 218 |
| 2 | DIPLOMA IN INFORMATION TECHNOLOGY | 1 YEAR | 236 |
| 3 | ADVANCE DIPLOMA IN INFORMATION TECHNOLOGY | 1 YEAR | 53 |
| 4 | CERTIFICATE IN ACCOUNT ASSTT. USING TALLY | 3 MONTH | 48 |
| B | TRADE : RETAIL MANAGEMENT& IT | | |
| 1 | DIPLOMA IN RETAIL MANAGEMENT & IT | 1 YEAR | 107 |
| | TOTAL | | 662 |





Get a
SKILL to
GROW

PROSPECTUS

DEEN DAYAL UPADHYAY KAUSHAL KENDRA

Skilling India...

विवरणिका

दीनदयाल उपाध्याय
कौशल केन्द्र

DEEN DAYAL UPADHYAY KAUSHAL KENDRA

(Centre for Knowledge Acquisition & Upgradation of Skilled Human Abilities and Livelihood)

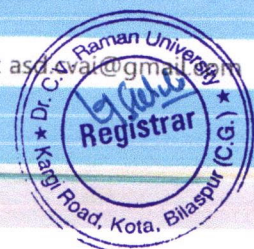
A Skill Development Initiative of University Grants Commission (UGC) and MHRD, Govt. of India

State's Resource Centre

(For all Govt. & Pvt. Colleges and Govt. Universities under Deptt. of Higher Education)

DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY

Kangri Road, Kota, Bilaspur (C.G.) Ph: 07753-253801, 8359050060-62 Fax: 07753-253728 | Email: asdr@cvr.ac.in

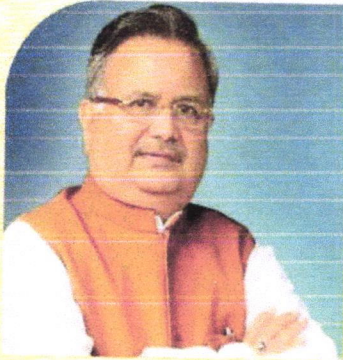




माननीय श्री नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री, भारत शासन

हमारा देश दुनिया में सर्वाधिक युवा शक्ति वाला देश है ।
जिस तरह चीन विश्व का विनिर्माण कारखाना बन गया है,
वैसे ही भारत को दुनिया के कुशल मानव संसाधन केन्द्र के रूप में उभरना चाहिये ।
हम हुनर भूल गये हैं, उसे फिर से हासिल करना है । देश से बेरोजगारी को हटाने
में स्किल डेव्लपमेंट मिशन सहायक सिद्ध होगा ।

- नरेन्द्र मोदी,
प्रधानमंत्री, भारत शासन



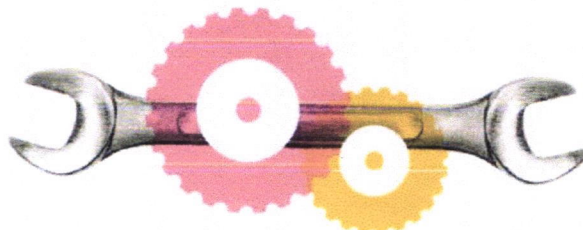
देश में कौशल विकास के साथ ही युवाओं के कंधे पर विकास का रथ
बढ़ाया जा सकता है । छत्तीसगढ़ राज्य में इस हेतु युवाओं को शासन की
विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है ।

- रमन सिंह,
मुख्यमंत्री,
छत्तीसगढ़ शासन



आज के युवाओं को केवल स्नातक डिग्री की ही नहीं अपितु कौशल की भी जरूरत है।
इसे ध्यान में रखते हुए शासन द्वारा युवाओं को उनकी अभिरुचि के अनुरूप रोजगार
से संबंधित प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है ।

- प्रेम प्रकाश पाण्डेय
मंत्री, उच्च शिक्षा विभाग,
छत्तीसगढ़ शासन



SKILL DEVELOPMENT



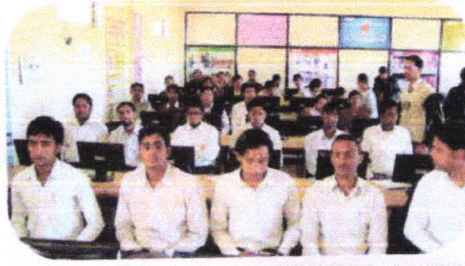
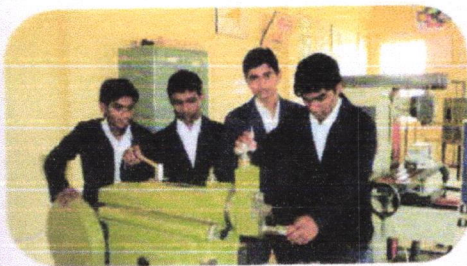


DEEN DAYAL UPADHYAY KAUSHAL KENDRA

(Centre for Knowledge Acquisition & Upgradation of Skilled Human Abilities and Livelihood)
A Skill Development Initiative of University Grants Commission (UGC) and MHRD, Govt. of India
DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY

STATE'S RESOURCE CENTRE

[For all Govt. & Pvt. Colleges and Govt. Universities under Deptt. of Higher Education]



Well Equipped
Workshops
&
Labs

Highly
Experienced
Trainers



100%
Industrial
Exposure

PROSPECTUS विवरणिका



DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY

A STATUTORY UNIVERSITY UNDER SECTION 2(f) OF THE UGC ACT

ISO 9001:2008 CERTIFIED UNIVERSITY

www.cvrु.ac.in



Recognized by AICTE | NCTE | BCI | AIU | GoCG

Joint Committee (UGC | DEB | AICTE)

Recognized by UGC

Kirti Road, Kota, Bilaspur (C.G.) Ph: 07753-253801, 8359050060-62 Fax: 07753-253728 | Email: asd.cvrु@gmail.com



CONTENTS

| | | |
|-----|---|----|
| 1. | AIU Recognition | 1 |
| 2. | UGC Recognition | 2 |
| 3. | Order of Govt. of Chhattisgarh..... | 3 |
| 4. | Instructions of Govt. of Chhattisgarh..... | 4 |
| 5. | Recommendation of Committee | 5 |
| 6. | Skill Development Mission..... | 7 |
| 7. | Deendayal Upadhyay Kaushal Kendra..... | 7 |
| 8. | Initiative of Deptt. of Higher Education, GoCG | 8 |
| 9. | Dr. C.V. Raman University's Skill Development Initiatives | 8 |
| 10. | About the University..... | 9 |
| 11. | Programme Delivery Methodology..... | 11 |
| 12. | About Multiple Entry System & Credit Systeem | 12 |
| 13. | Features of GoCG Scheme | 12 |
| 14. | Introduction of Skill Modules to UG/PG courses | 13 |
| 15. | Online Scholarship..... | 13 |
| 16. | Training & Placement | 14 |
| 17. | Courses Offered under DDUKK : Eligibility, Duration, Fee | 15 |
| 18. | Course Details - Retail Management & IT | 17 |
| 19. | Course Details - Information Technology | 19 |
| 20. | Course Details - Telecommunication..... | 21 |
| 21. | Course Details - Manufacturing..... | 13 |
| 22. | Admission Procedure..... | 25 |
| 23. | CVRU Glimpse | 26 |
| 24. | Application Form..... | |



AIU RECOGNITION

डॉ. आर. कृष्णकुमार
महामन्त्रि (अतिरिक्त प्रभार), एवं
कुलपति
यशवंतराव चव्हाण
महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय, नाशिक



भारतीय विश्वविद्यालय संघ

ए० आइयू यू० हाउस, 16, कामरेड इन्द्रजीत गुप्ता मार्ग, नई दिल्ली-110 002

ASSOCIATION OF INDIAN UNIVERSITIES

AIU HOUSE 16, Comrade Indrajit Gupta Marg, New Delhi 110 002

Dr. R. Krishnakumar
Secretary General (Addl. Charge), and
Vice-Chancellor
Yashwantrao Chavan
Maharashtra Open University, Nashik

MEET/311/GC/2012/91540-
June 25, 2012 50

Dear Dr. Zadgaonkar,

The Governing Council at its 311th Meeting held on May 20, 2012, at New Delhi considered the application for grant of provisional membership of the Association of Indian Universities (AIU) Dr. C V Raman University, Bilaspur and resolved to grant the same with effect from the year 2012-13.

I am enclosing a copy of the conditions for granting provisional membership, approved by the General Body of the Association at its 84th Annual Meeting (Business Session) held on November 14, 2009 for your kind information (Annexure-A)

We are informing Sports, Youth Affairs and Publications & Sales Divisions to include name of the University in their Mailing list. You will be receiving our weekly journal "University News" and other publications.

Yours sincerely,

Dr. R Krishnakumar

Encl: As above. *hul6*

Dr A S Zadgaonkar
Vice Chancellor
Dr C V Raman University
HIG-17 Bajpai Castle, Behid Minocha Colony
Bilaspur (C.G) -495001
Arunzad28@hotmail.com

Phone : 91-11- 23236105 (O), Fax: 91- 011- 23232131, e-mail : sgoffice@aiuweb.org; vc@ycmou.com



UGC RECOGNITION

Ph. 23246351, 23232701, 23231121, 23234116
23238733, 23232317, 23236122, 23230111



विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

बहादुरशाह जफर मार्ग

नई दिल्ली-110 002

UNIVERSITY GRANTS COMMISSION

BAHADURSHAH ZAFAR MARG

NEW DELHI-110 002

No. F. 9-6/2008 (CPP-I)

June, 2008

The Registrar,
Dr. C.V. Raman University,
Kargi Road, Kota,
Bilaspur,
Chhattisgarh.

Subject: Status of Dr. C.V. Raman University, Bilaspur, Chhattisgarh
(Private University).

Sir,

I am directed to refer your letter No. CVRU/2008/08 dated 21st June, 2008 and to inform you that 'Dr. C.V. Raman University, Bilaspur, Chhattisgarh (Private University)' has been established by an Act of State Legislature and empowered to award degrees as specified by the UGC under Section 22 of the UGC Act, 1956 with the approval of Statutory Councils, wherever required.

Yours faithfully

(Signature)

(S. C. Chadha)
Deputy Secretary



ORDER of GOVT. OF CHHATTISGARH

छत्तीसगढ़ शासन
उच्च शिक्षा विभाग
मंत्रालय
महानदी भवन, नया रायपुर

क्रमांक/4045/2015/38-2
प्रति,

नया रायपुर, दिनांक 27.01.2016

1. कुलसचिव,
समस्त राजकीय विश्वविद्यालय,
छत्तीसगढ़
2. प्राचार्य,
समस्त महाविद्यालय,
छत्तीसगढ़

विषय :- पं० दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र के माध्यम से बी०व्ही० एवं एम०व्ही० पाठ्यक्रम के संचालन बाबत।
संदर्भ :- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली का पत्र क्र० 3-49/2015/(KOUSHAL), दिनांक 17 अगस्त, 2015,

विषयांतर्गत कृपया अवगत होना चाहेंगे कि भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के द्वारा प्रचलित पाठ्यक्रमों को और अधिक रोजगारोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से बी०व्ही० एवं एम०व्ही० पाठ्यक्रम संचालित करने के निर्देश दिये गये हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के संदर्भित पत्र का अवलोकन करना चाहेंगे जिसके अंतर्गत प्रदेश में संचालित डॉ०सी०वी०रमन विश्वविद्यालय, बिलासपुर को पं० दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र की स्थापना की अनुमति दी गयी है एवं इसके अंतर्गत बी०व्ही० एवं एम०व्ही० पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की अनुमति भी प्रदान की गयी है (परिशिष्ट-1)।

2/ प्रदेश में बी०व्ही० एवं एम०व्ही० पाठ्यक्रम संचालित करने हेतु अपनी अनुशंसा देने के लिये राज्य शासन के द्वारा कुलपति, बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया था। विशेषज्ञ समिति से प्राप्त अनुशंसा परिशिष्ट-2 पर संलग्न है।

3/ उक्त समिति की अनुशंसा के आधार पर एवं सीमित संसाधनों को देखते हुए एवं मितव्ययिता की दृष्टि से राज्य शासन के द्वारा निर्णय लिया गया है कि प्रथम चरण में सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं को बी०व्ही० एवं एम०व्ही० पाठ्यक्रम का लाभ प्राप्त हो सके, इस हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा स्वीकृत उक्त पं० दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र को 'रिसोर्स सेंटर' के रूप में अस्थायी तौर पर आगामी 3 वर्ष के लिये घोषित किया जाता है। प्रदेश के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के जो छात्र-छात्राये अपने नियमित पाठ्यक्रम के अतिरिक्त बी०व्ही०/एम०व्ही०/डिप्लोमा/सर्टिफिकेट आदि प्राप्त करना चाहते हैं, उनका पंजीयन उक्त केन्द्र के अंतर्गत किया जा सकता है। इस प्रकार पाठ्यक्रम से छात्र-छात्राओं के कौशल विकास के साथ-साथ उनके रोजगारपरकता में भी वृद्धि होगी। उल्लेखनीय है कि उपरोक्त पं० दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के द्वारा प्रथम

1. Telecommunications, 2. Retail Management & IT, 3. Manufacturing
अनुमति प्रदान की गयी है।



ORDER of GOVT. OF CHHATTISGARH

/2/

4/ शासन की मंशा है कि उक्त पाठ्यक्रम का लाभ अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं को मिल सके इस हेतु योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का कष्ट करें। पाठ्यक्रम संचालन के संबंध में मार्गदर्शी दिशा-निर्देश भी संलग्न प्रेषित किया जा रहा है, जो परिशिष्ट-3 पर संलग्न है।

(मान0 मंत्रीजी द्वारा अनुमोदित)

(मुक्नेश यादव)
संयुक्त सचिव
छ0ग0 शासन
उच्च शिक्षा विभाग

क्रमांक 330/4415/2015/38-2
प्रतिलिपि-

नया रायपुर, दिनांक 28.01.2016
27

1. प्रमुख सचिव, मान. राज्यपाल महोदय, राजभवन सचिवालय, रायपुर,
 2. प्रमुख सचिव, मान0 मुख्यमंत्रीजी, मुख्यमंत्री सचिवालय, मंत्रालय, नया रायपुर,
 3. विशेष सहायक, मान. मंत्रीजी, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय, नया रायपुर,
 4. उप सचिव, मुख्य सचिव कार्यालय, मंत्रालय, नया रायपुर,
 5. मान0 कुलपतिजी, समस्त विश्वविद्यालय,
 6. अध्यक्ष, छ0ग0 राज्य निजि विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, रायपुर
 7. आयुक्त, उच्च शिक्षा संचालनालय, नया रायपुर,
 8. कुलसचिव, डी0सी0वी0रमन विश्वविद्यालय, बिलासपुर,
- को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

संयुक्त सचिव
छ0ग0 शासन
उच्च शिक्षा विभाग

INSTRUCTIONS OF GOVT. OF CHHATTISGARH

मार्गदर्शी निर्देश

1. बी0व्हीक एवं एम0व्हीक पाठ्यक्रम का लाभ पं0 दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र के माध्यम से प्रदेश के समस्त शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के द्वारा लिया जा सकेगा।
2. नितव्यविता की दृष्टि से पाठ्यक्रम, फैंकल्टी, पाठ्य सामग्री एवं परीक्षा संबंधी व्यवस्थाएँ डी0सी0वी0रमन विश्वविद्यालय, बिलासपुर के द्वारा की जावेगी। संबंधित शासकीय/अशासकीय महाविद्यालय के द्वारा प्रयोगशाला की सुविधा, शिक्षण सुविधा, फर्नीचर, विद्युत व्यवस्था- जैसी सुविधा प्रदान की जा सकेगी।
3. पाठ्यक्रम हेतु उचित कालखण्ड का निर्धारण संबंधित महाविद्यालय से संपर्क कर आपसी सहमति से निश्चित किया जा सकेगा। शासन की मंशा है कि पाठ्यक्रम के महत्व को देखते हुए इसी सत्र से पाइलेट आधार पर इसका संचालन प्रारंभ किया जाये।
4. योजना का पर्याप्त प्रचार-प्रसार करने में महाविद्यालय के द्वारा आवश्यक सहयोग प्रदान किया जायेगा एवं संचालित पाठ्यक्रम की गुणवत्ता पर समुचित निगरानी रखी जावेगी।
5. पाठ्यक्रम स्वेच्छा के आधार पर संचालित किया जायेगा एवं किसी भी छात्र-छात्रा को बाध्य नहीं किया जायेगा परन्तु अधिक से अधिक छात्र-छात्राएँ इसमें भाग ले सकें, इस हेतु प्रयास किया जा सकेगा।
6. बी0व्हीक एवं एम0व्हीक पाठ्यक्रम हेतु पं0 दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र एवं संबंधित विश्वविद्यालय के मध्य किये गये एम0ओ0यू0 के आधार पर कंठित ट्रांसफर के संबंध में राज्य शासन को कोई आपत्ति नहीं है।

-----0-----

3/12



RECOMMENDATION OF COMMITTEE

पं. दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र के माध्यम से बी.व्होक. एवं एम. व्होक. पाठ्यक्रम संचालित करने हेतु गठित समिति की अनुशंसा

छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग के आदेश क्रमांक 4488/4045/2015/38-2 दिनांक 26.11.2015 द्वारा पं. दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र की सेवाओं का लाभ उच्च शिक्षा के लिए बी.व्होक. एवं एम. व्होक. पाठ्यक्रम संचालित करने हेतु अनुशंसा देने के लिए निम्नानुसार समिति का गठन किया गया था :-

1. डॉ. जी.डी. शर्मा, कुलपति, बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. के.एन. बापट, अपर संचालक, उच्च शिक्षा संचालनालय, रायपुर
3. डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, सहायक प्राध्यापक, भूगर्भशास्त्र, शासकीय विज्ञान महा. दुर्ग

उक्त समिति की आज दिनांक 3.12.2015 को बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति के द्वारा विचारविमर्श उपरान्त निम्नानुसार बिन्दुओं पर अभिमत एवं अनुशंसा दी जाती है:-

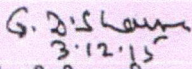
1. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के द्वारा प्रदेश में पं. दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र की स्थापना हेतु सी.वी.रमन निजी विश्वविद्यालय को अनुमति प्रदान की गई है। इसके अन्तर्गत- टेलीकम्यूनिकेशन, रिटेल मैनेजमेंट एवं आई.टी., मेनुफेक्चरिंग के क्षेत्र में बी.व्होक. एवं एम. व्होक. पाठ्यक्रम संचालित करने हेतु मान्यता प्रदान की गई है।
2. प्रदेश में महाविद्यालयीन युवा छात्र-छात्राओं के कौशल विकास के लिये तथा महाविद्यालयीन एवं विश्वविद्यालयीन शिक्षा को रोजगारपरक बनाने के उद्देश्य से बी.व्होक. एवं एम. व्होक. जैसे पाठ्यक्रमों की आवश्यकता है।
3. बी.व्होक. एवं एम. व्होक. पाठ्यक्रम संचालित करने के लिये अधोसंरचना, फैकल्टी एवं टूल्स, मशीनरी आदि पर बहुत अधिक वित्तीय भार की संभावना है। साथही शासन के द्वारा इसका संचालन विभिन्न जिलों में एकाधिक संस्थाओं में करने में व्यावहारिक कठिनाइयां हैं। ऐसी स्थिति में यदि उक्त स्वीकृत पाठ्यक्रम पं. दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र के माध्यम से निजी क्षेत्र की भागीदारी (PPP MODE) के अंतर्गत संचालित किया जाता है तो इसका लाभ प्रदेश के छात्र-छात्राओं को मिल सकता है एवं यह लाभकारी, अधिक उपयोगी, मितव्ययी एवं व्यावहारिक भी हो सकता है।

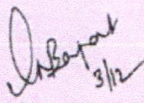


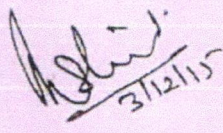
RECOMMENDATION OF COMMITTEE

4. उक्त पाठ्यक्रम को संचालित करने के पूर्व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के द्वारा निर्धारित क्रेडिट ट्रांसफर के लिए उक्त केन्द्र एवं संबंधित विश्वविद्यालयों के बीच अनुबंध का निष्पादन किया जाना आवश्यक होगा, जिससे क्रेडिट ट्रांसफर में व्यावहारिक कठिनाइयां न हों।
5. उक्त पाठ्यक्रम का संचालन स्वैच्छिक आधार पर एवं छात्र-छात्राओं की रुचि के आधार पर तथा स्थानीय उद्योगों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए संचालित करने हेतु अनुमति प्रदान की जा सकती है। इसके लिए शासन स्तर से निर्देश जारी करना आवश्यक होगा।
6. बी.व्लोक. एवं एम. व्लोक. पाठ्यक्रम के अन्तर्गत यह भी सुविधा है कि छात्र-छात्राएँ डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में उक्त पाठ्यक्रम हेतु डिप्लोमा/सर्टिफिकेट संबंधित निजी संस्था द्वारा ही दिया जा सकता है। इसमें किसी प्रकार की वैधानिक कठिनाई नहीं होगी।
7. उक्त पाठ्यक्रम को चलाने के लिए छात्र-छात्राओं से लिये जाने वाले शुल्क का निर्धारण किया जाना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है तथा इसे स्थानीय परिस्थितियों एवं मांग तथा आपूर्ति के सिद्धांत पर ही निर्धारित किया जाना उचित होगा तथा शासन स्तर से इसमें किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप किया जाना उचित नहीं होगा।

समिति के द्वारा समय की मांग को देखते हुए आगामी शैक्षणिक सत्र से उक्त पाठ्यक्रम को संचालित करने की अनुशंसा की जाती है, जिससे पं. दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र का लाभ प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं को मिल सके।


(डॉ. जी.डी. शर्मा)
कुलपति
बिलासपुर विश्वविद्यालय,
बिलासपुर


(डॉ. के.एन. बापट)
अपर संचालक
उच्च शिक्षा संचालनालय,
रायपुर


(डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव)
सहा. प्राध्यापक, भूगर्भशास्त्र,
शासकीय विज्ञान महा. दुर्ग



Skill Development Mission of Government of India :

It has been a long felt necessity to align higher education with the emerging needs of the economy so as to ensure that the graduates of higher education system have adequate knowledge and skills for employment and entrepreneurship. The higher education system has to incorporate the requirements of various industries in its curriculum, in an innovative and flexible manner while developing a holistic and well groomed graduate.



Ministry of Finance, Government of India has established **National Skill Development Corporation (NSDC)** under the chairmanship of **Hon'ble Prime Minister** of India, NSDA, NSQF Committee and SSCs for **"Skilling India" mission**.

Ministry of HRD, Government of India had issued an Executive Order in September 2011 for National Vocational Education Qualification Framework (NVEQF). Subsequently, Ministry of Finance, in pursuance of the decision of Cabinet Committee on Skill Development in its meeting held on 19th December, 2013, has issued a notification for National Skills Qualifications Framework (NSQF). Under the **National Skills Development Corporation**, many **Sector Skill Councils** representing respective industries have/are being established. One of the mandates of Sector Skill Councils is to develop **Qualification Packs (QPs)** **National Occupational Standards (NOSs)** for various job roles in their respective industries. It is important to embed the competencies required for specific job roles in the higher education system for creating employable graduates.

Deen Dayal Upadhyay Kaushal Kendra :

The University Grants Commission (UGC) has launched a scheme Deendayal Upadhyay Kaushal Kendra on skills development based higher education as part of college/university education, leading to Bachelor of Vocation (B.Voc.) and Master of Vocation



कौशल विकास मिशन :

काफी लम्बे समय से अर्थव्यवस्था की उभरती हुई अपेक्षित जरूरतों को उच्चतर शिक्षा प्रणाली के साथ संरेखित करने की आवश्यकता का अनुभव किया जा रहा था ताकि उच्चतर शिक्षा प्रणाली में आवृत स्नातकों को रोजगार एवं उद्यमों में पर्याप्त जानकारी एवं दक्षताएँ प्राप्त हो सकें। एक समग्र एवं संपूर्ण तथा सुचारु रूप से शिक्षित स्नातक को तैयार करने के लिये उच्चतर शिक्षा प्रणाली को अपनी पाठ्यचर्या में विभिन्न उद्योगों की अपेक्षाओं को नवोन्मेषी एवं लचीले रूप से निगमित करने की आवश्यकता है।

राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा अर्हता ढाँचा (नेशनल वोकेशन एजुकेशन क्वालीफिकेशन फ्रेमवर्क—एन.वी.ई.क्यू.एफ.) के लिये मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने सितम्बर, 2011 में एक कार्यकारी आदेश जारी किया था। इसके पश्चात् वित्त मंत्रालय ने, कुशलता-विकास पर मंत्रिमंडल की समिति द्वारा 19 दिसम्बर, 2013 की अपनी बैठक में लिये गये निर्णय के अनुपालन में राष्ट्रीय कौशल दक्षता संरचना (एन.एस.क्यू.एफ.) की अधिसूचना जारी की।

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के अंतर्गत कई आंचलिक कौशल परिषदों का गठन किया गया है/जा रहा है जो कि संबद्ध उद्योगों का प्रतिनिधित्व करने वाली हैं। आंचलिक कौशल परिषदों के अधिदेशों में से एक अधिदेश का लक्ष्य अपने संबद्ध उद्योगों में विभिन्न कार्यों की भूमिकाओं के लिये राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों का विकास करना है। रोजगार के पात्र स्नातकों के निर्माण के लिये उच्च शिक्षा प्रणाली में विशिष्ट कार्य भूमिकाओं के लिये आवश्यक निपुणताओं को अन्तः-स्थापित करना महत्वपूर्ण है।

दीनदयाल उपाध्याय कौशल विकास केन्द्र :

यू.जी.सी. ने महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों में कौशल विकास आधारित उच्च शिक्षा की एक परियोजना का शुभारम्भ किया है जिसमें व्यावसायिक स्नातक (बैचलर ऑफ वोकेशन) की डिग्री दी जायेगी तथा जिसमें एन. एस.क्यू.एफ. के अंतर्गत बहुआयामी निकास हैं जैसे डिप्लोमा/उन्नत डिप्लोमा। व्यावसायिक स्नातक (B.Voc) पाठ्यक्रम उन विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में संकेन्द्रित हैं जो पूर्व स्नातक पाठ्यक्रम का संचालन कर रहे हैं



(M.Voc.) Degrees with multiple exits such as Diploma/Advanced Diploma under the NSQF. The B.Voc. programme is focused on universities and colleges providing undergraduate studies which would also incorporate specific job roles and their NOSs alongwith broad based general education. This would enable the graduates completing B.Voc. to make a meaningful participation in accelerating India's economy by gaining appropriate employment, becoming entrepreneurs and creating appropriate knowledge.

Initiative of Deptt. of Higher Education, Govt. of Chhattisgarh :

Government of Chhattisgarh also seeks contribution in skill development of Chhattisgarh from the Universities/Institutions/Industries. On the meeting of coordination committee of Universities Hon'ble Governor and Govt. of Chhattisgarh gave the instructions to open skill and vocational courses in Universities and to establish **Deendayal Upadhyay Kaushal Kendra** a MHRD Govt. of India's scheme in University. UGC has given DDUKK only to Dr. C.V. Raman University, in order to give the benefits of DDUKK courses to the students of entire Chhattisgarh State, Deptt. of Higher Education, GoCG has issued an order that the students of all government and private colleges can take advantages of DDUKK's Certificate, Diploma, Ad. Diploma, B.Voc and M.Voc courses along with their current course and declare Dr. C.V. Raman University's Deen Dayal Upadhyay Kendra as **State's Resource Centre upto year 2020**.



Dr. C.V. Raman University -

Leading University in Skill Development :

Dr. C.V. Raman University is a premier and fastest growing university of Chhattisgarh state established by GoCG gazette notification in 2006 by AISECT. In order to create 'industry fit' skilled workforce and to fill the skill gap between industrial requirement and skill, The university takes initiative and joined hand with **National Skill Development Corporation (NSDC)** through its parent society AISECT, and established a **Skill Development Academy**. Presently university has been designed and offering many short term skill development and vocational training certificate



Best in Skill Development Award-2015

तथा जिसके अंतर्गत विस्तृत आधार युक्त सामान्य शिक्षा के साथ उनकी विशिष्ट कार्य भूमिकाएँ एवं उनके NOS भी नियमित होंगे। इसके माध्यम से व्यावसायिक स्नातक B.Voc पूरा करने में छात्रों को उचित ज्ञान के माध्यम से उपयुक्त रोजगार प्राप्त करके बनकर भारत की अर्थव्यवस्था को गतिशील बनाने हेतु सार्थक भूमिका के निर्वहन में सहायता मिलेगी।

उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन की पहल :

उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन ने भी उच्च शिक्षा एवं उद्योगों की कुशल मानव संसाधन की आवश्यकता के मध्य रिक्त स्थान की पूर्ति हेतु, उच्च शिक्षा के साथ ही साथ व्यावसायिक शिक्षा भी प्रदान करने हेतु अभिनव प्रयास किया है। विश्वविद्यालय समन्वयन समिति की बैठक में तत्कालिन माननीय राज्यपाल महोदय एवं उच्च शिक्षा विभाग द्वारा सभी विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों को

कौशल विकास व व्यावसायिक प्रशिक्षण के पाठ्यक्रम प्रारंभ करने हेतु निर्देश प्रदान किये एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत शासन व यू.जी.सी. की महत्वाकांक्षी योजना "दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र" हेतु आवेदन करने का आदेश दिया। यू.जी.सी. द्वारा विभिन्न चरणों की चयन प्रक्रिया के पश्चात् प्रदेश में एकमात्र डॉ. सी.वी.रामन् विश्वविद्यालय को

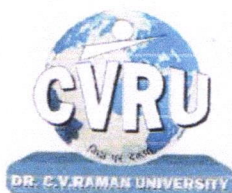
दीनदयाल उपाध्याय कौशल विकास केन्द्र दिया गया। जिसके अंतर्गत कौशल विकास के सर्टीफिकेट, डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा, बी.-वोक. एवं एम.-वोक. के पाठ्यक्रम विभिन्न ट्रेड्स में प्रारंभ करने की अनुमति दी गयी। उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन ने CVRU के DDUKK का लाभ प्रदेश के विद्यार्थियों को दिलाने हेतु इसे राज्य का संसाधन केन्द्र घोषित किया है। इसके अंतर्गत उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत सभी विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों में अध्ययनरत् छात्र-छात्राएँ अपने नियमित कोर्स के साथ ही, CVRU - DDUKK के कोर्सेस कर सकते हैं।

उक्त 100% रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों में मल्टीपल निकास की सुविधा है। प्रथम वर्ष पूर्ण करने पर डिप्लोमा, द्वितीय वर्ष पूर्ण करने पर एडवांस डिप्लोमा व तृतीय वर्ष पूर्ण करने पर बी.वोक. (स्नातक)

की उपाधि प्रदान की जायेगी। उक्त पाठ्यक्रम में प्रति सेमेस्टर दो जॉब रोल्ल्स का कौशल विकास होगा। जॉब रोल का अर्थ है जिस कौशल ट्रेड हेतु व्यवसाय(वोकेशन) की ट्रेनिंग प्राप्त की गई, उदाहरण के लिये टेलीकम्युनिकेशन में प्रथम वर्ष में प्रशिक्षु हैंड सेट रिपेयर व फाइबर ऑप्टिक स्लाइसर की पूर्ण ट्रेनिंग



courses and also joining hands with various state and central government organizations established for this purpose and industries for skill development and vocational training in different sectors like Telecommunication, IT, Manufacturing, Retail, BFSI, Electronics, Agriculture etc. We are also proud to say that we are the only university of Chhattisgarh which has been given **Deendayal Upadhyay Kaushal Kendra** by UGC and MHRD.



Now with the present skill development scenario of India, University has been started **B.Voc. and M.Voc.** degree programme announced by UGC in various specializations, and various sector skill councils certificate courses under **Deendayal Upadhyay Kaushal Kendra**.

ABOUT THE UNIVERSITY

Dr. C.V. Raman University was established on 3 November, 2006, in the district of Bilaspur, Chhattisgarh by the 'All India Society for Electronics and Computer Technology' (AISECT), the Sponsoring Body. The University was named after the first Nobel Laureate of the country in the field of science – Dr. C.V. Raman, an Indian physicist efforts influenced in the growth of science in our country. The University's principle goal is to evolve a new cadre of highly skilled technical professionals with deep academic insights and a strong sense of Indian 'Values and ethics', commemorating our forefathers who helped shape this nation.

The Sponsoring Body of the University-All India Society for Electronics and Computer Technology (AISECT) is an ISO 9001:2008 certified organization, established in 1985 and is today's one of The India's most reputed and trusted Education Groups which houses private Universities, Engineering Colleges, Professional Institutions & Education Centres across the country. Till date, AISECT has transformed the lives of over 15 lakh students and has uplifted the lives of millions of people in the community. AISECT has been lauded for its exceptional work and has won awards from the World Bank, NASSCOM, TIE, Government of India, Government of Madhya Pradesh and several others on account of its commitment to high quality education over the last 35 years. AISECT is also a partner institution with SAP, SAPSE and GoCG in their Common Service Centre Program and several other projects of state and national concern.

प्राप्त कर इसके योग्य बन जाते हैं। इस तरह कुल छः सेमेस्टर्स में मार्केट डिमांडेड 12 जॉब रोल्स (Certificate Course) NSQF Framework के अनुसार कराये जायेंगे। इसमें परंपरागत पाठ्यक्रम व स्किल पाठ्यक्रम के मध्य स्वीचिंग का भी प्रावधान है। उक्त पाठ्यक्रमों में विभिन्न मार्केट डिमांडेड जॉब रोल्स की ट्रेनिंग, 60% स्किल एजुकेशन कंपोनेंट व 40% जनरल एजुकेशन कंपोनेंट रहेंगे एवं सुनिश्चित रोजगार हेतु कौशल प्राप्ति के लिये संबंधित उद्योगों में ही ऑन जॉब ट्रेनिंग का एवं प्लेसमेंट (रोजगार) का प्रावधान है। बी.वोक. डिग्री का प्रस्ताव एवं आंबटन यू.जी.सी. व भारत सरकार द्वारा किया गया है अतः बी.वोक. डिग्री की मान्यता संदेह से परे है एवं धारकों का भविष्य उज्ज्वल है।

विश्वविद्यालय का परिचय

डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय की स्थापना 3 नवम्बर 2006 को इसकी प्रायोजक संस्था ऑल इंडिया सोसायटी फॉर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी (आईसेक्ट) द्वारा छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में की गई थी विश्वविद्यालय का नाम देश के सुप्रसिद्ध भौतिक विज्ञानी व नोबल पुरस्कार विजेता डॉ. सी.वी. रमन के नाम पर रखा गया है। विश्वविद्यालय का प्रमुख उद्देश्य राष्ट्र की आवश्यकता के अनुरूप उच्च नैतिक मूल्य व ज्ञान से परिपूर्ण तथा कुशल तकनीकी योग्यता व क्षमता युक्त पेशेवर तैयार करना है।

विश्वविद्यालय की प्रायोजक संस्था ऑल इंडिया सोसायटी फॉर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी (आईसेक्ट) एक ISO 9001:2008 प्रमाणित संस्था है जो कि वर्ष 1985 से कार्यरत है। आज इसे देश के प्रतिष्ठित व विश्वसनीय समूहों में गिना जाता है इसके द्वारा देश के अलग-अलग भागों में विश्वविद्यालय, इंजीनियरिंग कॉलेज, व्यवसायिक संस्थान व शैक्षणिक केन्द्र स्थापित किये गये हैं। आज तक आईसेक्ट 15 लाख से अधिक विद्यार्थियों को बेहतर जीवन हेतु शिक्षित कर चुकी हैं तथा अनेक लाखों लोगों का जीवन स्तर सुधारने में अपना योगदान दे चुकी है। आईसेक्ट को अपने उत्कृष्ट कार्यों के लिये अनेक स्तरों पर सराहना व पुरस्कार मिल चुके हैं इनमें प्रमुख हैं विश्व बैंक, नेस्कॉम, टाई, भारत सरकार, मध्यप्रदेश सरकार आदि। आईसेक्ट भारत सरकार, मध्यप्रदेश शासन, छत्तीसगढ़ शासन के साथ कॉमन सर्विस सेन्टर परियोजना एवं राज्य व केन्द्र सरकार की अनेक अन्य योजनाओं को लागू करने में सक्रिय रूप से भागीदार है।



Our main objectives :

- Provide quality higher education and make provisions for research
- Create higher levels of intellectual abilities among our students
- Establish state-of-the-art facilities for education, training and examination, including online training
- Carry out teaching, research and offer comprehensive learning for a bright professional career
- Create centres of excellence for R&D to promote an environment of innovation and research
- Provide consultancy to public organizations and the Industry
- Award and maintain the standard of degrees, diplomas, certificates and other academic distinctions in accordance with the norms laid down by UGC, AICTE, BCI, MCI and other regulatory bodies.

Recognitions

- The University is recognized under Section 2(f) of the UGC Act.
- Joint Committee Approval of DEB (UGC/AICTE/DEC)
- Other recognitions include AICTE, NCTE and BCI
- It is the first University in the state of Chhattisgarh to be awarded an ISO:9001-2008 Certification.
- Membership of the Association of Indian Universities (AIU)

The Faculties of Studies

The University has wide range of faculties which offers the traditional as well as the new era job oriented courses. The main emphasis is on providing a wide choice of courses at different levels. The following faculties currently are in operation in the University:

- Faculty of Arts
- Faculty of Commerce
- Faculty of Science
- Faculty of Engineering
- Faculty of Information Technology
- Faculty of Education
- Faculty of Law

हमारे प्रमुख उद्देश्य :

- गुणवत्ता से परिपूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान करना तथा अनुसंधान के लिए प्रावधान करना।
- अपने छात्रों में उच्च स्तर की बौद्धिक क्षमताओं का विकास करना।
- शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा व ऑनलाइन प्रशिक्षण हेतु अत्याधुनिक सुविधाओं की स्थापना करना।
- उज्ज्वल पेशेवर कैरियर के लिए आवश्यक शिक्षण, अनुसंधान व सीखने के लिये सुविधाएं उपलब्ध कराना।
- नवोन्मेष व अनुसंधान के लिये उपयुक्त वातावरण उपलब्ध कराने हेतु "अनुसंधान एवं विकास उत्कृष्टता संस्थान" की स्थापना।
- लोक संस्थानों व उद्योगों को सलाह प्रदान करना।
- देश की नियामक संस्थाओं (UGC, AICTE, NCTE, BCI, MCI, DEB) की अनुशंसाओं व मानदण्डों के अनुरूप विभिन्न विषयों में डिग्री, डिप्लोमा व अन्य प्रमाण पत्र प्रदान करना।

मान्यताएँ

- विश्वविद्यालय, यूजीसी एक्ट की धारा 2(f) के अंतर्गत स्थापित व मान्यता प्राप्त है।
- विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा संस्थान को Joint Committee द्वारा Approve किया गया है।
- अन्य आवश्यक मान्यताओं में AICTE, NCTE व BCI सम्मिलित हैं।
- यह छत्तीसगढ़ राज्य का प्रथम विश्वविद्यालय है जिसे ISO-9001:2008 प्रमाणन प्राप्त है।
- भारतीय विश्वविद्यालय संघ की सदस्यता प्राप्त।

अध्ययन संकाय :

विश्वविद्यालय द्वारा अनेक संकाय आरम्भ किये हैं जिनमें परम्परागत पाठ्यक्रमों के साथ-साथ आधुनिक रोजगार मूलक पाठ्यक्रम भी सम्मिलित हैं। छात्रों को उनकी सुविधानुसार उपयोगी पाठ्यक्रम चयन की सुविधा विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जा रही है। वर्तमान में निम्नलिखित संकाय विश्वविद्यालय में उपलब्ध हैं—

- कला संकाय
- वाणिज्य संकाय
- विज्ञान संकाय
- अभियांत्रिकी संकाय
- सूचना प्रौद्योगिकी संकाय
- शिक्षा संकाय
- कानून संकाय



• Important Achievements

AN ISO 9001 : 2008 Certified University

1. World Education Award
2. Rajeev Gandhi Acheivers Award
3. Best University Award 2014
4. Best University Award 2013
5. NIELIT Award 2014
6. Emergence of CVRU as the Largest University in the State
7. Largest Network for Learning Support System.
8. Declaration of Term end result Time to Time.

Programme delivery methodology

The programme delivery methodology used follows a multimedia approach for instructions, which comprises:

- **Self Instructional Written Material:** The printed study material (written in self-instructional style) for both theory and practical components of the programmes is supplied to the learners in batches for every course.
- **Audio-Visual Material Aids :** The learning package contains audio and video CDs which have been produced by the University for better clarification and enhancement of understanding of the course material given to the learners. A video programme is normally of 25-30 minutes duration. The video cassettes are screened at the study centres during specific sessions which are duly notified for the benefit of the learners.
- **Counseling Sessions :** Normally counseling sessions are held as per schedule drawn by the Study Centres. These are mostly held outside the regular working hours of the host institutions where the study centres are located.
- **Industrial Training/Practicals/Project Work :** Some programmes have industrial training/practical/ project component also. Practicals are held at designated institutions for which schedule is provided by the Study Centres. Attendance at practicals is compulsory.



• महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

AN ISO 9001 : 2008 Certified University

1. वर्ल्डएजुकेशन अवार्ड
2. राजीव गांधी अचीवर्स अवार्ड
3. बेस्ट यूनिवर्सिटी अवार्ड 2014
4. बेस्ट यूनिवर्सिटी अवार्ड 2013
5. नायलेट अवार्ड 2014
6. CVRU का प्रदेश में सबसे बड़ी यूनिवर्सिटी के रूप में आविर्भाव
7. अभ्यास प्रोत्साहन सिस्टम के लिए सबसे बड़ा नेटवर्क
8. टर्म एण्ड रिजल्ट की समय पर घोषणा

पाठ्यक्रम डिलेवरी

छात्रों को पाठ्यक्रम डिलेवरी के लिये मल्टीमीडिया प्रकार से अध्ययन सामग्री प्रदान की जाती है :

- **स्व निर्देशात्मक मुद्रित सामग्री** – छात्रों को सैद्धांतिक व व्यावहारिक दोनों प्रकार के ज्ञान के लिए पाठ्यक्रम की अध्ययन सामग्री अलग-अलग समूहों में स्वनिर्देशात्मक शैली में मुद्रित कर भेजी जाती है।
- **दृश्य श्रव्य सामग्री** – छात्र आसानी से विषय समझ सकें इसलिए विश्वविद्यालय द्वारा अनेक पाठ्यक्रम आधारित दृश्य – श्रव्य सीडी का निर्माण किया गया है। ये दृश्य कार्यक्रम सामान्यतः 25-30 मिनट अवधि के होते हैं। इन दृश्य प्रोग्रामों को अध्ययन केन्द्रों पर नियत समय पर छात्रों के लिए दिखाया जाता है तथा इसकी पूर्व सूचना छात्रों को दी जाती है।
- **परामर्श सत्र** – अध्ययन केन्द्रों द्वारा छात्रों की सुविधा हेतु अपने यहाँ नियत कार्यक्रम के अनुसार परामर्श सत्र आयोजित किये जाते हैं।
- **औद्योगिक प्रशिक्षण/प्रायोगिक/ परियोजना कार्य** – कुछ पाठ्यक्रमों में औद्योगिक प्रशिक्षण/प्रायोगिक/ परियोजना कार्य भी सम्मिलित हैं। प्रायोगिक कार्य निर्धारित केन्द्रों पर अध्ययन केन्द्र द्वारा उपलब्ध कराई गई समय सारणी अनुसार कराए जाते हैं। प्रायोगिक कार्य में उपस्थिति अनिवार्य है।



Term-end Examination and Payment of Examination Fee

The University conducts Term-end Examination once in a year in the months of **Dec/June**. Students will be permitted to appear in term-end examination subject to the conditions that 1) registration for the courses, in which they wish to appear is valid, 2) minimum time to pursue these courses is elapsed, and 3) they have also completed the Industrial Field work, if any, in respective courses by the due date. Examination fee is required to be paid.

Support Services :

In order to provide individualized support its learners the University has a large no. of study centre the spread throughout the state. This study centre is co-ordinate by regional centre. At the study centre the learners interact with the academic counselors & other learners, refer to books in the library, watch/listen to video/audio programmes & interact with the co-ordinator on administrative & academic matters.

What is the Credit System ?

DDUKK follows the 'Credit System' for its programs. Each credit in our system is equivalent to 15 hours of study comprising all learning activities.

The following formula should be used for conversion of time into credit hours.

- One Credit would mean equivalent of 15 periods of 60 minutes each, for theory, workshops/labs and tutorials;
- For internship/field work, the credit weightage for equivalent hours shall be 50% of that for lectures/workshops;
- For self-learning, based on e-content or otherwise, the credit weightage for equivalent hours of study should be 50% or less of that for lectures/workshops.

Multiple Entry & Exit System

These 100% Job oriented courses are based on Multiple Entry & Exit System. After completing first year the student will be awarded Diploma in Vocation, After second he/she will get Advanced Diploma in Vocation and after completing all three years he/she will get Bachelor of Vocation (B.Voc.). The students will exit any time & can join any time and any where in relevant vocation. Also there is a provision of switching to and from general education system.

Features of GoCG's Scheme for providing advantages of DDUKK courses to the students of all colleges & Universities of Chhattisgarh State :

- GoCG authorises CVRU's DDUKK for conduction of Skill Development courses in all institutes.
- DDUKK will conduct Training in institutes for Diploma & Certificate courses, & CVRU will be the examination & certifying agency. For UG & PG Courses CVRU will transfer the credit to concerned University.
- Trainers & Labs will be provided by DDUKK depend upon the students strength.
- Rooms, furniture for classes will be provided by the concerned institute with electricity and also period allotment will be given by institute.
- Training, soft copies of study materials and ICT based training tools will be provided by DDUKK.
- DDUKK will charge tuition & exam fee from the students with 25% concession for reserved category.

अवधि समाप्ति के पश्चात् परीक्षा एवं परीक्षा शुल्क विश्वविद्यालय द्वारा अवधि समाप्ति के उपरांत प्रत्येक वर्ष दिसम्बर/जून में टर्म समाप्ति परीक्षा आयोजित की जाती है। छात्र इस परीक्षा में तभी सम्मिलित हो सकता है जबकि (1) उसका उस विषय के लिये पंजीकरण वैध हो (2) उस अध्ययन क्रम के लिये आवश्यक न्यूनतम समय पूर्ण हो गया हो (3) उस अध्ययन क्रम के लिए आवश्यक समस्त Industrial Field work Report निर्धारित समयावधि में जमा कर दिए हों। परीक्षा शुल्क का भुगतान शुल्क तालिका के अनुसार किया जा सकता है।

सहायक सेवाएँ :

विद्यार्थियों को व्यक्तिगत/व्यक्तिशः सेवाएँ प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा बड़ी संख्या में शिक्षा केन्द्र पूरे प्रदेश में स्थापित किए गए हैं, इन शिक्षा केन्द्रों का सम्यक रूप से नियंत्रण क्षेत्रीय केन्द्रों द्वारा किया जाता है। शिक्षा केन्द्रों पर विद्यार्थी, अन्य विद्यार्थियों एवं प्रशिक्षकों के साथ परस्पर संवाद/वार्तालाप करते हैं। लायब्रेरी में किताबों से संदर्भ लेते हैं, वीडियो-ऑडियो प्रोग्रामों को देखते और सुनते हैं।

क्रेडिट सिस्टम क्या है ?

DDUKK अपने पाठ्यक्रमों में क्रेडिट सिस्टम प्रयुक्त करता है।

समय को क्रेडिट घंटों में रूपांतरित करने के लिये निम्न सूत्र का उपयोग किया जाना चाहिए—

- एक क्रेडिट का तात्पर्य है 15 ऐसे घंटे कक्षा के जो प्रति घंटे 60 मिनट का होगा जो सिद्धांतों, कार्यशालाओं एवं अनुशिक्षण कक्षाओं के लिये हैं।
- अन्तरंग अवधि/क्षेत्रीय कार्य के लिये समतुल्य घंटों की अधिमानता दी जाएगी वह व्याख्यान/कार्यशालाओं के लिये प्रदान किये गये घंटों के 50 प्रतिशत की होगी।
- स्व-अधिमान के लिये विषय वस्तु पर अथवा अन्य किसी और पर आधारित, समतुल्य अध्ययन घंटों के लिये क्रेडिट अधिमानता, व्याख्यान/कार्यशालाओं के लिये प्रदान किये गए अध्ययन घंटों का 50 प्रतिशत अथवा इससे कम होगी।

मल्टीपल निकास

इन 100% रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों में मल्टीपल निकास की सुविधा है। प्रथम वर्ष पूर्ण करने पर डिप्लोमा, द्वितीय वर्ष पूर्ण करने पर एडवांस्ड डिप्लोमा व तृतीय वर्ष पूर्ण करने पर बी.वोक. (स्नातक) की उपाधि प्रदान की जायेगी।



Introduction Of Skill Modules In UG/ PG Courses From July 2015 Session

Under National Skills Qualification Framework – NSQF

An important academic change is being introduced in the UG/PG Courses from July 2015 session onwards. This is regarding introduction of skill modules in various UG/ PG Courses, under the aegis of National Skills Qualification Framework – NSQF.

The NSQF is a nationally integrated education and competency based skill framework that will provide for multiple pathways, horizontal as well as vertical, both within vocational education and vocational training and among vocational education, vocational training, general education and technical education, thus linking one level of learning to another higher level. There are 10 levels in the framework, with the entry level being 1, and the highest level being 10. This will enable a person to acquire desired competency levels, transit to the job market and, at an opportune time, return for acquiring additional skills to further upgrade competencies.

The credit accumulation and transfer system that will be integrated in the NSQF will allow people to move between education, vocational training and work at different stages in their lives according to their needs and convenience.

In future, all courses and training would have to be NSQF Compliant. Realizing the importance of this, CVRU has decided to take the lead and introduce skill modules at various NSQF Levels as part of the UG/ PG courses. This means that there are skill modules which are mapped to the curriculum of a particular UG/ PG Course and would now be covered as part of syllabus of the course. This is also beneficial for students as along with the regular marksheets, students would now get an additional certification for a particular skill course too, which can further increase the employability of the students.

राष्ट्रीय कौशल संरचना NSQF के अन्तर्गत जुलाई 2015 से स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में कौशल मॉड्यूल हेतु निर्देश

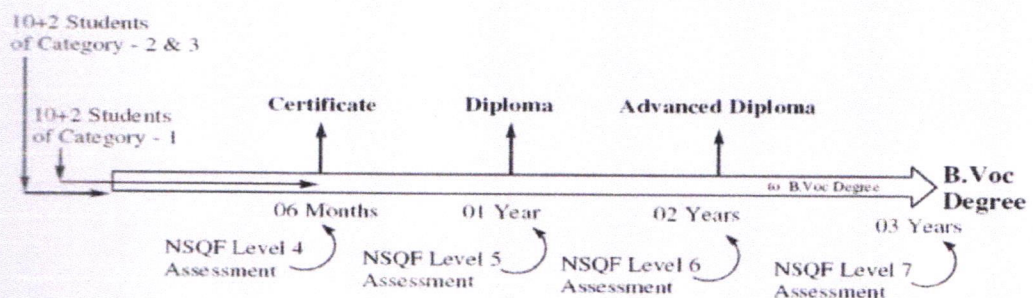
जुलाई 2015 सत्र से एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक परिवर्तन स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रस्तुत किया जा रहा है यह परिवर्तन राष्ट्रीय कौशल योग्यता संरचना NSQF के तत्वाधान में विभिन्न स्नातकीय/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम कौशल मॉड्यूल के प्रस्तुतीकरण के सन्दर्भ में है।

NSQF एक राष्ट्रीय एकीकृत शिक्षा योग्यता है जो कि कौशल संरचना पर आधारित है यह क्षैतिज के साथ-साथ लम्बवत् रूप में व्यावसायिक शिक्षा व व्यावसायिक प्रशिक्षण के अन्तर्गत व्यावसायिक शिक्षा व्यावसायिक प्रशिक्षण सामाजिक शिक्षा व तकनीकी शिक्षा हेतु विभिन्न प्रकार का मार्ग प्रशस्त करेगी। जिससे-सीखने के एक स्तर से उच्चस्तर के बीच कड़ी स्थापित की जा सकेगी। इस ढांचे में 10 स्तर हैं प्रवेश स्तर पर 1 व उच्च स्तर के लिये 10। यह व्यक्ति को रोजगार हेतु वांछित योग्यता का स्तर प्राप्त करने एवं रोजगार बाजार में जाने लायक बनाने व अतिरिक्त कुशलता प्राप्त करने में सहायक होगा।

NSQF का क्रेडिट संचय व हस्तांतरण प्रणाली लोगों को उनकी आवश्यकता व सुविधा के स्तर के अनुसार उनके जीवन में शिक्षा व व्यावसायिक शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर कार्य करने की अनुमति प्रदान करेगा।

भविष्य में सभी पाठ्यक्रम व प्रशिक्षण NSQF के अनुसार होंगे। इसके महत्व को समझने से CVRU द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि विभिन्न NSQF स्तरों पर कौशल मॉड्यूल लाये जायेंगे जो की यू.जी./पी.जी. कार्यक्रमों का ही एक हिस्सा होंगे। इसका अर्थ यह है कि विभिन्न प्रकार के कौशल मॉड्यूल जो कि विशेषतः यू.जी./पी.जी. कार्यक्रमों के पाठ्यक्रमों से मिलते हैं उन्हें इस कार्यक्रमों के पाठ्यक्रमों में शामिल किया जाएगा। यह उन नियमित छात्रों के लिये भी फायदेमंद है उन्हें नियमित अंकसूची के साथ अतिरिक्त प्रमाणपत्र भी मिलेगा। जो कि छात्रों के भविष्य में रोजगार उपलब्ध कराने में सहायक होगा।

NSQF LEVELS



Online Scholarship

The University also offers e-scholarship to the SC/ST/OBC/Minority students as per the Govt. of Chhattisgarh authorized schemes and portal tribal.cg.gov.in. Online applications can be put by the new students registered with the CVRU's DDUKK. Other information regarding various schemes etc. can also be gained from this portal.



Training & Placement Cell:

The Dr. C.V. Raman University has an excellent Placement and Training Cell which provides constant support and ensures maximum placement of students. The university maintains a close relationship with the industries all over Chhattisgarh and MNCs to remain updated with the latest trends and developments. All courses are modeled and re-designed at constant intervals to increase the placement options for students.

Industrial Partners:

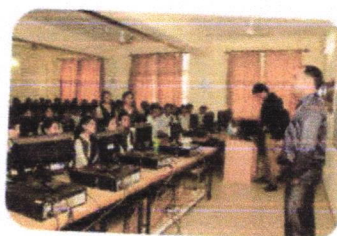
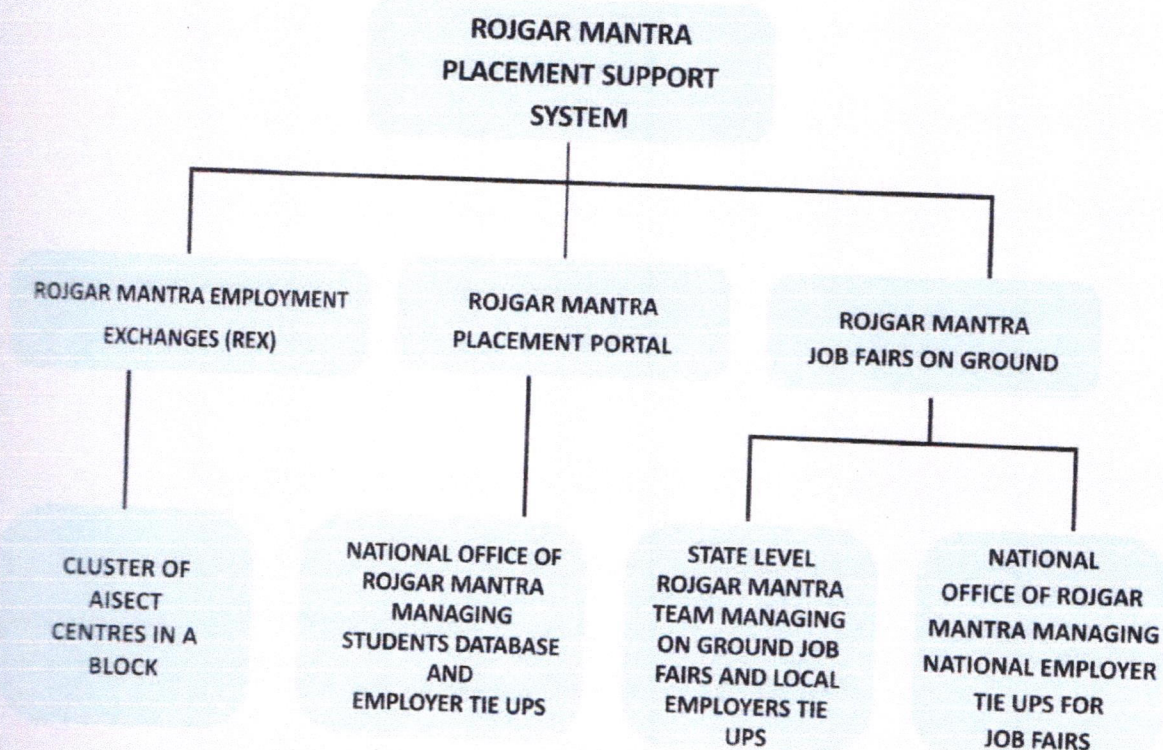
Dr. C.V. Raman University is partnering with various organisations for vocational training in Chhattisgarh. We have signed MOUs for giving vocational training under Deen Dayal Upadhyay Kaushal Kendra with BSNL, Prasar Bharti, Galaxy Hero, Elcon Instruments, Satya Automobiles, Arun Mobiles and soon going to sign MOUs with 122 other companies and industries.

Some of the companies and governments where our students have been placed / got industrial training :



Job Portal:

To increase the employment opportunities a job portal has been operated successfully since last five years with many registered employers and other facilities.



Courses Offered Under DDUKK : Duration, Eligibility & Fee

1. Trade : B.Voc. (Retail Management & IT)

| Course Name | Duration | Eligibility | Fee (Rs.) |
|---|-----------------|-------------------------|-----------------|
| a. Diploma in Retail Mgmt. & IT (DRMIT) | One year | 10+2/ITI/NSQF-IV | 10,000/- |
| Certificate in Sales Associate | 3 months | | 2,500/- |
| Certificate in e-Commerce | 3 months | | 2,500/- |
| Certificate in Distributor Sales Man | 3 months | | 2,500/- |
| Certificate in Accounts Asstt. Using Tally | 3 months | | 2,500/- |
| b. Ad. Diploma in Retail Mgmt. & IT (ADRMIT) | One year | DRMIT/NSQF-V | 10,000/- |
| Certificate in Team Leader | 3 months | | 2,500/- |
| Certificate in Computer Network | 3 months | | 2,500/- |
| Certificate in Departmental Manager | 3 months | | 2,500/- |
| Certificate in DBMS | 3 months | | 2,500/- |
| c. Bachelor in Vocation (Retail Mgmt. & IT) | One year | ADRMIT/NSQF-VI | 10,000/- |
| Certificate in Purchasing Executive | 3 months | | 2,500/- |
| Certificate in Web Designing | 3 months | | 2,500/- |
| Certificate in Mall Manager | 3 months | | 2,500/- |
| Certificate in DTP | 3 months | | 2,500/- |

2. Trade : B.Voc. (Information Technology)

| Course Name | Duration | Eligibility | Fee (Rs.) |
|---|-----------------|---------------------|-----------------|
| a. Diploma in Information Technology (DIT) | One year | 10+2/NSQF-IV | 10,000/- |
| Certificate in Data Entry Operator | 3 months | | 2,500/- |
| Certificate in e-Commerce | 3 months | | 2,500/- |
| Certificate in FOXPRO | 3 months | | 2,500/- |
| Certificate in Accounts Asstt. Using Tally | 3 months | | 2,500/- |
| b. Ad. Diploma in Information Technology (ADIT) | One year | DIT/NSQF-V | 10,000/- |
| Certificate in DBMS & SQL | 3 months | | 2,500/- |
| Certificate in Computer Network | 3 months | | 2,500/- |
| Certificate in JAVA | 3 months | | 2,500/- |
| Certificate in DBMS | 3 months | | 2,500/- |
| c. Bachelor in Vocation (Information Technology) | One year | ADIT/NSQF-VI | 10,000/- |
| Certificate in Comp. Hardware Engineer | 3 months | | 2,500/- |
| Certificate in Web Designing | 3 months | | 2,500/- |
| Certificate in Visual Basic | 3 months | | 2,500/- |
| Certificate in DTP | 3 months | | 2,500/- |



Courses Offered Under DDUKK : Duration, Eligibility & Fee

3. Trade : B.Voc. (Telecommunication)

| Course Name | Duration | Eligibility | Fee (Rs.) |
|--|-----------------|-------------------------|-----------------|
| a. Diploma in Telecommunication (DTel) | One year | 10+2/ITI/NSQF-IV | 15,000/- |
| Certificate in Handset Repair Engineer | 3 months | | 4,000/- |
| Certificate in Optical Fibre Technician | 3 months | | 4,000/- |
| Certificate in Network Engineer | 3 months | | 4,000/- |
| Certificate in Broadband Installer | 3 months | | 3,000/- |
| b. Ad. Diploma in Telecommunication (ADTel) | One year | DTel/NSQF-V | 15,000/- |
| Certificate in Drive Test Engineer | 3 months | | 4,000/- |
| Certificate in Telecom Network | 3 months | | 4,000/- |
| Certificate in Tower Technician | 3 months | | 4,000/- |
| Certificate in BSS Engineer | 3 months | | 3,000/- |
| c. Bachelor in Vocation (Telecommunication) | One year | ADTel/NSQF-VI | 15,000/- |
| Certificate in RF Engineer | 3 months | | 4,000/- |
| Certificate in Power System Engineer | 3 months | | 4,000/- |
| Certificate in Field Sales Executive | 3 months | | 4,000/- |
| Certificate in Trouble Shooting Engineer | 3 months | | 3,000/- |

4. Trade : B.Voc. (Manufacturing)

| Course Name | Duration | Eligibility | Fee (Rs.) |
|--|-----------------|---------------------|-----------------|
| a. Diploma in Manufacturing (DIM) | One year | 10+2/NSQF-IV | 20,000/- |
| Certificate in Tool & Die Making - I | 3 months | | 5,000/- |
| Certificate in Foundry-I | 3 months | | 5,000/- |
| Certificate in Tool & Die Making - II | 3 months | | 5,000/- |
| Certificate in Foundry-II | 3 months | | 5,000/- |
| b. Ad. Diploma in Information Technology (ADIM) | One year | DIM/NSQF-V | 20,000/- |
| Certificate in Welding-I | 3 months | | 5,000/- |
| Certificate in Sheet Metal Work | 3 months | | 5,000/- |
| Certificate in Welding-II | 3 months | | 5,000/- |
| Certificate in Industrial Inspection | 3 months | | 5,000/- |
| c. Bachelor in Vocation (Manufacturing) | One year | ADIM/NSQF-VI | 20,000/- |
| Certificate in Basic Machines | 3 months | | 5,000/- |
| Certificate in Draughts man | 3 months | | 5,000/- |
| Certificate in Automobile-I | 3 months | | 5,000/- |
| Certificate in Automobile-II | 3 months | | 5,000/- |



RETAIL MANAGEMENT & IT

The Indian Retail Industry, having the fifth largest place in the world, has one of the fastest growing industries in India. The retail sector is one of the fastest growing sectors in India, having the world's second largest place in consumer market. Retailing has the major business activities in India and leading sources of employment generation in India. Due to extreme change in the behavior, taste and preferences of the consumer and the growing economy, earning capacity, less time and fast track life makes the emerging challenge in the retail sector of India.

Retailing has played an important role in the world in increasing the productivity across a wide range of consumer goods and services. In India, retail sector is one of the major pillars of economy which comprises 14 to 15 percent of its GDP. The Indian retail market is estimated to be US\$ 450 billion and having fifth place in retail markets of the world by economic value. India has one of the fastest growing retail markets of the world in context of customer, which is having about 1.2 billion customers.

Looking to the fast growing opportunities in retail sector, Academy for Retail proposes to offer various programmes in the beginning which can be expanded depending upon the market forces.

रिटेल मैनेजमेंट व आई टी

भारतीय रिटेल उद्योग का, जिसका विश्व में पांचवा स्थान है, भारत में तेजी से विस्तार हो रहा है। विश्व के उपभोक्ता बाजार में भारतीय रिटेल सेक्टर का दूसरा स्थान है। रिटेलिंग एक बड़े व्यापारिक गतिविधियों में परिवर्तित हो रहा है जो रोजगार सृजन में सहायक हो रहा है। उपभोक्ता के व्यवहार, स्वाद एवं प्राथमिकता तथा बढ़ती अर्थव्यवस्था, आमदनी में बढ़ोतरी, समय की कमी तथा तेज जीवन शैली ने भारतीय रिटेल सेक्टर को अविभाज्य चुनौती प्रदान की है।

रिटेलिंग ने विभिन्न प्रकार के उपभोक्ता सामग्री एवं सेवाओं में उत्पादकता बढ़ाने में अहम भूमिका प्रदान की है। भारत में रिटेल सेक्टर अर्थव्यवस्था का एक बड़ा स्तम्भ है जिसका जीडीपी में 14 से 15 प्रतिशत का योगदान है। भारतीय रिटेल व्यापार का विस्तार 450 बिलियन अमेरिकी डॉलर है जो आर्थिक दृष्टि से विश्व में पांचवा स्थान है। उपभोक्ता के दृष्टिकोण से भी तेजी से बढ़ता हुआ व्यापार है जहां भारत में 1.2 बिलियन उपभोक्ता हैं।

भारतीय रिटेल सेक्टर के तेजी से विकास को देखते हुये एकेडमी फॉर रिटेल प्रारम्भ किया गया है।



Course Details for Bachelor of Vocation (Retail Management & IT)

DIPLOMA IN VOCATION (RETAIL MANAGEMENT & IT)

| Sr No. | Yr | Syllabus & Job Roles | General Education / Skill Education Component | Credit Details | Teaching Hour | Syllabus Source |
|--------|---------|-----------------------------------|---|----------------|---------------|---|
| | | Semester -1 (NSQF level V) | | | | |
| 1 | DIPLOMA | English-I & Communication Skill-I | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 2 | | Computer Application-I | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 3 | | Sales Associate | Skill Education Component | 9 | 135 | RAS/Q0104 |
| 4 | | e-Commerce | Skill Education Component | 9 | 135 | PGDCA 7 e-commerce iode |
| | | Semester -2 (NSQF level V) | | | | |
| 1 | DIPLOMA | Hindi | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 2 | | Basic Accounting & Taxation | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 3 | | Distributor Sales Man | Skill Education Component | 9 | 135 | RAS/Q0604 |
| 4 | | Accounts Assistant Using Tally | Skill Education Component | 9 | 135 | MES- ICT-701 |

Adv. DIPLOMA IN VOCATION (RETAIL MANAGEMENT & IT)

| Sr No. | Yr | Syllabus & Job Roles | General Education / Skill Education Component | Credit Details | Teaching Hour | Syllabus Source |
|--------|--------------|-------------------------------------|---|----------------|---------------|---|
| | | Semester -3 (level VI) | | | | |
| 1 | Adv. DIPLOMA | English-II & Communication Skill-II | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 2 | | Environmental Studies | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 3 | | Team Leader | Skill Education Component | 9 | 135 | RAS/Q0105 |
| 4 | | Computer Network Assistant | Skill Education Component | 9 | 135 | MES- ICT-704 |
| | | Semester -4 (level VI) | | | | |
| 1 | Adv. DIPLOMA | Report Writing | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 2 | | Introduction to Retail Management | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 3 | | Departmental Manager | Skill Education Component | 9 | 135 | RAS/Q0106 |
| 4 | | DBMS | Skill Education Component | 9 | 135 | University Curriculum Development Committee |

BACHELOR OF VOCATION (RETAIL MANAGEMENT & IT)

| Sr No. | Yr | Syllabus & Job Roles | General Education / Skill Education Component | Credit Details | Teaching Hour | Syllabus Source |
|--------|----------------------|-------------------------------------|---|----------------|---------------|---|
| | | Semester -5 (NSQF level VII) | | | | |
| 1 | Bachelor of vocation | Presentation Skill & PD | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 2 | | Computer Application-II | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 3 | | Purchasing Executive | Skill Education Component | 9 | 135 | Under Progress |
| 4 | | Web Designing | Skill Education Component | 9 | 135 | MES-ICT-707 |
| | | Semester -6 (NSQF level VII) | | | | |
| 1 | Bachelor of vocation | Entrepreneurship Development | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 2 | | Store Layout & Design | General Education Component | 6 | 90 | Under Progress |
| 3 | | Mall Manager | Skill Education Component | 9 | 135 | Under Progress |
| 4 | | DTP & Print Publishing | Skill Education Component | 9 | 135 | MES- ICT-702 |



INFORMATION TECHNOLOGY

Information Technology is one of the most important industries in the Indian economy. The IT industry of India has in the last ten years grown at an average annual rate of 30% making it currently a Rs. 400,000 crore industry. Unlike other common industries, the IT industry is knowledge-based and the efficient utilization of skilled labor forces in the IT sector can help an economy achieve a rapid pace of economic growth. The IT industry helps many other sectors in the growth process of the economy including the services and manufacturing sectors.

The right kind of certification in the relevant IT technology can help enhance career prospects - greater remuneration, more challenging job profiles, better career path and increased job security. Certifications are objective measurements of skills and hence easy to use when it comes to comparing and contrasting the talent pool. In some cases it becomes the critical distinguishing factor when candidates have similar skill sets and experience.

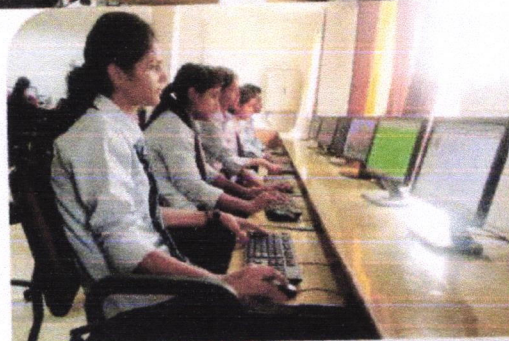
सूचना प्रौद्योगिकी

सूचना प्रौद्योगिकी वर्तमान में भारतीय अर्थव्यवस्था का सर्वाधिक महत्वपूर्ण उद्योग है। पिछले 10 वर्षों से लगातार यह उद्योग 30 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि की दर से बढ़ रहा है। आज यह 400,000 करोड़ का उद्योग बन चुका है। अन्य उद्योगों से उलट इस ज्ञान व कुशलता आधारित उद्योग ने अर्थ व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण स्थान हासिल कर लिया है। सूचना प्रौद्योगिकी ने अन्य उद्योगों जैसे निर्माण व सेवा क्षेत्रों की उन्नति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उपर्युक्त प्रकार का प्रमाणन प्राप्त कर व्यक्ति को आगे बढ़ने में जहां एक ओर मदद मिलती है। वहीं उसे अधिक वेतन, अच्छा कार्य व नौकरी में स्थायित्व भी प्राप्त होता है। प्रमाणन के द्वारा व्यक्ति के कौशल का एक अनुमान लगा पाना सम्भव होता है तथा योग्य व्यक्तियों के समूह में वरीयता दे पाना व तुलना कर पाना सम्भव हो जाता है। समान कौशल व अनुभव रखने वाले व्यक्तियों में अनेक बार प्रमाणन चयन का एक प्रमुख आधार बन जाता है।



डाटा एंट्री ऑपरेटर, टेनी आपरेटर,
होलीवैड ऑपरेटर, सॉफ्टवेयर इंजीनियर,
सॉल्यूट इंजीनियर, सॉफ्टवेयर डेवलपर,
वेब डिजाइनर, ई-सी पी मैनेजर
और सॉफ्ट डिजाइनर जॉब्स



DIPLOMA IN VOCATION (INFORMATION TECHNOLOGY)

| Sr No. | Yr | Syllabus & Job Roles | General Education / Skill Education Component | Credit Details | Teaching Hour | Syllabus Source |
|--------|---------|-----------------------------------|---|----------------|---------------|---|
| | | Semester -1 (NSQF level V) | | | | |
| 1 | DIPLOMA | English-I & Communication Skill-I | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 2 | | Computer Application -I | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 3 | | Domestic Data entry operator | Skill Education Component | 9 | 135 | RAS/Q0104 |
| 4 | | E-Commerce | Skill Education Component | 9 | 135 | University Curriculum Development Committee |
| | | | | | | |
| | | Semester -2 (NSQF level V) | | | | |
| 1 | DIPLOMA | Hindi | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 2 | | Basic science-I | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 3 | | Programming with Foxpro | Skill Education Component | 9 | 135 | University Curriculum Development Committee |
| 4 | | Account Assistant using Tally | Skill Education Component | 9 | 135 | MES-ICT-701 |

Adv. DIPLOMA IN VOCATION (INFORMATION TECHNOLOGY)

| Sr No. | Yr | Syllabus & Job Roles | General Education / Skill Education Component | Credit Details | Teaching Hour | Syllabus Source |
|--------|--------------|-------------------------------------|---|----------------|---------------|---|
| | | Semester -3 (level VI) | | | | |
| 1 | Adv. DIPLOMA | English-II & Communication Skill-II | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 2 | | Enviornmental Studies | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 3 | | Computer Network Assistant | Skill Education Component | 9 | 135 | University Curriculum Development Committee |
| 4 | | DBMS & SQL | Skill Education Component | 9 | 135 | University Curriculum Development Committee |
| | | | | | | |
| | | Semester -4 (level VI) | | | | |
| 1 | Adv. DIPLOMA | Report Writing | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 2 | | Basic science-II | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 3 | | JAVA | Skill Education Component | 9 | 135 | University Curriculum Development Committee |
| 4 | | Programming in c++ | Skill Education Component | 9 | 135 | MES-ICT-704 |

BACHELOR OF VOCATION (INFORMATION TECHNOLOGY)

| Sr No. | Yr | Syllabus & Job Roles | General Education / Skill Education Component | Credit Details | Teaching Hour | Syllabus Source |
|--------|----------------------|-------------------------------|---|----------------|---------------|---|
| | | Semester -5 (level VII) | | | | |
| 1 | BACHELOR OF VOCATION | Presentation Skill & PD | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 2 | | Computer Application-II | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 3 | | Web Designing | Skill Education Component | 9 | 135 | MES-ICT-707 |
| 4 | | Computer Hardware engineer | Skill Education Component | 9 | 135 | MES-ICT-704 |
| | | | | | | |
| | | Semester -6 (level VII) | | | | |
| 1 | BACHELOR OF VOCATION | Entrepreneurship Development | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 2 | | Basic Science-III | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 3 | | DTP & Print Publishing | Skill Education Component | 9 | 135 | MES-ICT-702 |
| 4 | | Programming with Visual Basic | Skill Education Component | 9 | 135 | University Curriculum Development Committee |

TELECOMMUNICATION

Late Dhiru Bhai Ambani Said "One Day Even a rikshawwala will have a mobile", it is now proved. Today is the era of Information Technology & Communication. There is a lot of Vacancies in the field of Telecommunication as a handset repaire tech., network administrator, optical fibre technician, Mobile Tower Technician etc. The present education system is unable to supply skilled engineers to the Telecom Industries. The Course is designed with consulting to the Industries by Academy for Skill Development, Deptt. of Electronics & Communication and Training & Placement Cell.

टेलीकम्युनिकेशन

स्वर्गीय धीरुभाई अंबानी ने कहा था कि एक दिन एक रिक्शावाले के पास भी मोबाईल फोन होगा। उनकी यह बात आज सच साबित हो गयी है। आज का युग संचार क्रांति का युग है। कम्युनिकेशन के नये नये साधन आते जा रहे हैं। इंटरनेट सभी की आवश्यकता बन गया है। वर्तमान समय की शिक्षा प्रणाली कुशल कम्युनिकेशन मानव संसाधन की आवश्यकता को पूर्ण नहीं कर पा रही है। अतः सी वी आर यू ने टेलिकॉम कम्पनियों की आवश्यकता के अनुसार पाठ्यक्रम तैयार किया है। इसमें शतप्रतिशत रोजगार की संभावनाएँ हैं।



रोजगार की
असीमित संभावना
Hand Set Repair से
Telecom Engg. तक
Telecommunication

सेल फोन रिपेयर टेक्नीशियन,
नेटवर्क इंजीनियर, बीएसएस इंजीनियर,
टेलीकॉम सेल्स एक्जीक्यूटिव,
मोबाइल टावर इंजीनियर, पावर सिस्टम
केसे मार्केट डिमांडेड जॉब्स



DIPLOMA IN VOCATION (Telecommunication)

| Sr No. | Yr | Syllabus & Job Roles | General Education / Skill Education Component | Credit Details | Teaching Hour | Syllabus Source |
|--------|---------|-----------------------------------|---|----------------|---------------|---|
| | | Semester -1 (NSQF level V) | | | | |
| 1 | DIPLOMA | English-I & Communication Skill-I | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 2 | | Computer Application-I | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 3 | | Handset Repair Engineer | Skill Education Component | 9 | 135 | TEL/Q2201 (NVQF 4) |
| 4 | | Optical Fiber Technician | Skill Education Component | 9 | 135 | TEL/Q6401 (NVQF 4) |
| | | | | | | |
| | | Semester -2 (NSQF level V) | | | | |
| 1 | DIPLOMA | Hindi | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 2 | | Basic Science-I | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 3 | | Network Engineering | Skill Education Component | 9 | 135 | University Curriculum Development Committee |
| 4 | | Broadband Installation Services | Skill Education Component | 9 | 135 | TEL/Q0102 (NSQF 4) |

ADVANCED DIPLOMA IN VOCATION (Telecommunication)

| Sr No. | Yr | Syllabus & Job Roles | General Education / Skill Education Component | Credit Details | Teaching Hour | Syllabus Source |
|--------|--------------|-------------------------------------|---|----------------|---------------|--|
| | | Semester -3 (NSQF level VI) | | | | |
| 1 | Adv. DIPLOMA | English-II & Communication Skill-II | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 2 | | Enviornmental Studies | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 3 | | Drive Test Engineering | Skill Education Component | 9 | 135 | From Regional Telecom Training cetnter,BSNL, Thiruvananthpuram |
| 4 | | Network Management Engineer | Skill Education Component | 9 | 135 | TEL/Q6302 (NSQF 5) |
| | | | | | | |
| | | Semester -4 (NSQF level VI) | | | | |
| 1 | Adv. DIPLOMA | Report Writing | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 2 | | Basic Science-II | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 3 | | Tower Technician | Skill Education Component | 9 | 135 | TEL/Q4100 + |
| 4 | | BSS Engineer | Skill Education Component | 9 | 135 | TSSC TEL/Q6200 (NSQF 6) |

BACHELOR OF VOCATION (Telecommunication)

| Sr No. | Yr | Syllabus & Job Roles | General Education / Skill Education Component | Credit Details | Teaching Hour | Syllabus Source |
|--------|----------------------|-------------------------------------|---|----------------|---------------|---|
| | | Semester -5 (NSQF level VII) | | | | |
| 1 | BACHELOR OF VOCATION | Presentation Skill & PD | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 2 | | Computer Application-II | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 3 | | RF Engineering | Skill Education Component | 9 | 135 | Taken from Simtech Industrial course |
| 4 | | Power System Engineering | Skill Education Component | 9 | 135 | University Curriculum Development Committee |
| | | | | | | |
| | | Semester -6 (NSQF level VII) | | | | |
| 1 | BACHELOR OF VOCATION | Entrepreneurship Development | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 2 | | Basic Science-III | General Education Component | 6 | 90 | University Curriculum Development Committee |
| 3 | | Field Sales Executive | Skill Education Component | 9 | 135 | University Curriculum Development Committee |
| 4 | | Trouble Shooting through case study | Skill Education Component | 9 | 135 | Case Study |

MANUFACTURING

As India's economy grows, there is an urgent need to produce workforce of international standards to meet industry's rising demand for skilled manpower. The new economy demands new trades and new skills and competencies. The traditional skill set is fast becoming obsolete and the world is looking at India to cap the skills gap in all sectors. However, whereas on one hand, less than 40 percent of India's graduates find employment, industry has a limited involvement in the management of vocational training on the other.

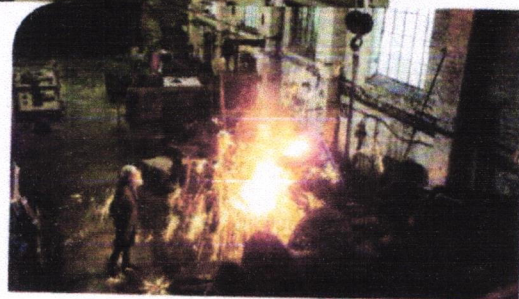
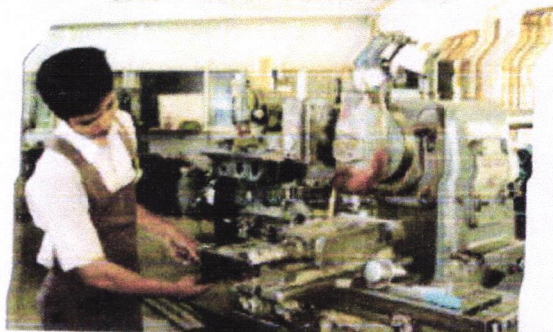
This becomes a key constraint in matching skills between demand and supply.

Through its industry-matched and need-based designed courses, CVR Vocational Education strives to enhance individual employability, reduce the mismatch between demand and supply of skilled manpower in the context of higher global and domestic demands in emerging economic scenario.

मैन्युफेक्चरिंग

जैसे-जैसे भारत में आर्थिक उन्नति की गति बढ़ रही है, अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप कुशल श्रम शक्ति की मांग भी बढ़ रही है। नवीन आर्थिक गतिविधियों के लिये नये क्षेत्रों के कुशल व योग्य कर्मियों की सर्वाधिक आवश्यकता पड़ती है। समय के साथ-साथ परम्परागत कौशल की आवश्यकता प्रायः समाप्त होती जा रही है तथा नये क्षेत्रों के लिये आवश्यक कौशल से युक्त श्रम शक्ति की मांग की पूर्ति हेतु सारी दुनिया भारत पर नजर रखे हुए है। वहीं दूसरी ओर यह भी सत्य है कि भारत के कुल स्नातकों में से लगभग 40 प्रतिशत को ही रोजगार सुलभ हो पाता है। भारत में व्यवसायिक शिक्षण के क्षेत्र में उद्योगों की भूमिका अत्यंत सीमित है और यहीं कुशल श्रम शक्ति की मांग व उपलब्धता में अंतर का सबसे बड़ा कारक है।

सी.वी.आर.यू. उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप तथा समय की मांग के अनुसार पाठ्यक्रमों के द्वारा व्यक्तियों के रोजगार के अवसर बढ़ायेगी, कुशल श्रमशक्ति की मांग व उपलब्धता में अंतर में कमी लाते हुए आधुनिक आर्थिक व्यवस्था के लिये श्रम शक्ति तैयार करने का प्रयास करेगी।



Manufacturing

कंप्यूटर ऑपरेटर, वेल्डर,
ऑटोमोबाइल इंजीनियर,
कुशल वाइंग्स, लेब मशीन ऑपरेटर,
ग्रेट मेटल वर्क, फैब्रिकेटर
कैसे मार्केट डिमांडेड जॉब्स



ADMISSION PROCEDURE

The Prospectus and application form can be obtained from Coordinator of CVRU, Bilaspur, on payment of Rs. 100/-.

1. Read the instructions given in the prospectus carefully before filling up this form.
2. Applicant must ensure minimum eligibility conditions before applying.
3. Submission of Application form will be on the basis for claiming admission.
4. Please write your name exactly as it appears on your 10th/12th Marksheet.
5. Attach only photocopies of mark sheets; certificate etc. with this form, Original document should not be attached.
6. Filled Application Form complete in all respect should be submitted in the office of the University on or before the last date.
7. Please ensure the correct mailing address is given.
8. The Course material will be provided in hardcopy/softcopy wherever possible. In case of unavailability of Hindi Version, English version of the material will be provided.
9. Please write your active e-mail address in clear handwriting.
10. The application form is not transferable.
11. An application will be rejected if there is any

प्रवेश प्रक्रिया

पाठ्यक्रम विवरण पुस्तिका एवं आवेदन पत्र समन्वयक, डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, बिलासपुर से रुपये 100/- का नगद भुगतान कर प्राप्त कर सकते हैं।

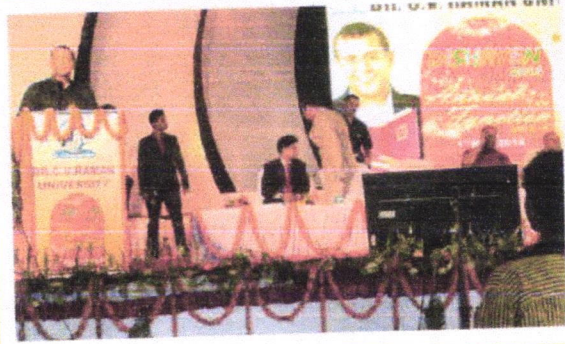
1. पुस्तिका में दिए गये निर्देशों का ध्यानपूर्वक पढ़ने के उपरांत ही आवेदन पत्र भरें।
2. किसी भी पाठ्यक्रम के लिए आवेदन करने से पूर्व इसके लिये आवश्यक पात्रता को सुनिश्चित कर लें।
3. केवल आवेदन पत्र जमा कर देने मात्र से आवेदक प्रवेश का हकदार नहीं हो जाएगा।
4. आवेदन पत्र में अपना नाम वही लिखें जो कि 10वीं / 12वीं की अंकसूची में दर्ज हो।
5. आवेदन पत्र के साथ आवश्यक अंकसूची व प्रमाणपत्रों की प्रतिलिपि ही जमा करें। मूल दस्तावेज संलग्न न करें।
6. पूर्ण रूप से भरे आवेदन पत्र विश्वविद्यालय कार्यालय में प्रवेश के लिए निर्धारित तिथि को या उससे पूर्व जमा करें।
7. आवेदन पत्र में पूर्ण व सही पता साफ-साफ लिखें क्योंकि पत्र व्यवहार इसी पते पर किया जाएगा।
8. जहाँ तक संभव होगा कोर्स सामग्री hardcopy/softcopy में उपलब्ध करायी जाएगी, हिन्दी में उपलब्धता नहीं होने की स्थिति में अंग्रेजी संस्करण उपलब्ध कराया जाएगा।
9. अपना क्रियाशील ई-मेल पता साफ-साफ लिखावट में लिखें।
10. आवेदन पत्र हस्तांतरणीय नहीं है।



Glimpse



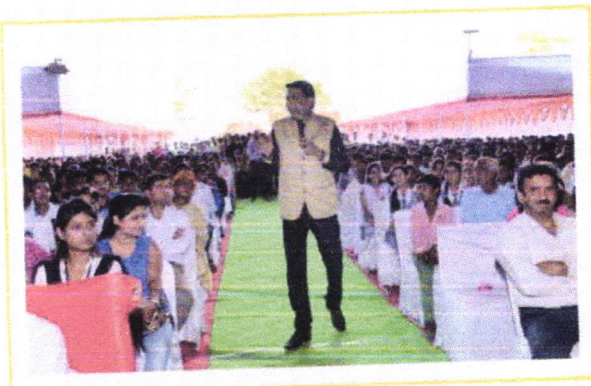
The Then Hon'ble Governor Shri Shekhar Dutt Ji
at Annual Function 2013-2014



Renowned Writer & Youth Ikon Chetan Bhagat
at Dishayen - 14



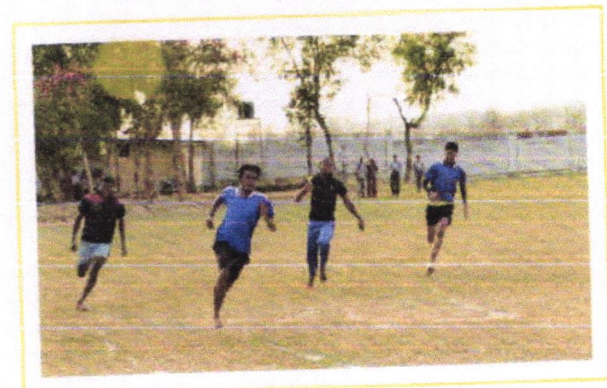
H'ble Governor Shree Balramji Das Tandan,
H'ble Minister Shree P.P. Pandey Ji, H'ble MLA Smt. Renu Jogi Ji



Renowned Motivational Speaker Shre Ujjawal Patniji
at JJOSH-2015



AIU Participation - Youth Festival, Jhansi
Secure Two Prizes



Annual Sports Meet - 2015



Science Models



Industrial Visit



Awards & Accolades



NIELIT Award - 2014



World Education Award



Rajeev Gandhi Achievers Award



Best University Award



Best University Award - 2014

Ready to Work Industrial Exposure & Outstanding Placement Opportunities

Some of the companies where our students have been placed





Application Form

Application No.

DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY

(Deendayal Upadhyay Kaushal Kendra, State's Resource Centre)

(JANUARY / JULY SESSION 20 - 20)

969

[Tick the Session whichever is applicable, Fill the form Using Capital Letters/Tick the appropriate option.]

Name of Programme
Applied for:

Registration No.
(For Office Use Only)

31. Name of the Candidate (Leave one box empty between First Name, Middle Name and Surname) (Please write Name as per your last qualification marksheet)

32. Father's/Husband's Name (Strick out whichever is not applicable)

33. Mother's Name

34. Date of Birth

Day Month Year

5. Gender

Male Female

6. Category

SC ST OBC GEN

7. Person with
Disability

Yes No

35. Nationality

Indian

If others Specify
the Country Name

8. Religion

9. Marital
Status

Yes No

10. Medium

Hindi Eng

36. Complete Postal Address

Pin

AFFIX
PHOTOGRAPH

(4 X 5 cm)
duly attested

37. Contact Tel/Mob. No. : STD Code 1. 2.

38. E-mail Address 14. Parent's Mobile No.

15. (a) Educational Qualification Details :

| Academic Qualification | Board/ University | School/ Institute | Course Name/ Stream (Name of Course & Subjects) | Year of Passing | Percentage/ Division |
|---------------------------|-------------------|-------------------|--|-----------------|----------------------|
| 10 th Standard | | | | | |
| 12 th Standard | | | | | |
| Graduation | | | | | |
| Post Graduation | | | | | |
| Diploma | | | | | |
| Certificate | | | | | |

15. (b) Any other Qualification/Course you have done :

DECLARATION BY APPLICANT

I hereby declare that I have read and understood the conditions of eligibility for the programme for which I seek admission. I fulfil the minimum eligibility criteria and I have provided necessary information in this regard. In the event of any information being found incorrect or misleading, my candidature shall be liable to cancellation by the University at any time and without any refund of any fee paid by me to the University. Further I hereby declare that the information submitted is complete & correct to the best of my knowledge. I fully agree to abide by the rules & regulations of the University as they are now and may be in the future.

Date

Signature of Applicant

16. (a) Name & Address of College/Institute :

(i) Regular Course Name & Semester : (c) College/Institute's Tel. No. with STD code :

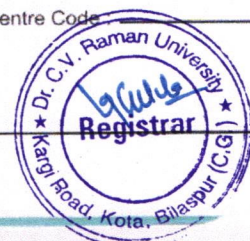
(d) University Name : (e) Enrollment No. : (f) Coordinator's Centre Code :

Principal's Signature & Seal

Name

Coordinator's Signature

Name



यूजीसी ने छत्तीसगढ़ को दिया एकमात्र केंद्र, 708 विश्वविद्यालयों व कालेजों में से हुआ चयन

सीवीआरयू में बनेगा दीनदयाल कौशल केंद्र

विश्वविद्यालय
अनुदान आयोग ने
छत्तीसगढ़ में सिर्फ एक
विश्वविद्यालय डा. सीवी
रामन यूनिवर्सिटी को सेंटर फ
र नॉलेज एक्विजिशन एंड
अपग्रेडेशन और स्कीड डूमन
एडिल्टिटेस एंड लाइवली
हुड स्थापित करने
की अनुमति दी है।

हरिभूमि न्यूनः पितृपुत्रः

इसके लिए देश भर से 708 विश्वविद्यालय और कॉलेजों ने निष्कर्षितपालय अनुष्ठान आयोग के माध्यम से भाग लेना स्वीकार किया। जिसमें से 65 संस्थानों को वैदिकपाल कौशल केंद्र स्थापित करने की अनुमति प्रदान की गई। यह है, सोची समझी विधायिका कोपाल केंद्र स्थापित किया जाएगा। इन लेखन विचारों को जिला क्षेत्र के राज

स्नातक से लेकर रिसर्च तक
शिक्षा देने का प्रावधान

विश्वविद्यालयों व कालेजों में से किसी का सीधा सम्बन्ध विश्वविद्यालय को इसके लिए स्थापित किया गया। विश्वविद्यालय के साथ-कूलार्थ में इस सम्बन्ध के लिए विश्वविद्यालय परिवार का सम्बन्ध-रूप है।

श्री ३०८ और सभी कोर्नर मण्डलीवाल

[illegible]

बेहतर काम का प्रतिफल : अग्रवाल

संजय के उद्देश्य विज्ञान की सीमाओं को तोड़ना था। उन्होंने कहा कि विज्ञान केवल तभी सफल होता है जब यह नए चीजों को समझने के लिए तैयार हो जाता है। उन्होंने कहा कि विज्ञान केवल तभी सफल होता है जब यह नए चीजों को समझने के लिए तैयार हो जाता है। उन्होंने कहा कि विज्ञान केवल तभी सफल होता है जब यह नए चीजों को समझने के लिए तैयार हो जाता है।

कठे दौर के बाद मिली सफलता: पाण्डेय

[illegible]

530 कॉलेजों के छात्र करेंगे बी वोक व एम वोक की पढ़ाई, दीनदयाल कौशल केंद्र बना प्रदेश का रिसोर्स सेंटर

सीवीआरयू को कौशल विकास की जिम्मेदारी

डा. सीवी रामन
विश्वविद्यालय अब
प्रदेश के सभी शासकीय
विश्वविद्यालयों व
महाविद्यालयों के विद्यार्थियों
को भी शिक्षा देगा। राज्य
शासन ने यूजीसी द्वारा
घोषित विश्वविद्यालय के पं.
दीनदयाल कौशल केन्द्र को
स्टेट रिसोर्स सेंटर घोषित
किया है। यहां बी.वोक व
एम. वोक पाठ्यक्रम की
पढ़ाई होगी।

शिलासपुर। कुलराधिव गौरीग पांडेय ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री मोदीजी का विकास, स्थित इंडिया और मेन इन इंडिया जैसे महत्वाकांक्षी योजनाओं को सार्थक करने के लिए कठम उद्योग का वह हैं। इसी प्रयत्न में मानव संसाधन विकास प्रशासन और पूर्वी ने सेटर पर गैलेर एम्बुलिविजन एवं अपोस्टेशन और स्मिड ह्युमन रिविजिनेशन और लक्ष्य की युद्ध प्रशिक्षण करने प्रत्यक्ष गौरी थे।

इन सेंटर्स के माध्यम से दिल्ली में एडवॉकेट डिप्लोमा, बैचलर ऑफ लॉकेजेशन एड्युकेशन, पीपी व रिमोट सार तक शिक्षा का प्रावधान किया गया है। 12वीं योजना के तहत

केंद्र स्थापित
गया है।
प्रस्ताव में
708 कि.
प्रस्ताव दि
मात्र डा.
का अधिन
पुरी प्रक्रि
विषय है।

मानव संसाधन मंत्रालय और यू.बी.डी. के मारफोर्ड में विश्वविद्यालय द्वारा उषरा। यू.बी.डी. में निगरानीकाला को पं. दीनदयाल उपाध्याय औरल से सम्बन्धित करने के अनुसार नि प्रकाश की है। श्री धीरेन्द्र ने बताया कि विश्वविद्यालय पहले ही एनएसटीडी के औरल विभाग कार्यक्रम में कार्य कर रहा था और इसका विश्वविद्यालय को अनुभव था। उ. मारफोर्ड के आदेश के बाद श्री. लोक व एच. लोक के माध्यम से प्रदेश के सभी राज्यों को यह कार पाणी इससे उन्हें राजाज मिलेगा।



विश्वम्भपुर । सीवीआर द्यु स्थित कौशल विकास केंद्र

अब, जजा व ओबीसों को साथ: लारीमण्ड राज्य मिहड़ा राज्य है और यहां अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति व मिहड़ा वर्ग के विधायियों को संख्या काशी है। इसलिए राजका के नियमों का पालन करते हुए इन सभी वर्गों के विधायियों को साथ दिया जाएगा।

क्या है नियम

ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि
अन्न, फलपत्ती, राज्य शासकीय
परिषद् संबंधी व्यवस्थाएं जो
उपरोक्त विधिविधानों द्वारा
नियंत्रित हैं। इसी तरह शासकीय
विधिविधानों से महाविद्यालयों द्वारा

शिवरात्रि सुविधा, कर्त्तव्य, विद्युत्, व्यवस्था जैसे अन्य सुविधा प्रदान की जाएगी। ती. भा.पु. इस संबंध में स्थानीय विप्लवविधायक के वक्तवसहित और महारथजालस्थलों के प्राचार्यों को पत्र जारी किया है।

इसी सत्र में य

६६
सेंटर के लिए रामन
यूनिवर्सिटी को अनुमति

स्टेडेट रिक्वांरि सेंटर स्थापित करने की अनुमति निम्न की, सीधी समन सिविलियनता को प्रदान की गई है। इसके तहत यूनिटी से सिविलियनता के प. दीनदत्त देवसैन को की अनुमति है। इसी आधार पर शस्त्र से स्टेट रिक्वांरि सेंटर स्थापित करने की घोषणा की है। इसके माध्यम से अब स्टेट के सभी सिविलियनता के गणतन्त्रता के विचारों की, लोक उद्गम, लोक की पद्धति को बढ़ावा देना है। इससे प्रशासन के युवाओं को लाभ मिलेगा।

- डॉ. सूरज अग्रवाल
नवीन उच्च शिक्षा

**लक्ष्मी युवाओं को
सेजगार के अवसर**

[illegible]

विश्वविद्यालय के लिए चुनौतीपूर्ण : पांडेय

रबी राम विश्वविद्यालय के कुलपति श्री चौधरी ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन ने ऐतिहासिक निर्माद राते हुए विश्वविद्यालय के प. ई.नरयण उपाध्यक्ष कोषाल के.पू. स्टेट रिलेस सेंटर स्थापित किया है। यह देश का पहले विश्वविद्यालय है, जिसे स्टेट रिलेस सेंटर स्थापित कर देश का सभी विश्वविद्यालय



यह माहौल प्रकृति में वायु प्रवाह से प्रभावित करने की अनुमति प्रदान की गई है। सभी माहौल में यह वायु प्रवाह के द्वारा वायु की मात्रा के अनुसार विभिन्न स्थितियों की ओर प्रतिक्रिया प्रदान है। इससे हम वायु प्रवाह के लक्षणों को समझ सकते हैं। विभिन्न स्थितियों में यह वायु प्रवाह के द्वारा वायु की मात्रा के अनुसार विभिन्न स्थितियों की ओर प्रतिक्रिया प्रदान है।

इस संबंध में विज्ञापित करने के लिये मैं धन्य है।

दुर्घ ने कहा कि शासन
ने निर्दिष्ट दिया है कि ये
संस्कार ही महापुरुषों की
शक्ति हैं। इसलिए
सभी विश्वविद्यालयों में
महापुरुषों के नामों



विद्यविद्वत्तया और
महोदयता ने सम्मन्त्रा



उपर सचिव कार की प्राप्ति
नहीं की जायेगी। इनके
लिए पूरी योजना की जा
चुकी है। इनमें विद्यार्थियों
को दश तरह रोजगार
के अवसर प्रदान कराया





“ Success can only come by
courageous devotion to the task
lying in front of you. ”

- Dr. C.V. Raman

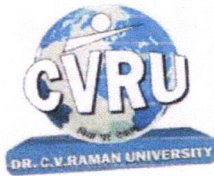
First Indian & also First Asian
Nobel Laureate. (For Physics in 1930).
For his illustrious discovery,
of Scattering of Light commonly
called "Raman Effect".

National Science Day is celebrated in
India on 28 February each year to
mark the discovery of the
Raman effect.



पाम्पलेट की मूलप्रति





DEEN DAYAL UPADHYAY KAUSHAL KENDRA

(Centre for Knowledge Acquisition & Upgradation of Skilled Human Abilities and Livelihood)

A Skill Development Initiative of

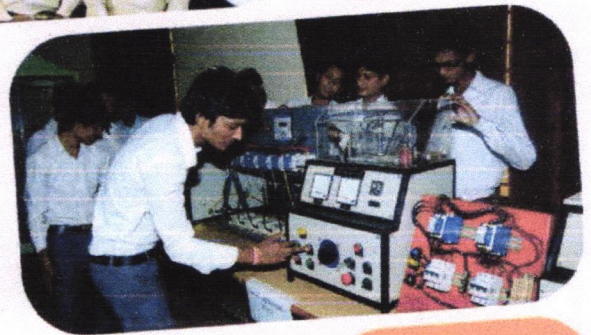
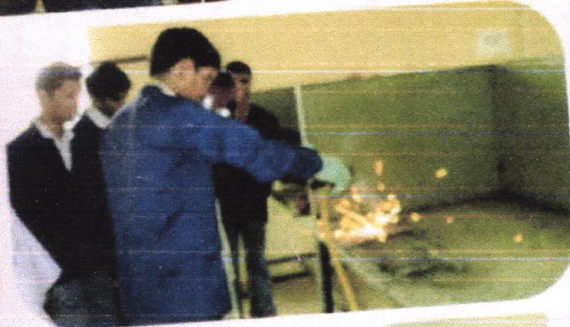
University Grants Commission (UGC) and MHRD, Govt. of India

Skilling India...



Well Equipped
Workshops
&
Labs

Highly
Experienced
Trainers



100%
Industrial
Exposure



www.cvr.u.ac.in



DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY

A STATUTORY UNIVERSITY UNDER SECTION 2(f) OF THE UGC ACT

ISO 9001:2008 CERTIFIED UNIVERSITY



Joint Committee (UGC | DEB | AICTE)

Recognized by UGC

Approved by AICTE | NCTE | BCI | AIU | GoCG

Ph: 07753-253801, 8359050060-62 Fax: 07753-253728

Email: Registrar@cvru.ac.in



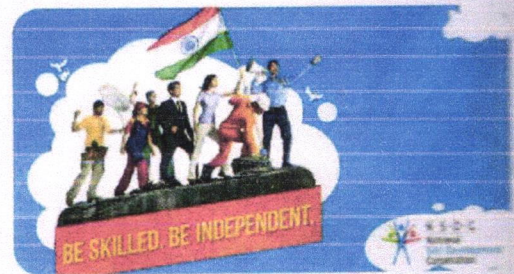
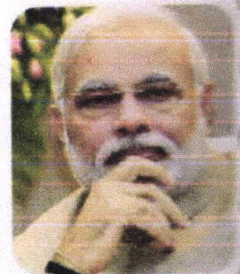
Skill Development Mission of Government of India :

It has been a long felt necessity to align higher education with the emerging needs of the economy so as to ensure that the graduates of higher education system have adequate knowledge and skills for employment and entrepreneurship. The higher education system has to incorporate the requirements of various industries in its curriculum, in an innovative and flexible manner while developing a holistic and well groomed graduate.

Ministry of Finance, Government of India has established **National Skill Development Corporation (NSDC)** under the chairmanship of **Hon'ble Prime Minister** of India, NSDA, NSQF Committee and SSCs for "**Skilling India**" mission.

Ministry of HRD, Government of India had issued an Executive Order in September 2011 for National Vocational Education Qualification Framework (NVEQF). Subsequently, Ministry of Finance, in pursuance of the decision of Cabinet Committee on Skill Development in its meeting

held on 19th December, 2013, has issued a notification for National Skills Qualifications Framework (NSQF). Under the **National Skills Development Corporation**, many **Sector Skill Councils** representing respective industries have/are being established. One of the mandates of Sector Skill Councils is to **develop Qualification Packs (QPs) National Occupational Standards (NOSs)** for various job roles in their respective industries. It is important to embed the competencies required for specific job roles in the higher education system for creating employable graduates.

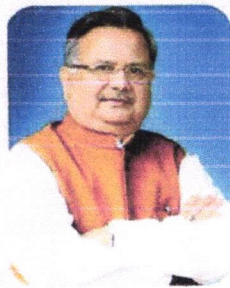


Deen Dayal Upadhyay Kaushal Kendra :



The **University Grants Commission (UGC)** has launched a scheme **Deendayal Upadhyay Kaushal Kendra** on **skills development based higher education** as part of college/university education, leading to Bachelor of Vocation (B.Voc.) and Master of Vocation (M.Voc.) Degrees with multiple exits such as Diploma/Advanced Diploma under the NSQF. The B.Voc. programme is focused on universities and colleges providing undergraduate studies which would also incorporate specific job roles and their NOSs alongwith broad based general education. This would enable the graduates completing B.Voc. to make a meaningful participation in accelerating India's economy by gaining appropriate employment, becoming entrepreneurs and creating appropriate knowledge.

Initiative of Deptt. of Higher Education, Govt. of Chhattisgarh :



Government of Chhattisgarh also seeks contribution in skill development of Chhattisgarh from the Universities/Institutions/Industries. On the meeting of coordination committee of Universities Hon'ble Governor and Govt. of Chhattisgarh gave the instructions to open skill and vocational courses in Universities and to establish **Deendayal Upadhyay Kaushal Kendra** a MHRD Govt. of India's scheme in University. UGC has given DDUKK only to Dr. C.V. Raman University, in order to give the befits of DDUKK courses to the students of entire Chhattisgarh State, Deptt. of Higher Education, GoCG has issued an order that the students of all government and private colleges can take advantages of DDUKK's Certificate, Diploma, Ad. Diploma, B.Voc and M.Voc courses along with their current course and declare Dr. C.V. Raman University's Deen Dayal Upadhyay Kendra as **State's Resource Centre upto year 2020**.



Dr. C.V. Raman University - Leading University in Skill Development :

Dr. C.V. Raman University is a premier and fastest growing university of Chhattisgarh state established by GoCG gazette notification in 2006 by AISECT. In order to create 'industry fit' skilled workforce and to fill the skill gap between industrial requirement and skill, The university takes initiative and joined hand with **National Skill Development Corporation (NSDC)** through its parent society AISECT, and established a **Skill Development Academy**. Presently university has been designed and offering many short term skill development and vocational training certificate courses and also joining hands with various state and central government organizations established for this purpose and industries for skill development and vocational training in different sectors like Telecommunication, IT, Manufacturing, Retail, BFSI, Electronics, Agriculture etc. We are also proud to say that we are the only university of Chhattisgarh which has been given **Deendayal Upadhyay Kaushal Kendra** by UGC and MHRD.



Now with the present skill development scenario of India university has been started **B.Voc. and M.Voc.** degree programme announced by UGC in various specializations, and various sector skill councils certificate courses under **Deendayal Upadhyay Kaushal Kendra**.



Skill Development Courses Offered with Multiple Entry & Exist and Credit System :

Master of Vocation (M.Voc.)

Eligibility : B.Voc / NSQF Level - 7
in relevant sector.
Age - No Bar.

Retail Management & IT
Information Technology
Telecommunication
Manufacturing

Duration-NSQF Level

Previous Year - NSQF Level - 8
Final Year - NSQF Level - 9

Bachelor of Vocation (B.Voc.)

Retail Mgmt. IT Telecommunication Manufacturing

Duration-NSQF Level

Eligibility :

Diploma in Vocation (DIV)

First Year - NSQF Level - 5

10+2 / NSQF - 4

Advanced Diploma in Vocation (ADIV)

Second Year - NSQF Level - 6

DIV / NSQF - 5

Bachelor of Vocation (B.Voc.)

Third Year - NSQF Level - 7

ADIV / NSQF - 6

एन. एस. ई. 200% रोजगारोंमुखी पाठ्यक्रमों में मल्टीपल निकास की सुविधा है। प्रथम वर्ष पूर्ण करने पर डिप्लोमा, द्वितीय वर्ष पूर्ण करने पर एडवांस्ड डिप्लोमा व तृतीय वर्ष पूर्ण करने पर बी. वोक. (मानक) की उपाधि प्रदान की जायेगी। उक्त दोनों पाठ्यक्रम में प्रति सेमेस्टर दो जॉब रोलस का कौशल विकास होगा। जॉब रोल का अर्थ है जिस कौशल ट्रेड हेतु पाठ्यक्रम (वोकेशन) की ट्रेनिंग प्राप्त की गई, उदाहरण के लिये टेलीकम्युनिकेशन में प्रथम वर्ष में प्रशिक्षु हैंड सेट रिपेयर व फाइबर ऑप्टिक स्लाइसर की पूर्ण ट्रेनिंग प्राप्त कर इसके योग्य बन जायेंगे। इस तरह कुल छः सेमेस्ट्रों में मार्केट डिमांडेड 2 जॉब रोलस (Certificate course) NSQF Framework के अनुसार कराये जायेंगे। इसमें परंपरागत पाठ्यक्रम व कौशल पाठ्यक्रम के मध्य स्वीचिंग का भी प्रावधान है। उक्त पाठ्यक्रमों में विभिन्न मार्केट डिमांडेड जॉब रोलस की ट्रेनिंग, 60% स्किल एजुकेशन कंपोनेंट व 40% जनरल एजुकेशन कंपोनेंट को एवं सुनिश्चित रोजगार हेतु कौशल प्राप्ति के लिए संबंधित उद्योगों में ही ऑन जॉब ट्रेनिंग का एवं प्लेसमेंट (रोजगार) का प्रावधान है। बी. वोक. डिग्री का प्रस्ताव एवं आबंटन एन. एस. ई. सरकार द्वारा किया गया है अतः बी. वोक. डिग्री की मान्यता संदेह से परे है एवं धारकों का भविष्य उज्ज्वल है।

Retail Management & IT (Certificate, Diploma, Ad. Diploma & Degree)

Diploma in Vocation

1. Sales Associates
2. e-Commerce
3. Distri. Sales Man
4. Acc. Using Tally

Advanced Diploma in Vocation

5. Team Leader
6. Comp. Network
7. Depar. Manager
8. DBMS

Bachelor of Vocation

9. Puchasing Ex.
10. Web Designing
11. Mall Manager
12. DTP & Print Pub.

Information Tech. [IT]

(Certificate, Diploma, Ad. Diploma & Degree)

Diploma in Vocation

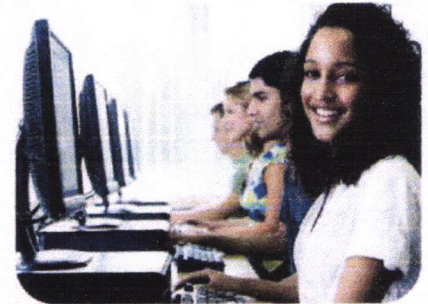
1. Data Entry Op.
2. e-Commerce
3. Foxpro
4. Acc. Using Tally

Advanced Diploma in Vocation

5. DBMS & SQL
6. Comp. Network
7. JAVA
8. Programming in C

Bachelor of Vocation

9. Comp.H/W Engg.
10. Web Designing
11. Visul Basic
12. DTP & Print Pub.



Telecommunication (Certificate, Diploma, Ad. Diploma & Degree)

Diploma in Vocation

1. Handset Repair
2. Optical Fibre Tech.
3. Network Engg.
4. Broadband Installer

Advanced Diploma in Vocation

5. Drive Test Engg
6. Telecom Network Mgmt
7. Tower Tech.
8. BSS Engineer

Bachelor of Vocation

9. RF Engineer
10. Power System Engineer
11. Field Sales Ex.
12. Trouble Shooting Engg.

Manufacturing (Certificate, Diploma, Ad. Diploma & Degree)

Diploma in Vocation

1. Tool & Die M-I
2. Foundry-I
3. Tool & Die M-II
4. Foundry-II

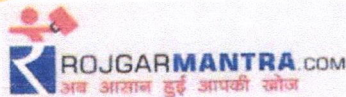
Advanced Diploma in Vocation

5. Welding-I
6. Sheet Metal Work
7. Welding-II
8. Industrial Insp.

Bachelor of Vocation

9. Basic Machine
10. Droughtsman
11. Automobile-I
12. Automobile-II





Job Portal :

To increase the employment opportunities a job portal has been operated successfully since last five years with many registered employers and other facilities .

Training & Placement Cell :

The Dr. C.V. Raman University has an excellent Placement and Training Cell which provides constant support and ensures maximum placement of students. The university maintains a close relationship with the industries all over Chhattisgarh and MNCs to remain updated with the latest trends and developments. All courses are modeled and redesigned at constant intervals to increase the placement options for students.

Industrial Partners :

Dr. C.V. Raman University is partnering with various organisations for vocational training in Chhattisgarh. We have signed MOUs for giving vocational training under Deen Dayal Upadhyay Kaushal Kendra with BSNL, Prasar Bharati, Mahima Big Bazar, Galaxy Hero, Elcon Instruments, Staya Automobiles, Arun Mobiles and soon going to sign MOUs with 122 other companies and industries.

Some of the companies and governments where our students have been placed / got industrial training :



Contact Details :



DEEN DAYAL UPADHYAY KAUSHAL KENDRA DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY

Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.) Ph: 07753-253801, 8359050060-62

Fax: 07753-253728 | Email: asd.cvai@gmail.com | www.cvrु.ac.in





उच्च शिक्षा विभाग,
छत्तीसगढ़ शासन

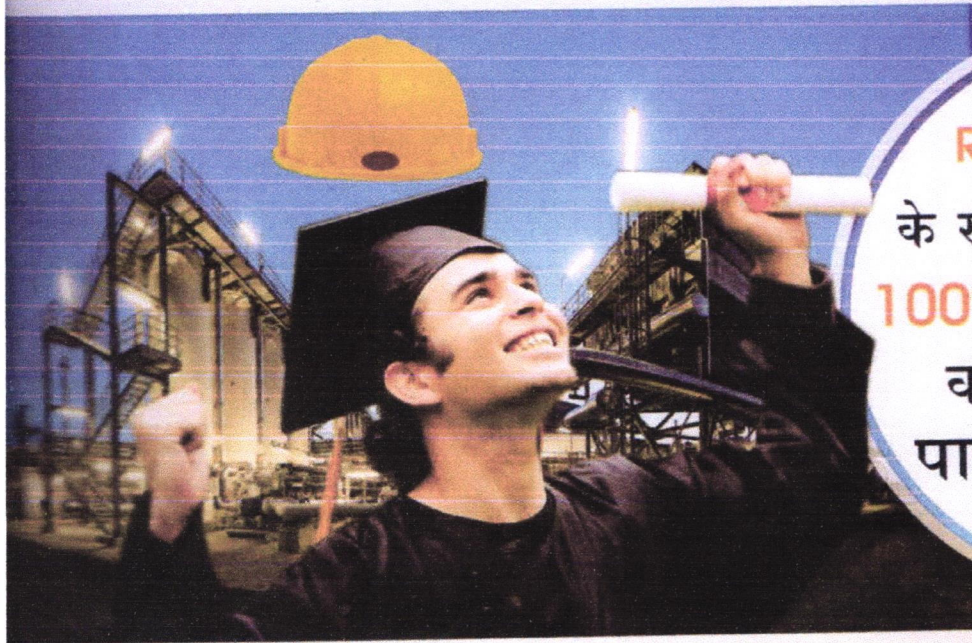
in collaboration with

दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र

डॉ. सी.वी. रामन् विश्वविद्यालय

A Skill Development Initiative of University Grants Commission (UGC) & MHRD, Govt. of India

कौशल विकास प्रशिक्षण योजना



अपने

Regular Course

के साथ उसी कालेज में
100% JOB Oriented

कौशल विकास
पाठ्यक्रम कीजिये

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू जी सी) एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की कौशल विकास हेतु महत्वाकांक्षी योजनांतर्गत

दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र

कौशल विकास के डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध स्तर के पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु, सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में एकमात्र डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय को ही प्रदान किया गया है।

योजना का विवरण :

छत्तीसगढ़ शासन ने छात्र-हित एवं उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु, छत्तीसगढ़ के सभी महाविद्यालयों के छात्रों को उनके नियमित के साथ कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु इस योजना को आरंभ किया है।

इस योजना को डॉ. सी.वी. रामन् विश्वविद्यालय को प्रदत्त दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र को राज्य का संसाधन केन्द्र, उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा घोषित किया है।

इस योजनांतर्गत राज्य के उद्योगों की मांग के अनुसार 100% रोजगार मूलक सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, बी.वोक. व एम वोक पाठ्यक्रमों का संचालन दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र, डॉ. सी.वी. रामन् विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान महाविद्यालय में ही किया जायेगा।

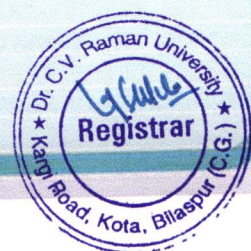
इन पाठ्यक्रमों की निर्धारित फीस छात्रों द्वारा सीधे दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र, डॉ. सी.वी. रामन् विश्वविद्यालय को देय होगी, छात्रों को हेतु 24% की छूट रहेगी एवं इन वर्गों के छात्रों को शासन से छात्रवृत्ति प्रदान की जायेगी।

इस योजनांतर्गत प्रस्तावित पाठ्यक्रम सुनिश्चित रोजगार प्राप्ति में सहायक होंगे व प्लेसमेंट हेतु छात्रों का रोजगारमंत्रा वेब साइट में दर्ज किया होगा।

Address: UGC, CG. Ph: +91-7753-253801, 8359050060 Fax: +91-7753-253728 | Email: ramanv@gmail.com

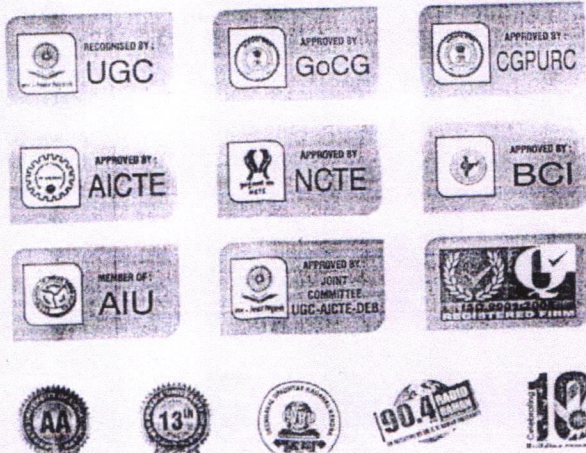


विज्ञापन एवं प्रकाशित समाचारों की प्रति



Proud to be Central India's Leading University Since 2006

उत्तीसाद का एकमात्र निजी विश्वविद्यालय जिसे वर्ष 2009 से
मुक्त एवं दूरवर्ती शिक्षा के लिये मान्यता प्राप्त है



उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन का दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र डॉ. सी.बी. रामन् विश्वविद्यालय (कोशीम विभाग सेतु राज्या हल सलमान केन्द्र)



प्रवेश प्रारंभ

अपने Regular Course के साथ उसी कालेज में 100% JOB Oriented Vocational Course भी कीजिये

सत्र २०१६-१७

Manufacturing

Diploma in Manufacturing

| | | |
|-----------------|----|---------|
| Tool & Die M-I | 2. | Foundry |
| Tool & Die M-II | 4. | Foundry |

Advanced Diploma in Manufacturing

| | |
|---------------|---------------------|
| 5. Welding-I | 6. Sheet Metal Wo |
| 7. Welding-II | 8. Industrial Insp. |

Bachelor of Vocation (Manufacturing)

| | |
|------------------|------------------|
| 9. Basic Machine | 10. Droughtsman |
| 11. Automobile-I | 12. Automobile-I |



प्रवेश हेतु अपने महाविद्यालय के प्राचार्य/योजना समन्वयक से संपर्क करें

[illegible]

MBA M.Sc. B.A. PGDCA DCA

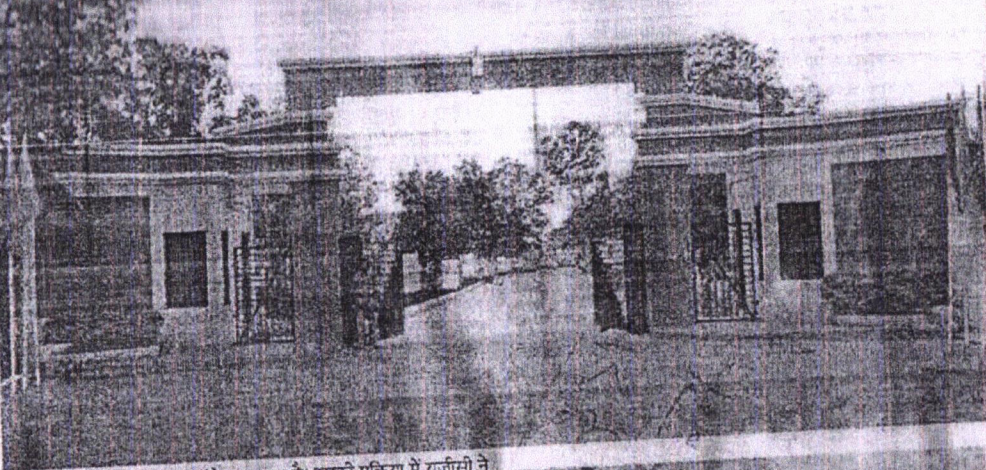


प्रदेश में कौशल का जिम्मा सीवी रामन् विवि को

530 कॉलेज पढ़ेंगे सीवीआरयू से, दीनदयाल कौशल केंद्र बना प्रदेश का रिसोर्स सेंटर

चुनौतीपूर्ण दायित्व - कुलसचिव

बिनासपुर। डॉ. सी.वी. रामन् विश्वविद्यालय अब प्रदेश के सभी शासकीय विश्वविद्यालय और महाविद्यालय के विद्यार्थियों को भी शिक्षा देगा। उत्तीर्ण छात्रों ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा घोषित डॉ. सी.वी. रामन् विश्वविद्यालय के प. दीनदयाल कौशल केंद्र को स्टेट रिसोर्स सेंटर घोषित किया है। इसी शिक्षा सत्र से प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में डॉ. सी.वी. रामन् विश्वविद्यालय बो.वोक व एम.वोक पाठ्यक्रम की पढ़ाई कराएगा। इसके प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों को कौशल में दक्ष किया जाएगा और उन्हें रोजगार मिल सकेगा। यह देश का पहला विश्वविद्यालय है, जिसे स्टेट रिसोर्स सेंटर स्थापित कर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में पाठ्यक्रम संचालित करने की अनुमति प्रदान की गई इस संबंध में जानकारी देते हुए डॉ. सी.वी. रामन् विश्वविद्यालय के कुलसचिव शैलेष पाण्डेय ने बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कौशल विकास, स्किल इंडिया और मेन इन इंडिया जैसे महाकाव्य योजनाओं की कल्पना की है, और इस कल्पना को सार्थक बनाने के लिए काम भी उठ रहे हैं।



और यूजीसी ने सेंटर फॉर नॉलेज एक्विविजेशन एंड अपग्रेडेशन और स्कौड यूनन एविलिटिस् एंड लाइवली वुड स्थापित करने के लिए प्रस्ताव मागे थे। सरकार की मंशा है कि इसके माध्यम से मेनपावर तैयार किया जाए। इन सेंटर्स के माध्यम से डिप्लोमा, एडवॉंस डिप्लोमा, बैचलर ऑफ वोकेशनल एनुकेशन, पीजी व रिसर्च स्तर तक शिक्षा का प्रावधान किया गया है। श्री पाण्डेय ने बताया कि 12वीं योजना के तहत देश भर में 100 दीनदयाल कौशल केंद्र स्थापित किया जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसकी प्रक्रिया में यूजीसी ने प्रस्ताव मंगाया गया था, जिसमें देश भर के 708 विश्वविद्यालय व कॉलेजों ने प्रस्ताव दिया था। उत्तीर्ण प्रदेश व विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है कि प्रदेश में एक मात्र डॉ. सी.वी. रामन् विश्वविद्यालय का चयन किया गया है। इसके लिए पूरी प्रक्रिया को विश्वविद्यालय ने पूरा किया है। मानव संसाधन मंत्रालय और यूजीसी के मापदंडों में विश्वविद्यालय खरा उतरा। यूजीसी ने विश्वविद्यालय को प. दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र स्थापित करने की अनुमति प्रदान की है। श्री पाण्डेय ने बताया कि विश्वविद्यालय पहले ही एनएसडीसी के कौशल विकास कार्यक्रम में काम कर रहा था, और इसका विश्वविद्यालय को अनुभव भी है। श्री पाण्डेय ने कहा कि हम सरकार व यूजीसी की कल्पना को सकारण रूप से और युवाओं के लिए बेहतर से बेहतर काम कर रहे हैं। इसी

बाद प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में बी.वोक व एम.वोक पढ़ाई सकेगी। इसके माध्यम से हम प्रदेश के सभी युवाओं को दक्ष कर पाएंगे, जिससे उन्हें रोजगार मिलेगा।



इसी सत्र से होगी पढ़ाई शुरू - कुलपति

श्री पाण्डेय ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन ने ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए डॉ. सी.वी. रामन् विश्वविद्यालय के प. दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र को स्टेट रिसोर्स सेंटर घोषित किया है। यह देश का पहला विश्वविद्यालय है, जिसे स्टेट रिसोर्स सेंटर स्थापित कर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में पाठ्यक्रम संचालित करने की अनुमति प्रदान की गई है। श्री पाण्डेय ने बताया कि सही मायने में यह कदम केंद्र व राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप स्किल इंडिया की ओर महत्वपूर्ण फैसला है। जिससे हम पूरे प्रदेश के लाखों युवाओं की स्किल्ड कर सकेंगे। विश्वविद्यालय को यह चुनौती पूर्ण दायित्व मिला है।

प्रदेश के लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर

श्री पाण्डेय ने बताया कि अब विश्वविद्यालय में स्थापित दीनदयाल कौशल केंद्र के माध्यम से प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में बी.वोक इन टेलीकम्युनिकेशन, बी.वोक इन रिटेल मैनेजमेंट इन आईटी और बी.वोक इन मैनुफैक्चरिंग पढ़ाई होगी साथ ही इसी तीन विषयों में एम.वोक की पढ़ाई भी कराई जाएगी। श्री पाण्डेय ने बताया बी.वोक व एम.वोक, कि टेलीकम्युनिकेशन, बी.वोक इन रिटेल मैनेजमेंट इन आईटी और

के जरूरत के अनुसार दश युवा कार्य सीखकर निकलेंगे। इसमें मुख्य रूप से मैनुफैक्चरिंग में वेल्डिंग, सीएमसी, शॉट मेटल वर्क, इम्प्रिंटिंग आदि कार्य के लिए स्नातक स्तर पर कुशल मेनपावर की डिमांड पूरी हो जाएगी। इसी तरह टेलीकम्युनिकेशन, ऑप्टिकल फाइबर केबल टेक्नीशियन, नेटवर्क इंजीनियर, ब्रॉड बैंड इंस्टालर, पावर सिस्टम इंजीनियरिंग में रोजगार मिल सकेगा। इसी तरह रिटेल मैनेजमेंट के क्षेत्र में बिलिंग एजिक्युटिव रिटेल, सेल्स एजिक्युटिव स्टोर सुपर वाइजर, मॉल मैनेजर और ब्रांड मैनेजर सहित कई क्षेत्र में काम के अवसर विद्यार्थियों को मिलेंगे।

कैसे होगी पढ़ाई, क्या है नियम

श्री पाण्डेय ने बताया कि इस संबंध में शासन ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं ताकि अधिक से अधिक युवाओं को पाठ्यक्रम से पढ़ाई कराई जा सके। इसके लिए पाठ्यक्रम, फैकेल्टी, पाठ्य सामग्री और परीक्षा संबंधी व्यवस्थाएं डॉ. सी.वी. रामन् विश्वविद्यालय द्वारा की जाएगी। इसी तरह शासकीय विश्वविद्यालय व महाविद्यालय द्वारा शिक्षण सुविधा, फॉर्चर, विद्युत, व्यवस्था, जैसी अन्य सुविधा प्रदान की जाएगी। श्री पाण्डेय इस संबंध में सभी विश्वविद्यालय के कुलसचिव और महाविद्यालयों के प्राचार्यों को पत्र जारी किया गया है।

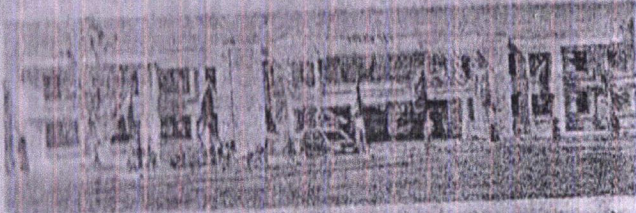


शैलेष पाण्डेय, कुलसचिव

श्री पाण्डेय ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा राज्य है और यहां अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति व पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों की संख्या काफी है। इसलिए सरकार के नियमों का पालन करते हुए इन सभी वर्गों के विद्यार्थियों को लाभ दिया जाएगा। श्री पाण्डेय ने बताया कि शासन का मानना है कि बी.वोक, एम.वोक, पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए अध्यापन, फैकेल्टी एवं दूसरे मरीनरी आदि पर बहुत अधिक वित्तीय भार की संभावना है। यह सभी सुविधाएं और अनुभव डॉ. सी.वी. रामन् विश्वविद्यालय के कौशल केंद्र में पूर्णव्यापक है। इसका आसानी से प्रदेश के युवाओं को दिया जा सकता है। यह लाभकारी अधिक



रमन विश्वविद्यालय को प्रदेश में कौशल का जिम्मा



2. सड़क के 530 कालेज
 पाईजो रमन विवि से
 3. दीनदयाल कौशल केंद्र बना
 प्रदीप का रिसोर्स सेंटर

विशेषाधिकार स्थानीय प्रतिनिधि : डॉ.

सो. वी. रामन् विश्वविद्यालय अब प्रदेश के सभी शासकीय विश्वविद्यालय और महाविद्यालय के विद्यार्थियों को भी शिक्षा देगा। छत्तीसगढ़ शासन ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा घोषित डॉ. सो. वी. रामन् विश्वविद्यालय के पं. दीनदयाल कोशल केंद्र को स्टेट रिसोर्स सेंटर घोषित

स्टेट रिजोर्स सेंटर की अनुमति सिर्फ सीवीआरयू को-डॉ अग्रवाल

1950 विश्व सन्धि की थी। एल अब्दुल न क़द्री स्टेट रिजर्व बैंक स्थापित करने की अग्रणी शक्ति थी। सी वी रामन् विश्वविद्यालय के प्रधान की उम्मीद थी। सी वी रामन् विश्वविद्यालय की यूजीसी ने पंडित दीनबाल कौशल केंद्र की अग्रणी प्रधान की है। इसी आधार पर शास्त्र ने स्टेट रिजर्व बैंक स्थापित करने की घोषणा की है। हावर्कि नथनल से अब पंडित के सभी विश्वविद्यालयों में नृसिंहविद्यालयों की थी। उनके स्वयं वाक की पढ़ाई विद्यार्थी कर सकते हैं। विद्यार्थी आपने नियमित पाठ्यक्रम के साथ इसकी पढ़ाई कर सकते हैं।

रामन विश्वविद्यालय
को...

प्रदेश व विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है कि प्रदेश में एक मात्र डॉ. बी. जी. रामन विश्वविद्यालय की स्थापना किया गया है। इसके लिए प्रोफेसर्स को विश्वविद्यालय किया है। मानव संसाधन और यूजीसी के मापदंडों विश्वविद्यालय खरा उतरा। डॉ. बी. जी. रामन विश्वविद्यालय को मानदयाल उपाध्याय कोशल स्थापित करने की अनुमति प्रदान की है। श्री पाण्डेय ने बताया कि विश्वविद्यालय पहले हो



उच्च शिक्षा मंत्री का
मिला मार्गदर्शन

रमन विधि के कुलसचिव शैलेश पाण्डेय ने बताया कि यह प्रयास उत्कृष्ट शिक्षा मंत्री प्रेमकाश पाण्डेय के मार्गदर्शन से ही सफल हो पाया है।

किया है। इसी शिक्षा सत्र से प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में डॉ. सी. बी. रामन् विश्वविद्यालय ब्रो. वोक व एम. वोक पाठ्यक्रम की पढ़ाई कराया। इसके प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों को कौशल में दक्ष किया जाएगा और उन्हें रोजगार मिल सकेगा। यह देश का पहला

वोक पढ़ाई सकेगी, इसके माध्यम से हम प्रदेश के सभी युवाओं को दक्ष कर पाएंगे, जिससे उन्हें रोजगार मिलेगा।

प्रदेश के लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर- श्री पाण्डेय ने बताया कि अब विश्वविद्यालय में स्थापित दीनदयाल कौशल केंद्र के माध्यम से प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में बी.वोक इन टेलीकम्युनिकेशन, जी.वोक इन रिटेल मैनेजमेंट इन आईटी और बीवोक इन मैनुफैक्चरिंग पढ़ाई होगी साथ ही इन्हीं तीन विषयों में एमवोक की पढ़ाई भी कराई जाएगी. श्री पाण्डेय ने बताया बी.वोक, ए.एम.वोक

विश्वविद्यालय है, जिस स्टेट प्रोग्रामों सेक्टर स्थापित कर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में पाठ्यक्रम संचालित करने की अनुमति प्रदान की गई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए डॉ. सी. वी. रामन विश्वविद्यालय के कुलसचिव लैलेप पाण्डेय ने बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कौशल विकास, स्किल इंडिया और मेन इन इंडिया जैसे महत्वाकांक्षी योजनाओं की कल्पना की है, और इस कल्पना को सार्थक करने के लिए कदम भी उठाए हैं। इसी क्रम में मानव संसाधन मंत्रालय और यूजीसी ने सेक्टर फॉर नॉलेज एक्विजिशन एंड असेसमेंटेशन और स्कौड यूनन एविलिटिस

इसी सत्र से होगी पढ़ाई शुरू-कुलपति

इस संबंध विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर पी दुबे ने बताया कि शासन के निर्देश दिया है कि ये सरकार की महत्वकांक्षी योजना है इसलिए सभी विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में इसी तरह से पढ़ाई शुरू की जाएगी। शासन के निर्देश के अनुसार सभी विश्वविद्यालय और महाविद्यालय से सम्बन्ध कर सभी कैंस की पढ़ाई शुरू की जाएगी। इसके लिए पूरी तैयारी की जा चुकी है। जिससे विद्यार्थियों का दबक करके उत्तेजन के अन्दर उपलब्ध कराया जा सकेगा।




कि टेलीकम्युनिकेशन, बी.वोक इन रिटेल मैनेजमेंट इन आईटी और बी.वोक इन मैन्युफैक्चरिंग जैसे सेक्टर हैं, जिनके माध्यम से उद्योगों के जबरूरत के अनुसार दक्ष युवा कार्य सीखकर निकलेंगे। इसमें मुख्य रूप से मैन्युफैक्चरिंग में वेल्डिंग, सोपमशी, शीट मेटल वर्क, ड्राफ्टिंग आदि कार्य के लिए आतंक स्तर पर कुशल मैनपावर की डिमांड पूरी हो जाएगी। इसी तरह टेलीकम्युनिकेशन, ऑप्टिकल फाइबर केबल टेक्नीशियन, नेटवर्क इंजीनियर, ग्लास बैड इस्टाल, पावर सिस्टम इंजीनियरिंग में रोजगार मिल सकेगा। इसी तरह रिटेल मैनेजमेंट के क्षेत्र में बिलिंग एंजिक्युटिव

रिटेल, सेल्स एजिवयूटिव स्टोर सुपर वाईजर, मॉल मैनेजर और ब्रांड मैनेजर सहित कई क्षेत्र में काम के अवसर विद्यार्थियों को मिलेंगे।

कैसे होगी पढ़ाई, क्या है नियम- श्री पाण्डेय ने बताया कि इस संवेंध में शासन ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं ताकि अधिक से अधिक युवाओं को पाठ्यक्रम से पढ़ाई कराई जा सके, इसके लिए पाठ्यक्रम, फेकेल्टी, पाठ्य सामग्री और परीक्षा संबंधी व्यवस्थाएं डॉ. सी. बी. रामन विश्वविद्यालय द्वारा की जाएगी, इसी तरह शासकीय विश्वविद्यालय व महाविद्यालय द्वारा शिक्षण संविधा, फनीचर,

चुनीतीपूर्ण दायित्व भिला-कुलसचिव



श्री पाण्डेय ने बताया कि स्वतंत्रतावादी शासन में प्रौद्योगिकी विभाग लॉन्ग टुमोरो की चीजों के सम्बन्ध में विश्वविद्यालय के पदवीधरों को प्रोत्साहित करके काम को स्टेट रिसर्च सेंटर में स्थान देगा है। यह देश का पहला विश्वविद्यालय है, जिसने स्टेट रिसर्च सेंटर स्थापित कर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों या महाविद्यालयों में पाठ्यक्रम में वृद्धि करके लो अग्रणी प्रदान की गई है। श्री पाण्डेय ने बताया कि सही मायने में यह कदम केंद्र व राज्य सरकार की भांति के अनुसंधान विभागों में ही और महत्वपूर्ण फैसला है, जिससे हम पूरे प्रदेश के लक्ष्य युवाओं को रिकॉर्ड कर सकेंगे। विश्वविद्यालयों को यह बुनियादी पूर्ण प्रकृति मिलेगी है।

एंड लाइवली वुड स्थापित करने के लिए
पस्ताव मांगे थे. सरकार की मंशा है कि

इसके माध्यम से मेनपावर तैयार किया जाए. इन सेंटर्स के माध्यम से डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा, बैचलर ऑफ वोकेशनल एजुकेशन, पीजी वरिस्च स्तर तक शिक्षा का प्रावधान किया गया है. श्री पाण्डेय ने बताया कि 12वीं योजना के तहत देश भर में 100 पैनदयाल कोशल केंद्र स्थापित किया जाने का लक्ष्य रखा गया है. इसकी प्रक्रिया में यूजीसी ने प्रस्ताव मंगाया गया था, जिसमें देश भर के 708 विश्वविद्यालय व कालेजों ने प्रस्ताव दिया था. — शेष @ pg 5 पर

विद्युत, व्यवस्था जैसी अन्य सुविधा प्रदान की जाएगी, श्री पाण्डेय इस संबंध में सभी विश्वविद्यालय के कुलसचिव और महाविद्यालयों के प्राचार्यों को पत्र जारी किया गया है।

अनुसूचित जाति, जनजाति व पिछड़ा वर्ग को लाभ- श्री पाण्डेय ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा राज्य है और यहाँ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति व पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को संख्या काफ़ी है। इसलिए सरकार के नियमों का पालन करते हुए इन सभी वर्गों के विद्यार्थियों को लाभ दिया जाएगा। श्री पाण्डेय ने बताया कि शासन का मानना है कि बी.वोक.एवं एम.

वोक, पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए अधोसंरचना, फैकेल्टी एवं टूल्स मशीनरी आदि पर बहुत अधिक वित्तीय भार की संभावना है। यह सभी सुविधाएं और अनुभव डॉ. सी.बी. रामन् विश्वविद्यालय के कौशल केंद्र में गुणवत्तापूर्ण है। इसका आसानी से प्रदेश के युवाओं को दिया जा सकता है। यह लाभकारी, अधिक उपयोगी, मितव्ययी और एवं व्यवहारिक भी है।

दैनिक भास्कर

भारत का सबसे बड़ा समाचार पत्र समूह

बिलासपुर, सोमवार, 8 फरवरी 2016

सुविधा | 530 कॉलेज पढ़ेंगे सीवीआरयू से, दीनदयाल कौशल केंद्र बना रिसोर्स सेंटर

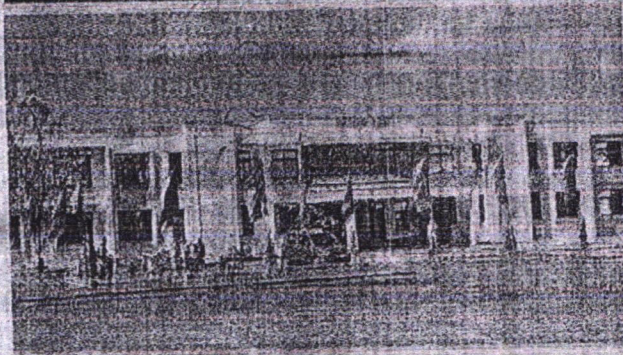
प्रदेशभर के स्टूडेंट को बीवॉक व एमवॉक की शिक्षा देगी सीवीआरयू

एजुकेशन रिपोर्टर | बिलासपुर

डॉ. सीवी रामन यूनिवर्सिटी अब प्रदेश के सभी सरकारी यूनिवर्सिटी व कॉलेजों के स्टूडेंट को बीवॉक व एमवॉक की शिक्षा देगी। इसके तहत प्रदेश के लाखों स्टूडेंट को कौशल में दक्ष किया जाएगा। यह देश का पहला यूनिवर्सिटी है, जिसे स्टेट रिसोर्स सेंटर स्थापित कर प्रदेश के सभी यूनिवर्सिटी व कॉलेजों में पाठ्यक्रम संचालित करने की अनुमति दी गई है।

सीवीआरयू के कुलसचिव रौलेप पाण्डेय ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कौशल विकास, स्किल इंडिया और मेक इन इंडिया जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं की कल्पना की है। इसके तहत मानव संसाधन विकास मंत्रालय व यूजीसी ने सेंटर फॉर नॉलेज एक्विजिशन एंड अप्रोप्रेशन व स्कॉड यूनन एमिलिटिस एंड लाइवली वुड स्थापित करने के लिए प्रस्ताव मांगे थे। इन सेंटरों के माध्यम से डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा, बैचलर ऑफ वोकेशनल एजुकेशन, पीजी व रिसर्च स्तर तक शिक्षा का प्रबंधन किया गया है। 102वीं योजना के तहत देशभर में 100 दीनदयाल कौशल केंद्र स्थापित किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। देशभर के 708 विश्वविद्यालय व कॉलेजों ने यूजीसी को प्रस्ताव दिया था। इसमें से प्रदेश में एकमात्र डॉ. सीवी रामन यूनिवर्सिटी का चयन कर प दीनदयाल कौशल केंद्र स्थापित करने की अनुमति दी गई है। सरकार ने कौशल केंद्र को अब राज्य रिसोर्स सेंटर बनाने की योजना की है। यानी अब सीवीआरयू प्रदेश के सभी यूनिवर्सिटी व कॉलेजों में बीवॉक व एमवॉक की पढ़ाई कराएगी। इसके माध्यम में इन प्रदेश के सभी छात्रों को एक का पढ़ाई/विषय उन्हें मिलाने मिलेगा।

देशभर के 708 यूनिवर्सिटी व कॉलेजों ने यूजीसी को दिया था प्रस्ताव



युनौतीपूर्ण दायित्व: कुलसचिव

कुलसचिव रौलेप पाण्डेय ने कहा कि यह देश का पहला यूनिवर्सिटी है, जिसे स्टेट रिसोर्स सेंटर स्थापित कर प्रदेश के सभी यूनिवर्सिटी



व कॉलेजों में पाठ्यक्रम संचालित करने की अनुमति दी गई है। सभी सरकारी कॉलेजों व सरकारी कॉलेजों के अध्यापक शिक्षा

की ओर यह महत्वपूर्ण कदम है, जिससे हम पूरे प्रदेश के लाखों युवाओं को रिक्रूट कर सकेंगे। यूनिवर्सिटी को यह युनौतीपूर्ण दायित्व मिला है। शासन का मानना है कि सभी सुविधाएं सीवीआरयू के कौशल केंद्र में गुणवत्तापूर्ण हैं।

इसी सत्र से शुरू होगी पढ़ाई: कुलपति

कुलपति डॉ. आरपी दुबे ने बताया कि यह सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इसलिए



सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों ने इसी सत्र से इसकी पढ़ाई शुरू की जाएगी। शासन के निर्देश के अनुसार यूनिवर्सिटी व कॉलेजों में समन्वय कर

सभी कॉलेजों की पढ़ाई शुरू की जाएगी। इसके लिए पूरी तैयारी की जा चुकी है। इसके शुरू होने से प्रदेश के युवाओं को सुविधा मिलेगी। प्रदेश के युवाओं को अब बीवॉक और एमवॉक की डीबी यहीं मिल जाएगी।

युवाओं को मिलेंगे रोजगार के अवसर

दीनदयाल कौशल केंद्र के माध्यम से प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में बीवॉक इन टेलीकम्युनिकेशन, बीवॉक इन रिटेल मैनेजमेंट इन आईटी और बीवॉक इन मैनेजमेंट इन फूड एंड ड्रिंक होगी। साथ ही इन्हीं तीन विषयों में एमवॉक की पढ़ाई भी कराई जाएगी। ये ऐसे सेक्टर हैं, जिनके माध्यम से उद्योगों की जरूरत के अनुसार युवा तैयार होंगे। इसमें मैनेजमेंट इन फूड एंड ड्रिंक, सीएमसी, रीट गेटल वर्क, इमिग्रेशन आदि कार्य के लिए स्वातंत्र्य स्तर पर कुशल मैनेजर की डिमांड पूरी हो जाएगी। इसी तरह टेलीकम्युनिकेशन, ऑप्टिकल फाइबर केबल टेक्नीशियन, नेटवर्क इंजीनियर, ब्रॉड बैंड इंस्टालर, पॉवर सिस्टम इंजीनियरिंग में रोजगार मिल सकेगा। इसी तरह रिटेल मैनेजमेंट के क्षेत्र में डिप्लोमा एक्जीक्यूटिव रिटेल, सेल्स एक्जीक्यूटिव स्टोर सुपरवाइजर, गैलरी मैनेजर और ब्रॉड मैनेजर समेत कई क्षेत्र में काम के अवसर विद्यार्थियों को मिलेंगे।

ऐसे होगी पढ़ाई

बीवॉक और एमवॉक के लिए पाठ्यक्रम, फेकल्टी, पाठ्य सामग्री और परीक्षा संबंधी व्यवस्था सीवीआरयू करेगी। इसी तरह शासकीय विश्वविद्यालय व महाविद्यालय शिक्षण सुविधा, फर्नीचर, बिजली की व्यवस्था करेगी।

स्टेट रिसोर्स सेंटर की अनुमति सिर्फ सीवीआरयू को

डॉ. सीवी रामन यूनिवर्सिटी को यूजीसी ने प दीनदयाल कौशल केंद्र की अनुमति दी है। इसी आधार पर शासन ने यहां स्टेट रिसोर्स सेंटर स्थापित करने की घोषणा की है। इसके माध्यम से प्रदेश के सभी यूनिवर्सिटी व कॉलेजों में स्टूडेंट बीवॉक व एमवॉक की पढ़ाई कर सकेंगे। स्टूडेंट निर्दिष्ट पाठ्यक्रम के साथ इसकी पढ़ाई कर सकते हैं। डॉ. सीवी रामन यूनिवर्सिटी, बिलासपुर

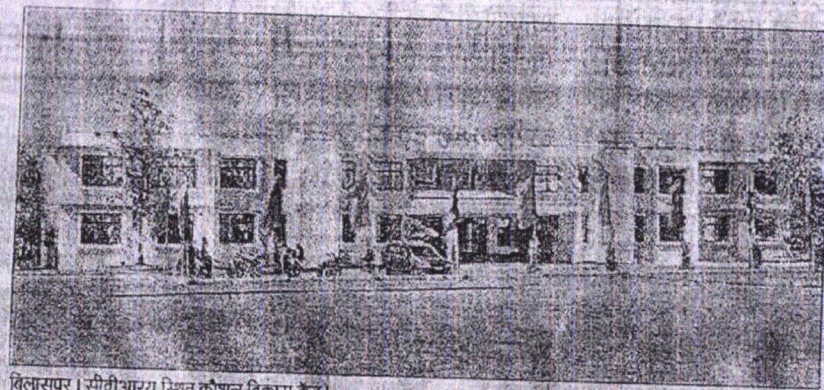


नेजों के छात्र करेंगे बी वोक व एम वोक की पढ़ाई, दीनदयाल कौशल केंद्र बना प्रदेश का रिसोर्स सेंटर

सीवी आरयू को कौशल विकास की जिम्मेदारी

केंद्र स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसी के तहत यूजीसी ने प्रस्ताव मंगाया था, जिसमें देश भर के 708 विश्वविद्यालय व कॉलेजों ने प्रस्ताव दिया था। इसमें प्रदेश में एक मात्र डा. सीवी रामन विश्वविद्यालय का चयन किया गया है। इसके लिए पूरी प्रक्रिया को विश्वविद्यालय ने पूरा किया है।

मानव संसाधन मंत्रालय और यूजीसी के मापदंडों में विश्वविद्यालय खरा उतरा। यूजीसी ने विश्वविद्यालय को पी. दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र स्थापित करने की अनुमति प्रदान की है। श्री पांडेय ने बताया कि विश्वविद्यालय पहले ही एनएसडीसी के कौशल विकास कार्यक्रम में काम कर रहा था और इसका विश्वविद्यालय को अनुभव भी है। अब सरकार के आदेश के बाद की. वोक व एम वोक के माध्यम से प्रदेश के सभी युवाओं को दक्ष कर पाएंगे, इससे उन्हें रोजगार मिलेगा।



विलासपुर। सीवीआरयू स्थित कौशल विकास केंद्र।

अज्ञा, जज्ञा व ओवीसी को लाभ: छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा राज्य है और यहाँ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति व पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों की संख्या काफी है। इसलिए सरकार के नियमों का पालन करते हुए इन सभी वर्गों के विद्यार्थियों को लाभ दिया जाएगा।

क्या है नियम

शासन ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि पाठ्यक्रम, फैकल्टी, पाठ्य सामग्री और परीक्षा संबंधी व्यवस्थाएं डा. सीवी रामन विश्वविद्यालय द्वारा की जाएगी। इसी तरह शासकीय विश्वविद्यालय व महाविद्यालय द्वारा

55 सेंटर के लिए रामन यूनिवर्सिटी को अनुमति

स्टेट रिसोर्स सेंटर स्थापित करने की अनुमति सिर्फ डॉ. सीवी रामन विश्वविद्यालय को प्रदान की गई है। इसके तहत यूजीसी ने विश्वविद्यालय के पी. दीनदयाल कौशल केंद्र की अनुमति दी है। इसी आधार पर शासन ने स्टेट रिसोर्स सेंटर स्थापित करने की घोषणा की है। इसके माध्यम से अब प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में विद्यार्थी बी. वोक व एम. वोक की पढ़ाई कर सकेंगे। इससे प्रदेशभर के युवाओं को लाभ मिलेगा।

- डॉ. वीएन अग्रवाल
सचिव उच्च शिक्षा

लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर

श्री पांडेय ने बताया कि अब विश्वविद्यालय में स्थापित दीनदयाल कौशल केंद्र के माध्यम से प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में बी वोक इन टेलीकम्युनिकेशन, बी वोक इन रिटेल मैनेजमेंट इन आईटी और बी. वोक इन मैन्युफैक्चरिंग की पढ़ाई होगी। इसके साथ ही इसी तीन विषयों में एम. वोक की पढ़ाई भी कराई जाएगी। श्री पांडेय ने बताया कि ये ऐसे सेक्टर हैं, जिनके माध्यम से उद्योगों की जरूरत के अनुसार दक्ष युवा कार्य सीखकर निकलेंगे। इसमें मुख्य रूप से मैन्युफैक्चरिंग में पैलिंग, सीएमसी, शीट मेटल वर्क, ड्राफ्टिंग आदि कार्य के लिए स्नातक स्तर पर कुशल मैनपावर की डिमांड पूरी हो जाएगी। इसी तरह टेलीकम्युनिकेशन, ऑप्टिकल फाइबर केबल टेक्नीशियन, नेटवर्क इंजीनियर, ब्रॉडबैंड इन्स्टालर, पावर सिस्टम इंजीनियरिंग में रोजगार मिल सकेगा। इसी तरह रिटेल मैनेजमेंट के क्षेत्र में ब्रिलिंग एरिजल्यूटिव रिटेल, सेल्स एरिजल्यूटिव स्टोर सुपर वाइजर, मॉल मैनेजर और ब्रांड मैनेजर सहित कई क्षेत्र में काम के अवसर विद्यार्थियों को मिलेंगे।

इसी सत्र से शुरू होगी पढ़ाई: दुवे

इस संबंध विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आरपी दुवे ने बताया कि शासन ने निर्देश दिया है कि शासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों को पत्र जारी किया है।



विश्वविद्यालय और महाविद्यालय से समन्वय कर सभी कोर्स की पढ़ाई शुरू की जाएगी। इसके लिए पूरी तैयारी की जा चुकी है, इससे विद्यार्थियों को दक्ष करके रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा सकेंगे।

विश्वविद्यालय के लिए चुनौतीपूर्ण: पांडेय

सीवी रामन विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री पांडेय ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन ने ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए विश्वविद्यालय के पी. दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र को स्टेट रिसोर्स सेंटर घोषित किया है। यह देश का पहला विश्वविद्यालय है, जिसे स्टेट रिसोर्स सेंटर स्थापित कर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय



व महाविद्यालयों में पाठ्यक्रम संवर्धित करने की अनुमति प्रदान की गई है। इसी मायने में यह कदम केंद्र व राज्य सरकार की मशग के अनुसूचित इंडिया की ओर महत्वपूर्ण फैसला है। इससे हम पूरे प्रदेश के लाखों युवाओं को स्किलड कर सकेंगे। विश्वविद्यालय को यह चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी मिली है।

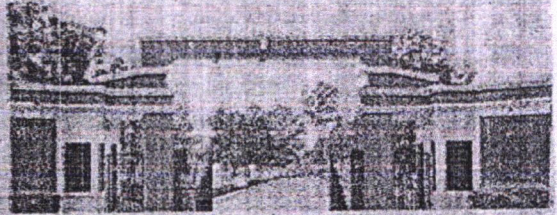
प्रदेश में कौशल विकास का जिम्मा सीवीआरयू को मिला

■ प्रदेश के 530 कॉलेजों के छात्र पढ़ेंगे सीवीआरयू से
■ दीनदयाल कौशल केंद्र बना प्रदेश का रिसोर्स सेंटर

बिलासपुर @ पत्रिका

बिलासपुर। डॉ. सी.वी. रामन् विश्वविद्यालय अब प्रदेश के सभी शासकीय विश्वविद्यालय और महाविद्यालय के विद्यार्थियों को भी शिक्षा देगा। छत्तीसगढ़ शासन ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा घोषित डॉ. सी.वी. रामन् विश्वविद्यालय के प. दीनदयाल कौशल केंद्र को स्टेट रिसोर्स सेंटर घोषित किया है। इसी शिक्षा सत्र से प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में डॉ. सी.वी. रामन् विश्वविद्यालय की वोक व एम. वोक पाठ्यक्रम की पढ़ाई कराएगा। यह देश का पहला विश्वविद्यालय है, जिसे स्टेट रिसोर्स सेंटर स्थापित कर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में पाठ्यक्रम संचालित करने की अनुमति प्रदान की गई है।

डॉ. सी.वी. रामन् के कुलसचिव सैलेष पाण्डेय ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कौशल विकास, स्किल इंडिया और मेन इन इंडिया जैसे महत्वाकांक्षी योजनाओं की कल्पना की है, और इस कल्पना को सार्थक करने के लिए कदम भी उठाए हैं। इसी क्रम में मानव संसाधन मंत्रालय और यूजीसी ने सेंटर फॉर नॉलिन एक्स्प्लोरेशन एंड अपग्रेडेशन और स्किल्ड ह्यूमन एविलिडिस एंड लाइवलीहुड कालेज स्थापित करने के लिए प्रस्ताव मांगे थे। सरकार की मंशा है कि इसके माध्यम से मेनपावर तैयार किया जाए। इन सेंटर्स के माध्यम से डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा, बैचलर ऑफ वोकेशनल एजुकेशन, पीजी व रिसर्च स्तर तक शिक्षा का प्रावधान किया गया है। पाण्डेय ने बताया कि 12वां योजना के तहत देश भर में 100 दीनदयाल कौशल केंद्र स्थापित किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसका प्रथम चरण में यूजीसी ने प्रस्ताव मांगा था। देश भर के 708 विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों ने प्रस्ताव दिया था।



चुनौती पूर्ण दायित्व मिला- कुलसचिव

कुलसचिव सैलेष पाण्डेय ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन ने डॉ. सी.वी. रामन् विश्वविद्यालय के प. दीनदयाल कौशल केंद्र को स्टेट रिसोर्स सेंटर घोषित किया है। यह देश का पहला विश्वविद्यालय है, जिसे स्टेट रिसोर्स सेंटर स्थापित कर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में पाठ्यक्रम संचालित करने की अनुमति प्रदान की गई है। इससे हम पूरे प्रदेश के लाखों युवाओं को स्किल कर सकेंगे। विश्वविद्यालय को यह चुनौती पूर्ण दायित्व मिला है।



प्रदेश के लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर

कुलसचिव ने बताया कि अब विश्वविद्यालय में स्थापित दीनदयाल कौशल केंद्र के माध्यम से प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में बी.वोक इन टेलीकम्युनिकेशन, बी.वोक इन रिटेल मैनेजमेंट इन आईटी और बी.वोक इन मैनुफैक्चरिंग की पढ़ाई होगी साथ ही इन्होंने तीन विषयों में एम.वोक की पढ़ाई भी कराई जाएगी। बी.वोक व एम.वोक कि टेलीकम्युनिकेशन, बी.वोक इन रिटेल मैनेजमेंट इन आईटी और बी.वोक इन मैनुफैक्चरिंग ऐसे सेक्टर हैं, जिनके माध्यम से उद्योगों की जरूरत के अनुसार वहां युवा कार्य सीखकर निकलेंगे। इससे उनको रोजगार मिल सकेगा।

कैसे होगी पढ़ाई, क्या है नियम

पाण्डेय ने बताया कि इस संबंध में शासन ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं ताकि अधिक से अधिक युवाओं को इन पाठ्यक्रम से पढ़ाई कराई जा सके। इसके लिए पाठ्यक्रम, फेकेल्टी, पाठ्य सामग्री और परीक्षा संबंधी व्यवस्थाएं डॉ. सी.वी. रामन् विश्वविद्यालय द्वारा की जाएगी। इसी तरह शासकीय विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों द्वारा शिक्षण सुविधा, फर्नीचर, विद्युत व्यवस्था, जैसी अन्य सुविधा प्रदान की जाएगी। इस संबंध में सभी विश्वविद्यालय के कुलसचिव और महाविद्यालयों के प्राचार्यों को पत्र जारी किया गया है। अनुसूचित जाति, जनजाति व पिछड़ा वर्ग को भी लाभ मिलेगा।

इसी सत्र से सभी पढ़ाई शुरू- कुलपति

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर.पी. दुवे ने बताया कि शासन ने निर्देश दिया है कि ये सेंटर्स की महत्वाकांक्षी योजना है। इसलिए सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में इसी सत्र से पढ़ाई शुरू की जाएगी। शासन के निर्देश के अनुसार सभी विश्वविद्यालय और महाविद्यालय से सम्बन्धित सभी कोर्स की पढ़ाई शुरू की जाएगी। इसके लिए पूरी तैयारी की जा चुकी है, जिससे विद्यार्थियों को वहां करके रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा सकेंगे।



स्टेट रिसोर्स सेंटर की अनुमति सिर्फ सीवीआरयू को- डॉ. अवावाल

स्टेट रिसोर्स सेंटर स्थापित करने की अनुमति सिर्फ डॉ. सी.वी. रामन् विश्वविद्यालय को प्रदान की गई है। इसके माध्यम से अब प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में पाठ्यक्रम संचालित करने की अनुमति प्रदान की गई है।



Hitavada

TUESDAY, February 9, 2016

Around 530 students to get vocational edn from CVRU

■ Our Correspondent
BILASPUR, Feb. 8

NOW Dr C V Raman University (CVRU) will now impart B.Voc and M.Voc education to about 530 students of different government and private colleges and universities in the Pt. Dindayal Skill Development Center. The State Government has announced the Pt. Dindayal Skill Development Center of CVRU as the State Resource Center. CVRU is also the first university in the nation which has established the State Resource Center that has been permitted to impart education to the students of other colleges and universities. Registrar of the university Shailesh Pandey said that this was a major decision of both the central and state government and a step towards Skill India. This will help them skill the students and although it is a big challenge for them, but CVRU with its competent team of staff, would extend best services to the candidates.

Shailesh Pandey said that the Government of India has launched ambitious scheme of Skill Development, Skill India and Make in India. After announcement of the programs the Human

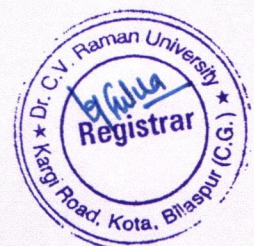


Shailesh Pandey

Resources Development (HRD) Ministry and the University Grant Commission (UGC) invited proposals for Center for Knowledge Education and Up-gradation and

Skilled Human Abilities and Livelihood. It also proposed to impart education on Diploma, Advanced Diploma, Bachelor of Vocational Education, Post Graduation and Research from these centers. In the

12th Plan the Ministry aimed at developing about 100 Pt. Dindayal Skill Development Centers and for this UGC invited proposals in which about 708 colleges and universities sent their bids. After conceding all the aspects CVRU was selected to develop the center in its premises. CVRU is also the only university in state to be selected in the list. Pandey said that since long CVRU was already working in skill development and they have a vast experience in this field. With this they would start the B.Voc and M.Voc courses which would generate employment among the youths. He said that they have fine tuned with all the colleges and universities in state to get registered for the courses. He said that the classes for the new courses would set off from this year with the beginning of new session.



TIMES OF INDIA

FEBRUARY 10, 2016

CVRU to develop skilled manpower in Chhattisgarh

TIMES NEWS NETWORK

Bilaspur: Chhattisgarh government has declared Deen Dayal Kaushal Kendra (skill development centre), approved by University Grants Commission (UGC) at Dr CV Raman University (CVRU), Kota in Bilaspur district as the resource centre for conducting B Voc (bachelor of vocation education) and M Voc (master's of vocation education) courses in all universities and colleges of the state.

Courses are designed to prepare skilled manpower according to industry requirements. Dr CV Raman University thus becomes the first university of the country to be declared as resource centre for conducting skill development courses in all universities and colleges of a state. For effective implementation of schemes like 'Make in India' and 'Skilled India' mooted by the Centre, 100 Deen Dayal Kaushal Kendras are to be set up across the country. Human Resource Development ministry and UGC had invited applications from various universities and colleges of the country in this regard. As many as 708 universities and colleges had forwarded their candidature for

**B Voc degree
courses would be
offered in
telecommunication,
retail management
and IT and
manufacturing**

the ambitious skill development project.

CVRU, Kota is the only university of Chhattisgarh to receive UGC nod for setting up Deen Dayal Kaushal Kendra, said university registrar Shallesh Pandey. The kendra would offer diploma, advance diploma, B Voc and M Voc courses besides doctorate research in the stream.

Pandey said university would commence B Voc and M Voc courses from the next academic session, beginning this year, in all 530 colleges of the state.

He said B Voc degree courses would be offered in telecommunication, retail management and IT and manufacturing. The official added that the university would provide syllabus, course and faculty apart from conducting examinations for the mentioned courses across the state. He said that the university would also offer postgraduate courses in the same subjects.



छत्तासगढ़

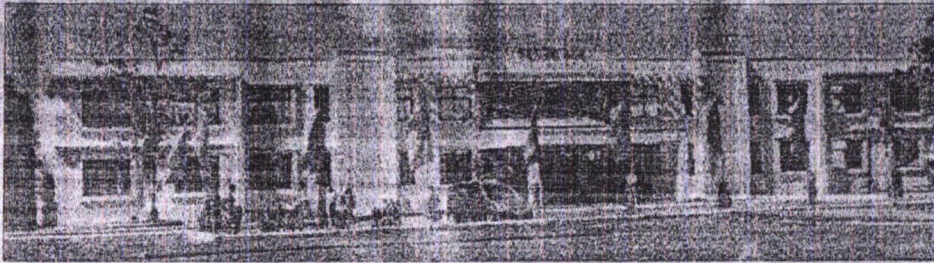
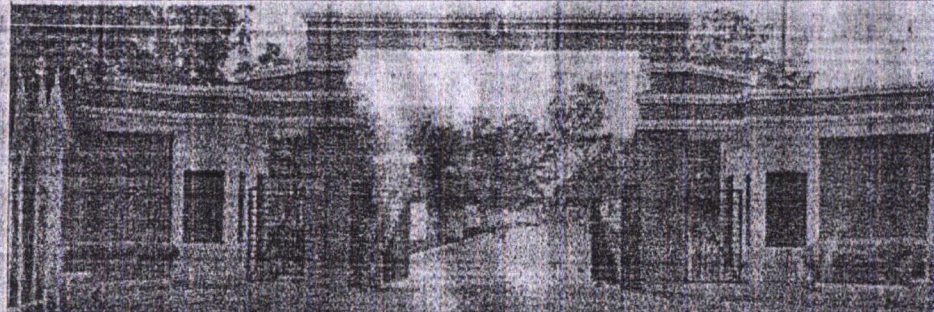
1 2016, बुधवार

प्रदेश में कौशल का जिम्मा सीवीआरयू को प्रदेश के 530 कॉलेज पढ़ेंगे सीवीआरयू से

छत्तासगढ़ में सी.वी.रमन विश्वविद्यालय के छात्रों और महाविद्यालय के छात्रों को स्टेट रिसोर्स सेंटर के सभी छात्रों को कौशल में प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह देश के सभी विश्वविद्यालयों में प्रदान की गई है।

यह देश भर जाने कालक्ष्य प्रस्ताव मंगाया गया है।

गौरव की प्रक्रिया को प्रोत्साहित करने के लिए प्रस्ताव



श्री पाण्डेय ने बताया कि विश्वविद्यालय पहले ही एनएसडीसी के कौशल विकास कार्यक्रम में काम कर रहा था, और इसका विश्वविद्यालय को अनुभव भी है। श्री पाण्डेय ने कहा कि हम सरकार व यूजीसी की कल्पना को साकार

रूप देने और युवाओं को लिए बहतर से बहतर काम कर रहे हैं। इसी बात को आधार रखते हुए सरकार ने विश्वविद्यालय के पं. दीनदयाल कौशल केंद्र को अब राज्य रिसोर्स सेंटर बनाने की घोषणा की है। यानी कि अब डॉ. सी.वी.रमन विश्वविद्यालय के सभी विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में बी.वोक. व एम.वोक. की पढ़ाई कराएगा।

श्री पाण्डेय ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन ने ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए डॉ. सी.वी.रमन विश्वविद्यालय के पं. दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र को स्टेट रिसोर्स सेंटर घोषित किया है। यह देश का पहला विश्वविद्यालय है, जिसे स्टेट रिसोर्स सेंटर स्थापित कर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में पाठ्यक्रम संचालित करने की अनुमति प्रदान की गई है। श्री पाण्डेय ने बताया कि सही मायने में यह कदम केंद्र व राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप स्किल इंडिया की ओर महत्वपूर्ण फैसला है। जिससे हम पूरे प्रदेश के लाखों युवाओं को स्किलड कर सकेंगे। विश्वविद्यालय को यह चुनौती पूर्ण दायित्व मिला है।

प्रदेश के लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर

श्री पाण्डेय ने बताया कि अब विश्वविद्यालय में स्थापित दीनदयाल कौशल केंद्र के माध्यम से प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में बी.वोक इन टेलीकम्युनिकेशन, बी.वोक इन रिटेल मैनेजमेंट इन आईटी और बी.वोक इन मैनुफैक्चरिंग पढ़ाई होगी साथ ही इन्हीं तीन विषयों में एम.वोक की पढ़ाई भी कराई जाएगी। श्री पाण्डेय ने बताया बी.वोक. व एम.वोक. कि टेलीकम्युनिकेशन, बी.वोक इन रिटेल मैनेजमेंट इन आईटी और बी.वोक इन मैनुफैक्चरिंग ऐसे सेक्टर हैं, जिनके माध्यम से उद्योगों के जरूरत के अनुसार दक्ष युवा कार्य सीखकर निकलेंगे। इसमें

मुख्य रूप से मैनुफैक्चरिंग में वेलिंग्टन, वर्क, ड्राफ्टिंग आदि कार्य के लिए स्टाफ मैनेजमेंट की डिमांड पूरी हो ज टेलीकम्युनिकेशन, ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क इंजीनियर, ब्रॉडबैंड इंस्टालर पाक में रोजगार मिल सकेगा। इसी तरह रिटेल में बिलिंग एजिक्युटिव रिटेल, सेल्स सुपर वाईजर, मॉल मैनेजर और ब्रांड मैनेजर में काम के अवसर विद्यार्थियों को मिलेगा बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा राज्य है, जाति, अनुसूचित जनजाति व पिछड़ा वर्ग संख्या काफी है। इसलिए सरकार के निरूपण इन सभी वर्गों के विद्यार्थियों को

इसी सत्र से होगी पढ़ाई शुरू

इस संबंध विश्वविद्यालय के कुलपति ने बताया कि शासन ने निर्देश दिया है। महत्वाकांक्षी योजना है। इसलिए सभी महाविद्यालयों में इसी सत्र से पढ़ाई शुरू की जाएगी के अनुसार सभी विश्वविद्यालय से समन्वय कर सभी कोर्स की पढ़ाई शुरू लिए पूरी तैयारी की जा चुकी है, जिससे करके रोजगार के अवसर उपलब्ध कर

स्टेट रिसोर्स सेंटर की उ सीवीआरयू को- डॉ.

डॉ. बी.एल. अग्रवाल सचिव उच्च शिक्षा स्टेट रिसोर्स सेंटर स्थापित करने के लिए डॉ. सी.वी.रमन विश्वविद्यालय को चुना। डॉ. सी.वी.रमन विश्वविद्यालय को यूजीसी कौशल केंद्र की अनुमति प्रदान की गई है। शासन ने स्टेट रिसोर्स सेंटर स्थापित है। इसके माध्यम से अब प्रदेश के सभी महाविद्यालयों में बी.वोक. एवं एम.वोक. कर सकेंगे। विद्यार्थी अपने नियमित इसकी पढ़ाई कर सकते हैं।



Hitavada

RAIPUR ■ Wednesday ■ August 24 ■ 2016

B Voc course gets recognition as degree

■ Our Correspondent
BILASPUR, Aug 23

IN A major decision the University Grant Commission (UGC) has given recognition to Bachelor of Vocational (B.Voc) course as degree.

The decision was included in the Gazette of the Government of India under Section 22(3) of the UGC Act 1956. With this the candidates having passed B.Voc can appear in the Civil Services and other competitive exams of the central and state governments and also seek admission for higher education.

UGC Secretary Dr Jaspal S Sandhu on August 4, this year had issued the circular to all the state governments and Vice Chancellors of all the recognized universities across the nation confirming about recognition to the three degree course of B.Voc.

Elaborating about this Registrar of Dr C.V. Raman University Shaillesh Pandey informed that the decision of UGC came as a blessing for the students who could not complete their graduation for some reasons or the other. With this a student can study for one year and get diploma certificate.

After break he can rejoin the course and complete second year and then the final year after another break. At the end he would be given graduation degree



Shaillesh Pandey

in the offered courses. He said that in the B.Voc degree they would be able to produce experts in Manufacturing such as Welding, Sheet Metal Work, Drafting, Retail Management in Information Technology and Telecommunications. With graduation degree in Telecommunications, Fibre Optical Cable Technician, Network Engineering, Broadband Installer and Power System Engineering the candidates would easily get a job. "Students with B.Voc degree in Retail Management can also get better jobs as Billing Executive, Retail Sales Executive, Stores Supervisor, Mall Manager, Brand Manager and other key positions with better emoluments and promotional aspects.

Besides they also go for higher studies and appear in the competitive exams conducted by the

central and state governments, he informed.

Pandey said that in all 708 universities across the nation applied for setting up Center for Knowledge Acquisition and Upgradation of Skilled Human Abilities and Livelihood, with the UGC and Human Resources Development Department, Government of India.

He said that it was a matter of pride that the Pt. Dindayal Skill Center of CVRU has been selected for the course and UGC declared it as the State Resources Center. He said that CVRU had already introduced the B.Voc and M.Voc classes in the current academic session to produce more experts in the relevant fields. He said that presently the Pt. Dindayal Skill Center of CVRU is imparting bachelors and post graduation degrees in Telecommunications, Retail Management in Information Technology and Manufacturing with facility of research.

He said that condition of higher education in state is in bad shape and the percentage of students gradually climb downwards from higher secondary to graduation and post graduation. He said that the introduction of B.Voc and M.Voc will definitely attract students and also generate employment among the youths.



नाइडुना

बिलासपुर, रायपुर, इंदौर, भोपाल (नवदुनिया), जबलपुर, ग्वालियर और दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय संस्करण) से एकसंघ प्रकाशित

बिलासपुर, रविवार, 21 अगस्त 2016

फरमान : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने जारी किया निर्देश, भारत के राजपत्र में किया गया है शामिल

बी वोक को स्नातक की मान्यता

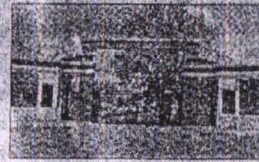
बिलासपुर। नईदुनिया न्यूज

बैचलर ऑफ बोकेशन कोर्स की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है कि अब उनकी यह डिग्री स्नातक डिग्री के रूप में मान्य होगी। इसके लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने कोर्स की डिग्री को यूजीसी एक्ट 1956 की धारा 22 (3) के अंतर्गत 19 जनवरी 2013 के भारत के राजपत्र में शामिल किया है। बी वोक को स्नातक के रूप में मान्य किए जाने के बाद अब विद्यार्थी केंद्र व राज्य सरकार की सिविल सेवा व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल हो सकेंगे। साथ ही इस आधार पर उच्च शिक्षा में प्रवेश लिया जा सकेगा।

इसके लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सचिव डॉ. जयसपाल एस सन्धु ने 4 अगस्त 2016 को एफ 2-7/2014 (सीसी/एनवीडिक्यूएफ) में देश के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति व राज्य सरकार को पत्र जारी कर जानकारी दी कि बैचलर ऑफ बोकेशन कोर्स

सिविल सेवा व अन्य परीक्षाओं की होगी पात्रता

को अब तीन वर्षीय स्नातक डिग्री रूप में मान्यता दी गई है। बी वोक को उन



5 लाख विद्यार्थियों के लिए सुनहरा अवसर : कुलपति

कुलपति डॉ. दुबे ने बताया कि केंद्र सरकार की मंशा के अनुसार मानव संसाधन मंत्रालय और यूजीसी ने सेंटर फॉर नॉलेज एक्ज्यूजिटिव एंड अपग्रेडेशन और स्क्रीड ह्यूमन एविलिटिस एंड लाइवली वुड स्थापित करने प्रस्ताव मांगे थे। इसमें देश भर के 708 विश्वविद्यालय व कॉलेजों ने प्रस्ताव दिया था। हर प्रदेश व विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है कि प्रदेश में एक डॉ. सीवी रामन् विश्वविद्यालय को चयन किया गया। इसके बाद छत्तीसगढ़ शासन ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा घोषित डॉ. सीवी रामन् विश्वविद्यालय के व. दीनदयाल कौशल केंद्र को स्टेट रिसोर्स सेंटर

घोषित किया है। इसी शिक्षा सत्र से प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में डॉ. सीवी रामन्



विश्वविद्यालय बी वोक व एम वोक पाठ्यक्रम की पढ़ाई कराई जा रही है।

इससे प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों को कौशल में दक्ष किया जाएगा और उन्हें रोजगार मिल सकेगा। यह देश का पहला विश्वविद्यालय है, जिसे स्टेट रिसोर्स सेंटर स्थापित कर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में पाठ्यक्रम संचालित करने की अनुमति प्रदान की गई है।

विषयों में शामिल किया गया है। जिस कोर्स में पढ़ाई करने के बाद विद्यार्थी को स्नातक की डिग्री दी जाती थी और वह देश के सभी स्नातक की पढ़ाई करने के बाद वाले प्रतियोगी परीक्षाओं और पीजी की परीक्षा में शामिल होने की पात्रता रखता है।

इस संबंध में डॉ. सीवी रामन् विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आरपी दुबे ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का निर्देश उन सभी

विद्यार्थियों के लिए वर्दान है, जो किन्हीं भी कारणों से लगातार प्रेजुएशन तक की पढ़ाई नहीं कर पाते हैं। इस फैसले से सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि यदि विद्यार्थी एक साल की पढ़ाई करता है तो उसे डिप्लोमा दिया जाएगा, इसके बाद ब्रेक लेकर पुनः फिर प्रवेश लेकर वह विद्यार्थी पढ़ाई कर सकता है, इसी तरह वह तीसरे साल भी खण्ड में पढ़ाई कर सकता है। कुल मिलाकर उसकी तीन वर्ष की पढ़ाई पूरी हो जाएगी और

हम एक प्रेजुएट विद्यार्थी समाज को दे पाएंगे। बी वोक इनटेली कम्युनिकेशन, बी लोक इन रिटेल मैनेजमेंट इन आईटी और बी वोक इन मैयुफैक्चरिंग में वेल्डिंग, सीएमसी, सीट मेटल वर्क, ड्राफ्टिंग आदि कार्य के लिए स्नातक स्तर पर कुशल मैनेजमेंट की डिमांड पूरी हो जाएगी।

इसी तरह टेली कम्युनिकेशन फाईबर ऑप्टिकल केबल टेक्नीशियन, नेटवर्क इंजीनियर, ब्रांड बैंड इस्टालर, पावर सिस्टम इंजीनियरिंग स्नातक होंगे और उन्हें असानी से रोजगार मिल सकेगा। इसी तरह रिटेल मैनेजमेंट के क्षेत्र में ब्रिलिंग एक्जिक्यूटिव, रिटेल सेल्स एक्जिक्यूटिव, स्टोर सुपरवाइजर, मॉल मैनेजर और ब्रांड मैनेजर के युवा काम के साथ स्थानक होंगे जिसे उन्हें कार्य क्षेत्र में ही प्रमोशन और प्रोत्साहन मिलेगा। इसके साथ विद्यार्थियों को कई क्षेत्र में काम के अवसर मिलेंगे। वहीं विद्यार्थी हर प्रतियोगी परीक्षा और उच्च शिक्षा में प्रवेश अपने रुचिकर क्षेत्र में रिसर्च तक जा सकते हैं।

इनरोलमेंट प्रतिशत में होगी वृद्धि : कुलसचिव

इस संबंध में कुलसचिव शैलेष पाण्डेय ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित दीनदयाल कौशल केंद्र में बी वोक इनटेली कम्युनिकेशन, बी वोक इन रिटेल मैनेजमेंट इन आईटी और बी वोक इन मैयुफैक्चरिंग पढ़ाई कराई जा रही है। साथ ही इसी तीन विषयों में एम



वोक के कोर्स संचालित है। इसके साथ इन विषयों से संबंधित शोधकार्य को भी जोड़ा गया है। छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा का प्रतिशत की स्थिति काफी चिंताजनक है। स्कूली शिक्षा के बाद स्नातक और स्नातकोत्तर में यह प्रतिशत काफी कम हो जाता है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के इस फैसले से इनरोलमेंट प्रतिशत में वृद्धि होगी। जो प्रदेश की नही देश के इनरोलमेंट प्रतिशत में वृद्धि करेगा।



जावामारत

बिलासपुर, रविवार, 21 अगस्त 2016

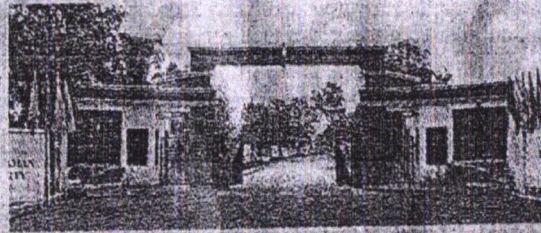
बिलासपुर, रविवार 21 अगस्त 2016

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने जारी किए निर्देश, केंद्र व राज्य सरकार की सिविल सेवा व अन्य परीक्षाओं में होगी पात्रता

बी.वोक को अब स्नातक की मान्यता

स्थानीय प्रतिनिधि। बिलासपुर

बैचलर ऑफ वोकेशन कोर्स की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों की अच्छी खबर है कि अब उनकी यह डिग्री स्नातक डिग्री के रूप में मान्य होगी। इसके लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने बैचलर ऑफ वोकेशन कोर्स की डिग्री को यूजीसी एक्ट 1956 की धारा 22 (3) के अंतर्गत 19 जनवरी 2013 के भारत के राजपत्र में शामिल किया है। बी.वोक को स्नातक के रूप में मान्य किए जाने के बाद अब विद्यार्थी केंद्र व राज्य सरकार की सिविल सेवा व अन्य प्रतियोगी



परीक्षाओं में शामिल हो सकेंगे। साथ ही इस आधार पर उच्च शिक्षा में प्रवेश लिया जा सकेगा।

इसके लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सचिव डॉ. जसपाल एस.सन्धु ने 4 अगस्त 2016

को एफ. 2-7/2014 (सीसी/एनवीईक्यूएफ) में देश के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति व राज्य सरकार को पत्र जारी कर जानकारी दी है कि बैचलर ऑफ वोकेशनल कोर्स को अब तीन वर्षों

स्नातक डिग्री रूप में मान्यता दी गई है। बी.वोक को उच्च विषयों में शामिल किया गया है, जिस कोर्स में पढ़ाई करने के बाद विद्यार्थी को स्नातक की डिग्री जी जाती थी और वह देश के सभी स्नातक की पढ़ाई करने के बाद वाले प्रतियोगी परीक्षाओं और पीजी की परीक्षा में शामिल होने के पात्रता रखता है। इस संबंध में जानकारी देते हुए डॉ.सी.वी. रामन् विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.आर.पी.दुबे ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का निर्देश उन सभी विद्यार्थियों के लिए वरदान है, कि जो किसी भी कारणों से लगातार ग्रेजुएशन तक की पढ़ाई नहीं कर पाते हैं। इस फैसले से सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि यदि विद्यार्थी एक साल की पढ़ाई करता है तो उसे डिप्लोमा दिया जाएगा, इसके बाद ब्रेक लेकर पुनः फिर प्रवेश लेकर वह विद्यार्थी पढ़ाई कर सकता है, इसी तरह वह तीसरे साल भी खण्ड में पढ़ाई कर सकता है। कुल मिलाकर उसकी तीन वर्ष की पढ़ाई पूरी हो जाएगी और हम एक ग्रेजुएट विद्यार्थी समाज को दे पाएंगे। बी.वोक इन टेली कम्युनिकेशन, बी.वोक इन रिटेल मैनेजमेंट इन आईटी

इनरोलमेंट प्रतिशत में होगी वृद्धि - कुलसचिव

इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलसचिव शैलेश पाण्डेय ने बताया



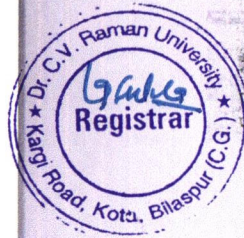
कि डॉ.सी.वी. रामन् विश्वविद्यालय में स्थापित दीनदयाल कौशल केंद्र में बी.वोक इन

टेली कम्युनिकेशन, बी.वोक इन रिटेल मैनेजमेंट इन आईटी और बी.वोक इन मेन्युफैक्चरिंग पढ़ाई कराई जा रही है। साथ ही इन्हीं

तीन विषयों में एम.वोक के कोर्स संचालित हैं। इसके साथ इन विषयों से संबंधित शोधकार्य को भी जोड़ा गया है। छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा का प्रतिशत की स्थिति काफी घटती है। स्कूली शिक्षा के बाद स्नातक और स्नातकोत्तर में यह प्रतिशत काफी कम हो जाता है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के इस फैसले से इनरोलमेंट प्रतिशत में होगी वृद्धि होगी, जो प्रदेश की जहाँ देश के इनरोलमेंट प्रतिशत में वृद्धि करेगा।

5 लाख विद्यार्थियों के लिए सुनहरा अवसर-कुलपति

विश्व के कुलपति डॉ.आर.पी.दुबे ने बताया कि केंद्र सरकार की मंशा के अनुसार मानव संसाधन मंत्रालय और यूजीसी ने सेंटर फॉर नॉल्लेज एक्विजिशन एंड अप्रोप्रेशन और रिकलड ह्यूमन एबिलिटीस एंड लाइवली वुड स्थापित करने के लिए प्रस्ताव मांगे थे। जिसमें देश भर के 708 विश्वविद्यालय व कॉलेजों ने प्रस्ताव दिया था। हर प्रदेश व विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है कि प्रदेश में एक डॉ.सी.वी. रामन् विश्वविद्यालय को चयन किया गया। इसके बाद छत्तीसगढ़ शासन ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा घोषित डॉ.सी.वी. रामन् विश्वविद्यालय के पी. दीनदयाल कौशल केंद्र को स्टेट रिसोर्स सेंटर घोषित किया है। इसी शिक्षा सत्र से प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में डॉ.सी.वी. रामन् विश्वविद्यालय बी.वोक व एम.वोक पाठ्यक्रम की पढ़ाई कराई जा रही है। इसके प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों को कौशल में दक्ष किया जाएगा और उन्हें रोजगार मिल सकेगा। यह देश का पहला विश्वविद्यालय है, जिसे स्टेट रिसोर्स सेंटर स्थापित कर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में पाठ्यक्रम संचालित करने की अनुमति प्रदान की गई है।



और बी. वोक इन मेन्युफैक्चरिंग मेन्युफैक्चरिंग में वेल्डिंग, सीएमसी, शीट मेटल वर्क, ड्राफ्टिंग आदि कार्य के लिए स्नातक स्तर पर कुशल मैनपावर की डिमांड पूरी हो जाएगी। इसी तरह टेली कम्युनिकेशन फाईबर ऑप्टिकल केबल टेक्नीशियन, नेटवर्क इंजीनियर, ब्राड बैंड इस्टालर, पावर सिस्टम इंजीनियरिंग स्नातक होंगे और उन्हें आसानी से रोजगार मिल सकेगा। इसी तरह रिटेल मैनेजमेंट के क्षेत्र में

ब्रिलिंग एक्जिक्यूटिव, रिटेल सेलस एक्जिक्यूटिव, स्टोर सुपरवाइजर, मॉल मैनेजर और ब्रांड मैनेजर के युवा काम के साथ स्थानक होंगे जिसे उन्हें कार्य क्षेत्र में ही प्रमोशन और प्रोत्साहन मिलेगा। इसके साथ विद्यार्थियों को कई क्षेत्र में काम के अवसर विद्यार्थियों को मिलेंगे। इसके साथ ये सभी विद्यार्थी हर प्रतियोगी परीक्षा और उच्च शिक्षा में प्रवेश अपने रुचिकर क्षेत्र में रिसर्च तक जा सकते हैं।

सीवीआरयू को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने जारी किया निर्देश

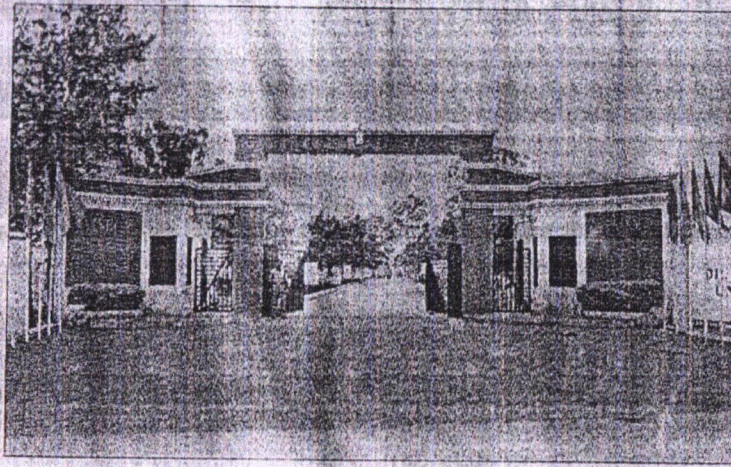
बी वोक को अब स्नातक की मान्यता

बैचलर ऑफ वोकेशन कोर्स की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है कि अब उनकी यह डिग्री स्नातक डिग्री के रूप में मान्य होगी। इसके लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने बैचलर ऑफ वोकेशन कोर्स की डिग्री को यूजीसी एक्ट 1956 की धारा 22 3 के अंतर्गत 19 जनवरी 2013 के भारत के राजपत्र में शामिल किया है।

हरिभूमि न्यूज, बिलासपुर

बी वोक को स्नातक के रूप में मान्य किए जाने के बाद अब विद्यार्थी केंद्र व राज्य सरकार की सिविल

सेवा व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल हो सकेंगे। साथ ही इस आधार पर उच्च शिक्षा में प्रवेश लिया जा सकेगा। इसके लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सचिव डा. जसपाल एस सन्धु ने 4 अगस्त 2016 को यूजीसी, एनवीईक्यूएफ में देश के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति व राज्य



बैचलर ऑफ वोकेशन कोर्स को अब तीन वर्षीय स्नातक डिग्री रूप में मान्यता दी गई है। बीवोक को उन विषयों में शामिल किया गया है। जिस कोर्स में

पढ़ाई करने के बाद विद्यार्थी को स्नातक की डिग्री जी जाती थी और वह देश के सभी स्नातक की पढ़ाई करने के बाद वाले प्रतियोगी परीक्षाओं और

इनरोलमेंट प्रतिशत में होगी वृद्धि: पाण्डेय

विश्वविद्यालय के कुलसचिव शैलेश पाण्डेय ने बताया कि डा. सीवी रामन् विश्वविद्यालय में स्थापित दीनदयान कौशल केंद्र में बी वोक इन टेली कम्युनिकेशन, बी वोक इन रिटेल मैनेजमेंट इन आईटी और बी वोक इन मैनुफैक्चरिंग पढ़ाई कराई जा रही है। साथ ही इन्हीं तीन विषयों में एमवोक के कोर्स संचालित है। इसके साथ इन विषयों से संबंधित शोधकार्य को भी जोड़ा गया है। छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा का प्रतिशत की स्थिति काफी चिंताजनक है। स्कूली शिक्षा के बाद स्नातक और स्नातकोत्तर में यह प्रतिशत काफी कम हो जाता है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के इस फैसले से इनरोलमेंट प्रतिशत में होगी वृद्धि होगी। जो प्रदेश की नहीं देश के स्तर पर प्रतिशत में वृद्धि होगी।

पीजी की परीक्षा में शामिल होने के पात्रता रखता है। डा. सीवी रामन् विश्वविद्यालय के कुलपति डा. आरपी दुबे ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का निर्देश उन सभी विद्यार्थियों के लिए निर्दान है कि जो किन्हीं भी कारणों से लगातार ग्रेजुएशन तक की पढ़ाई नहीं कर पाते हैं। इस फैसले से सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि यदि विद्यार्थी एक साल की पढ़ाई करता है तो उसे डिप्लोमा दिया जाएगा, इसके बाद ब्रेक लेकर पुनः प्रवेश लेकर वह विद्यार्थी पढ़ाई कर सकता है। इसी तरह वह तीसरे साल भी खण्ड में पढ़ाई कर सकता है। कुल मिलाकर उसकी तीन वर्ष की पढ़ाई पूरी हो जाएगी और हम एक ग्रेजुएट विद्यार्थी समाज को दे पाएंगे।

बी वोक इन टेली कम्युनिकेशन, बी वोक इन रिटेल मैनेजमेंट इन आईटी और बी वोक इन मैनुफैक्चरिंग में वेल्डिंग, सीएमसी, शीट मेटल वर्क, ड्राफ्टिंग आदि कार्य के लिए स्नातक स्तर पर कुशल मैनपावर की डिमांड पूरी हो जाएगी। इसी तरह टेली कम्युनिकेशन फाइबर ऑप्टिकल केबल टेक्नीशियन, नेटवर्क इंजीनियर, ब्रांड वैड इस्टालर, पावर सिस्टम इंजीनियरिंग स्नातक होंगे और उन्हें असानी से रोजगार मिल सकेगा। इसी तरह रिटेल मैनेजमेंट के क्षेत्र में बिलिंग एक्जिक्यूटिव, रिटेल सेल्स एक्जिक्यूटिव, स्टोर सुपर वाइजर, मॉल मैनेजर और ब्रांड मैनेजर के युवा क्राफ के साथ स्थानक होंगे जिसे उन्हें कार्य क्षेत्र में ही प्रमोशन और प्रोत्साहन मिलेगा। इसके साथ विद्यार्थियों को कई क्षेत्र में काम के अवसर विद्यार्थियों को मिलेंगे। इसके साथ वे सभी विद्यार्थी हर प्रतियोगी परीक्षा और उच्च शिक्षा में प्रवेश

5 लाख विद्यार्थियों के लिए सुनहरा अवसर: दुबे

कुलपति डा. आरपी दुबे ने बताया कि केंद्र सरकार की मंशा के अनुसार मानव संसाधन मंत्रालय और यूजीसी ने सेंटर फॉर नॉलेज एडयूविजेशन एंड



अपॉस्टेशन और स्कॉड ह्यूमन एबिलिटिस एंड लाइवली हुड स्थापित करने के लिए प्रस्ताव मांगे थे। जिसमें देश भर के 708 विश्वविद्यालय व कॉलेजों ने प्रस्ताव दिया था। हर प्रदेश व विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है कि प्रदेश में एक डा. सीवी रामन् विश्वविद्यालय को चयन किया गया। इसके बाद छत्तीसगढ़ शासन ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा घोषित डा. सीवी रामन् विश्वविद्यालय के व दीनदयान कौशल केंद्र को स्टेट रिसोर्स सेंटर घोषित किया है। इसी शिक्षा सत्र से प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में डा. सीवी रामन् विश्वविद्यालय बीवोक व एमवोक पाठ्यक्रम की पढ़ाई कराई जा रही है। इसके प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों को कौशल में दक्ष किया जाएगा और उन्हें रोजगार मिल सकेगा। यह देश का पहला विश्वविद्यालय है, जिसे स्टेट रिसोर्स सेंटर स्थापित कर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में पाठ्यक्रम



बिलासपुर, रविवार, 21 अगस्त 2016

शिक्षा | विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने जारी किया निर्देश, सभी कुलपति को भेजा पत्र बी वोक को स्नातक की मान्यता, सिविल सेवा व अन्य परीक्षाओं की होगी पात्रता

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

बैचलर ऑफ लोकेशन कोर्स की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है कि अब उनकी यह डिग्री स्नातक डिग्री के रूप में मान्य होगी। इसके लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने बैचलर ऑफ लोकेशन कोर्स की डिग्री को यूजीसी एक्ट 1956 की धारा 22 (3) के अंतर्गत 19 जनवरी 2013 के भारत के राजपत्र में शामिल किया है। बी वोक को स्नातक के रूप में मान्य किए जाने के बाद अब विद्यार्थी केंद्र व राज्य सरकार की सिविल सेवा व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल हो सकेंगे। साथ ही इस आधार पर उच्च शिक्षा में प्रवेश लिया जा सकेगा।

इसके लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सचिव डॉ. जसपाल एस. सन्धु ने 2 अगस्त 2016 को एफ. 2-7/2014 (सी.एन.एन.वी.एफ.) में देश के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति व राज्य सरकार को पत्र जारी कर जानकारी दी है कि बैचलर ऑफ लोकेशन कोर्स को अब तीन वर्षीय स्नातक डिग्री रूप में मान्यता दी गई है। बी वोक को उन विषयों में शामिल किया गया है जिनमें काम में पढ़ाई करने के बाद विद्यार्थी को स्नातक की डिग्री दी जाती थी और वह

देश के सभी स्नातक की पढ़ाई करने के बाद वाले प्रतियोगी परीक्षाओं और यूजीसी की परीक्षा में शामिल होने के पात्रता रखता है। इस संबंध में जानकारी देते हुए डॉ. सीवी रामन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आरपी दुबे ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का निर्देश उन सभी विद्यार्थियों के लिए वरदान है जो किसी कारणों से लगातार प्रेजेंटेशन तक की पढ़ाई नहीं कर पाते हैं। यदि विद्यार्थी एक साल की पढ़ाई करता है तो उसे डिप्लोमा दिया जाएगा। इसके बाद ब्रैक लेकर पुनः फिर प्रवेश लेकर वह पढ़ाई कर सकता है। इसी तरह वह तीसरे साल भी खण्ड में पढ़ाई कर सकता है। कुल मिलाकर उसकी तीन वर्ष की पढ़ाई पूरी हो जाएगी और हम एक प्रेजेंट विद्यार्थी समाज को दे पाएंगे। बी.वोक इन टेली कम्युनिकेशन, बी.वोक इन रिटेल मैनेजमेंट इन आईटी और बी.वोक इन मैनुफैक्चरिंग मैनेजमेंट में वेलडिंग, सीएमसी, शीट मेटल वर्क, ड्राफ्टिंग आदि कार्य के लिए स्नातक स्तर पर कुशल मैनपावर की डिमांड पूरी हो जाएगी। इसी तरह टेली कम्युनिकेशन फाईबर ऑप्टिकल केबल टेक्नीशियन, नेटवर्क इंजीनियर ब्रॉड बैंड इस्टाल पावर सिस्टम इंजीनियरिंग स्नातक होंगे और उन्हें आसानी से रोजगार मिल सकेगा।

5 लाख विद्यार्थियों के लिए सुनहरा अवसर: कुलपति



कुलपति डॉ. आरपी दुबे ने बताया कि केंद्र सरकार की मंशा के अनुसार मानव संसाधन मंत्रालय और यूजीसी ने सेंटर फॉर नॉलेज एक्विजिशन एंड अप्रेंटिसन और स्क्रीड ह्यूमन एडिल्टिस एंड लाइवली वुड स्थापित करने के लिए प्रस्ताव मांगे थे। इसमें देश भर के 708 विश्वविद्यालय व कॉलेजों ने प्रस्ताव दिया था। प्रदेश में एक डॉ. सी.वी.रामन विश्वविद्यालय को चयन किया गया। इसके बाद छत्तीसगढ़ शासन ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा घोषित डॉ. सीवी रामन विश्वविद्यालय के पी. वी.नंदराव कोशल केंद्र को स्टेट रिसेस सेंटर घोषित किया है। इसी शिक्षा क्षेत्र से प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में डॉ. सीवी रामन विश्वविद्यालय की बी.वोक व एम.वोक पाठ्यक्रम की पढ़ाई कराई जा रही है। इसके प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों को कोशल में दक्ष किया जाएगा और उन्हें रोजगार मिल सकेगा। यह देश का पहला विश्वविद्यालय है जिसे स्टेट रिसेस सेंटर स्थापित कर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में पाठ्यक्रम संचालित करने की अनुमति दी गई है।

इनरोलमेंट प्रतिशत में होगी वृद्धि: कुलसचिव



कुलसचिव शैलेश पाण्डेय ने बताया कि डॉ. सीवी रामन विश्वविद्यालय में स्थापित दीनदयाल कोशल केंद्र में बी.वोक इन टेली कम्युनिकेशन, बी.वोक इन रिटेल मैनेजमेंट इन आईटी और बी.वोक इन मैनुफैक्चरिंग पढ़ाई कराई जा रही है। साथ ही इनकी तीन विषयों में एम.वोक के कोर्स संचालित हैं। इसके साथ इन विषयों से संबंधित शोधकार्य को भी जोड़ा गया है। छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा का प्रतिशत को स्थित काफी चिंतनीय है। स्कूली शिक्षा के बाद स्नातक और स्नातकोत्तर में यह प्रतिशत काफी कम हो जाता है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के इस फैसले से इनरोलमेंट प्रतिशत में होगी वृद्धि होगी।



छत्तीसगढ़

रायपुर, 22 अगस्त 2016, सोमवार

बी.वोक को अब स्नातक की मान्यता

वि वि अनुदान आयोग ने जारी किया निर्देश

छत्तीसगढ़ संवाददाता

बिलासपुर, 21 अगस्त।

बैचलर ऑफ वोकेशन कोर्स की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों की अच्छी खबर है कि अब उनकी यह डिग्री स्नातक डिग्री के रूप में मान्य होगी। इसके लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने बैचलर ऑफ वोकेशन कोर्स की डिग्री को यूजीसी एक्ट 1956 की धारा 22 (3) के अंतर्गत 19 जनवरी 2013 के भारत के राजपत्र में शामिल किया है। बी.वोक को स्नातक के रूप में मान्य किए जाने के बाद अब विद्यार्थी केंद्र व राज्य सरकार की सिविल सेवा व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल हो सकेंगे। साथ ही इस आधार पर उच्च शिक्षा में प्रवेश लिया जा सकेगा।

इसके लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सचिव डॉ. जसपाल एस.सन्धु ने 4 अगस्त 2016 को एफ 2-7/2014 (सीसी/एनवीईक्यूएफ) में देश के

सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति व राज्य सरकार को पत्र जारी कर जानकारी दी है, कि बैचलर ऑफ वोकेशनल कोर्स को अब तीन वर्षीय स्नातक डिग्री रूप में मान्यता दी गई है।

डॉ.सी.वी.रामन् विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.आर.पी.दुबे ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का निर्देश उन सभी विद्यार्थियों के लिए वरदान है, कि जो किन्ही भी कारणों से लगातार प्रेजुएशन तक की पढ़ाई नहीं कर पाते हैं।

कुलसचिव शैलेष पाण्डेय ने बताया कि डॉ.सी.वी.रामन् विश्वविद्यालय में स्थापित दीनदयान कौशल केंद्र में बी वोक इन टेली कम्युनिकेशन, बी वोक इन रिटेल मैनेजमेंट इन आईटी और बी वोक इन मैनुफैक्चरिंग पढ़ाई कराई जा रही है। साथ ही इन्हीं तीन विषयों में एम.वोक के कोर्स संचालित है। इसके साथ इन विषयों से संबंधित शोधकार्य को भी जोड़ा गया है।



पत्रिका

बीवोक को ग्रेजुएशन की मान्यता प्रतियोगी परीक्षाओं व रिसर्च में शामिल हो सकेंगे स्टूडेंट्स



पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
paprika.com

बिलासपुर, वैचलर ऑफ वोकेशन कोर्स की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है कि अब उनकी यह डिग्री स्नातक डिग्री के रूप में मान्य होगी। इसके लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने वैचलर ऑफ वोकेशन कोर्स की डिग्री को यूजीसी एक्ट 1956 की धारा 22 (3) के अंतर्गत 19 जनवरी 2013 के भारत के राजपत्र में शामिल किया है। बीवोक को स्नातक के रूप में मान्य किए जाने के बाद अब विद्यार्थी केंद्र व राज्य सरकार की सिविल सेवा व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल हो सकेंगे। साथ ही इस आधार पर उच्च शिक्षा में प्रवेश लिया जा सकेगा। इसके लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सचिव डॉ. जसपाल एस सन्धु ने 4 अगस्त 2016 को देश के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति व राज्य सरकार को पत्र जारी कर जानकारी दी है, कि वैचलर ऑफ वोकेशन कोर्स को अब तीन वर्षीय स्नातक डिग्री रूप में मान्यता दी गई है। बीवोक को उन विषयों में शामिल किया गया है। जिस कोर्स में पढ़ाई करने के बाद विद्यार्थी को स्नातक की डिग्री दी जाती हो और वह देश के सभी स्नातक की पढ़ाई करने के बाद करने प्रतियोगी परीक्षाओं और सेवाओं में शामिल होने के अधिकार रखता है। इस संस्था में जानकारी देने के बाद डॉ. सी.वी. रामन विश्वविद्यालय के

कुलपति डॉ. आरपी दुबे ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का निर्देश उन सभी विद्यार्थियों के लिए बरदान है, कि जो किसी भी कारणों से लगातार ग्रेजुएशन तक की पढ़ाई नहीं कर पाते हैं। इस फैसले से सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि यदि विद्यार्थी एक साल की पढ़ाई करता है तो उसे डिप्लोमा दिया जाएगा, इसके बाद ब्रेक लेकर पुनः फिर प्रवेश लेकर वह विद्यार्थी पढ़ाई कर सकता है, इसी तरह वह तीसरे साल भी खण्ड में पढ़ाई कर सकता है। कुल मिलाकर उसकी तीन वर्ष की पढ़ाई पूरी हो जाएगी और हम एक ग्रेजुएट विद्यार्थी समाज को दे पाएंगे। बीवोक इन रिटेल मैनेजमेंट इन आईटी और बीवोक इन मैन्युफैक्चरिंग में वेलिडिंग, सोएमसी शीट, मेटल वर्क, ड्राफ्टिंग आदि कार्य के लिए स्नातक स्तर पर कुशल मैनेजर की डिमांड पूरी हो जाएगी। इसी तरह टेली कम्युनिकेशन, फर्बेर आर्टिकल केबल, टेक्नीशियन, नेटवर्क इंजीनियर, वाइड-बैंड इस्टालर, पावर सिस्टम इंजीनियरिंग स्नातक होंगे और उन्हें असानी से रोजगार मिल सकेगा। इसी तरह रिटेल मैनेजमेंट के क्षेत्र में बिलिंग एक्जिक्यूटिव, रिटेल सेल्स एक्जिक्यूटिव, स्टोर सुपर वाइजर, मॉल मैनेजर और ब्रांड मैनेजर के युवा काम के साथ स्नातक होंगे। विद्यार्थी हर प्रतियोगी परीक्षा और उच्च शिक्षा में प्रवेश लेकर अधिकतर क्षेत्र में शामिल हो सकते हैं।

बिलासपुर, रविवार, 21 अगस्त 2016

इनरोलमेंट प्रतिशत में होगी वृद्धि-कुलसचिव

विश्वविद्यालय के कुलसचिव सैलेष पाण्डेय ने बताया कि डॉ. सी.वी. रामन



विश्वविद्यालय में स्थापित दीनदयाल कौशल केंद्र में बीवोक इन टेली कम्युनिकेशन, बीवोक इन रिटेल

मैनेजमेंट इन आईटी और बीवोक इन मैन्युफैक्चरिंग पढ़ाई कराई जा रही है। साथ ही इन्हीं तीन विषयों में एमवोक के कोर्स संचालित हैं। इसके साथ इन विषयों से संबंधित शोधकार्य को भी जोड़ा गया है। छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा का प्रतिशत की स्थिति काफी चिंतनीय है। स्कूली शिक्षा के बाद स्नातक और स्नातकोत्तर में यह प्रतिशत काफी कम हो जाता है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के इस फैसले से इनरोलमेंट प्रतिशत में होगी वृद्धि होगी, जो प्रदेश की वही देश के इनरोलमेंट प्रतिशत में वृद्धि करेगा।

विद्यार्थियों के लिए सुनहरा अवसर-कुलपति

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर.पी. दुबे



ने बताया कि केंद्र सरकार की गंगा के अनुसार नाव संसाधन मंत्रालय और यूजीसी ने सेंटर फॉर जॉइंट एक्ज्यूटिविजेशन एंड अपग्रेडेशन और स्क्रीड ह्यूमन एबिलिटीस एंड लाइवली हुड स्थापित करने के लिए प्रस्ताव मांगे थे। जिसमें देश भर के 708 विश्वविद्यालय व कॉलेजों ने प्रस्ताव दिया था। गौरव की बात है कि प्रदेश में एक डॉ. सी.वी. रामन विश्वविद्यालय का चयन किया गया। छत्तीसगढ़ शासन ने यूजीसी द्वारा घोषित डॉ. सी.वी. रामन विश्वविद्यालय के पं. दीनदयाल कौशल केंद्र को स्टेट रिसोर्स सेंटर घोषित किया है।



छत्तीसगढ़

रायपुर, 6 सितंबर 2016, मंगलवार

सीवीआरयू में खुलेगा प्रधानमंत्री कौशल केंद्र निशुल्क प्रशिक्षण, मास्टर ट्रेनर देंगे ट्रेनिंग

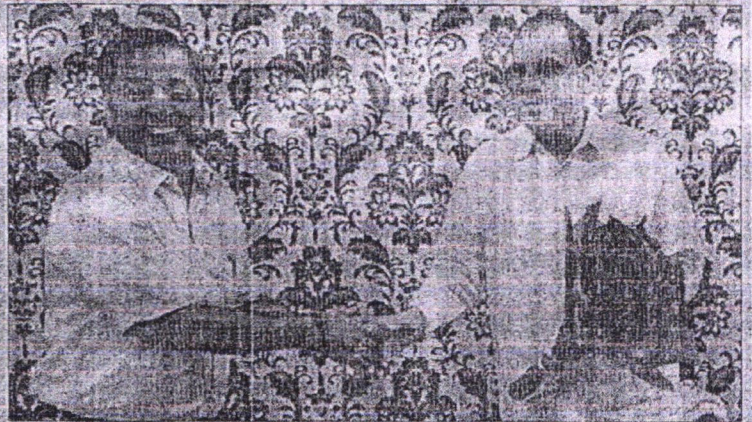
छत्तीसगढ़ संवाददाता

बिलासपुर, 5 सितंबर। डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री कौशल केंद्र की स्थापना की जाएगी। इसके लिए भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यम मंत्रालय ने इसकी मान्यता दी है। सीवीआरयू में प्रधानमंत्री कौशल केंद्र के माध्यम से कक्षा 8वीं के बाद के विद्यार्थियों को निशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। भारत सरकार ने डॉ. सी. वी. रामन् विवि को विभिन्न ट्रेड्स में प्रशिक्षण देने की अनुमति प्रदान की है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए कुलसचिव शैलेश पाण्डेय ने बताया कि भविष्य के बाजारों के लिए कौशल विकास से लेकर मानव संसाधन विकसित करने के लिए हाल में ही घोषित प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना से अवश्य ही हमारी अर्थव्यवस्था को पूर्ण लाभ मिलेगा। इस क्रम में डॉ. सी. वी. रामन् विवि नया आयाम तय करने जा रहा है। भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यम मंत्रालय ने प्रधानमंत्री कौशल केंद्र की स्थापना की अनुमति दी है। आज आईसैक्ट के अधिकारियों ने सांसद लखन लाल साहू से मुलाकात की और इस संबंध में पूरी जानकारी श्री साहू को दी।

सामाजिक व आर्थिक विकास को मिलेगा बड़ा बजट-कुलसचिव

कुलसचिव श्री पाण्डेय ने बताया कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत मुख्य रूप से श्रम बाजार में पहली बार प्रवेश कर रहे लोगों पर जोर होगा और विशेषकर कक्षा 10 व



12 के दौरान स्कूल छोड़ गये छात्रों पर ध्यान दिया गया है। कौशल व उद्यम विकास वर्तमान सरकार की उच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। नवगठित कौशल व उद्यम विकास मंत्रालय की मेक इन इंडिया अभियान के लक्ष्यों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका है।

7 ट्रेड्स में मास्टर ट्रेनर देंगे प्रशिक्षण

श्री पाण्डेय ने बताया कि उद्योगों की जरूरत के अनुसार वर्तमान में केंद्र में 7 ट्रेड्स में प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें डाटा इंटी ऑपरेटर, इलेक्ट्रिशियन, आटोमोटिव टेक्नीशियन, केस्टमर रिलेशन एक्जीक्यूटिव, एकाउंट एक्जीक्यूटिव सहित कई सेक्टर शामिल हैं। इसके लिए विवि में बेहतर अधीसरचना, लेब, चकशाप कंप्यूटर

लेब उपलब्ध है। इसके साथ हमारे पर मास्टर ट्रेनर हैं, जो विद्यार्थियों को दक्ष करने में अनुभवी हैं। श्री पाण्डेय ने बताया कि इस तरह विद्यार्थियों को अधिकतम 3 महीने के शॉर्ट टर्म प्रशिक्षण के माध्यम से दक्ष किया जाएगा। जिससे वे रोजगार के अवसर का लाभ उठाकर जल्द ही जांव में जाएं।

अपनी रुचि से प्रशिक्षण लेकर पाएं रोजगार-साहू

सांसद लखन लाल साहू ने कहा कि सरकार ने प्रधानमंत्री कौशल केंद्र के लिए सीवीआरयू का चयन किया है। बिलासपुर के युवा अपनी रुचि और सुविधा के अनुसार ट्रेड्स में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। साथ ही उन्हें रोजगार मिल सकेगा। क्षेत्र के युवाओं को रोजगार का बेहतर अवसर मिलेगा।



दे दे ई म

सीवीआरयू में जुलेगा प्रधानमंत्री कौशल केंद्र

विद्यार्थियों को दिया
जाएगा बिःशुल्क
प्रशिक्षण, मास्टर ट्रेनर
देगे ट्रेनिंग

जिनामपुर/नारद टाईम

जुं सो को रामन विबिधवालय में
प्रधानमंत्री कोशल कन्द की स्थानान्तरण
की जाणायो। इसके लिए भारत
सरकार को कोशल विकास एजेंसि
उद्यम मंगलय ने इसकी मान्यता दी थी
है। सीबीआयू में प्रधानमंत्री कोशल
केन्द्र को माध्यम से कक्षा श्वीक के
बाद को विद्यार्थियों को निशुल्क
प्रशिक्षण दिया जाएगा। भारत
सरकार ने जूं सो को रामन
विबिधवालय को विभिन्न देहस में
प्रशिक्षण देने को अनुमति प्रदान
की है।

इस सन्दर्भ में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपतिवचन सेपाठ्यक्रम में बताया कि मॉडलिंग बनाते के लिए कोशल विकास से लेकर मानव संसाधन विकसित करने के लिए हाथ में ही पोंपित प्रणामनी कोशल विकास योजना में अवयव ही हागी अवयवव्यवस्था को पूर्ण रूप मिलाया नई नीति के तहत मिशन के तौर पर लागू करे नई योजना मानव संसाधन और उद्योगों के विकास में एक नए युग की शुरुआत करेगी। श्री पाठ्यक्रम में बताया कि विश्व के लिए कोशल और मानव विकास के लिए कोशल और और जोन में प्रेरक बल है। यतमान विश्वक मॉडल में उभरती

अर्धव्यवस्थाओं की मुख्य चुनौती से निपटने में वे देश आगे हैं, जिन्होंने कौशल का उच्च स्तर प्राप्त कर लिया

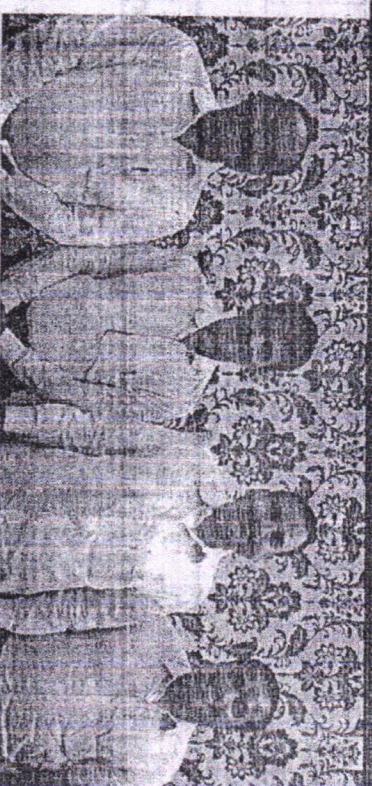
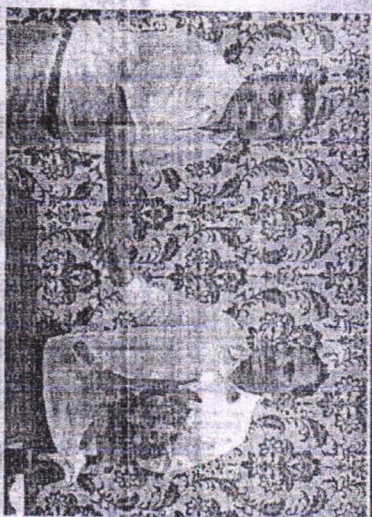
साहू को दी। श्री साहू ने ह
करते हुए अधिकारियों ने
सहयोग देने की बात कही।

साधनिक व आर्थिक

विद्यार्थ को मिलेगा बड़ावा

जो होता है। इस मामले में हमारा देश अच्छी स्थिति में है। जनसंख्या का एक प्रतिशत हिस्सा कृषि और समृद्ध पटन करता है, परंतु एक बड़े वर्गों भी पेशे करता है। हमारे अर्थव्यवस्था को इसका लाभ तभी मिलेगा जब हमारे जनसंख्या विशेषकर युवा समूह, शिक्षित और जोशवादी हों। इस क्रम में आयात तथा कच्चे जूते हैं भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यम मंत्रालय ने प्रधानमंत्री के भारत केंद्र की स्थापना की अनुमति दी है। आर्थिक के अधिकारी हैं संसार तथागत लोग सारे ने मुलाकात की थीं और संभव में पूरी जानकारी श्री

कृष्णसचिव शैलेश पाण्डेय ने बताया कि भारत में बड़े युवा जनसंख्या है जिसमें उम्र बढ़ते समय वे सोसायल-अर्थिक विकास के लिए बढ़ती माँग रखते हैं। हमारे पास 60.5 करोड़ लोग 25 वर्ष से कम आयु के हैं। शेजारा के लिए उद्योग को कोलात प्राप्त करके वे युवावर्तन के प्रतिनिधि हो सकते हैं। वे न केवल अपने जीवन को प्रभावित करने के कालिदा हो सकते हैं दूसरे के जीवन में भी बदलाव ला सकते। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना युवाओं के कोलात के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। इसमें ताल पाठ्यक्रमों में योग्य बदल शिक्षण और प्रशिक्षण शामिल है। यह विदेशी उद्योग प्रभाव है।



भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यम मंत्रालय ने की घोषणा

तैयार करने में इस मन्त्रालय को अहम भूमिका है।

7 टेइस में मास्टर ट्रेनर
देंगे प्रशिक्षण

परिवर्तन भी साक्ष्य है। काश्मीर प्राशिक्षण नेशनल रिकलिंग द्वारा तयामेन्दु पर आभासी है। श्री पाण्डेय ने बताया कि प्रथम-परी काश्मीर विकास योजना के तहत मुझ रूप से श्रम बाजार में पहुँचने और प्रवेश करते लोगों सहजरे हीनारे नुर विशेषकर कला १० व १२ के दौरान स्कूल छुड़ कर छात्रों पर ध्यान दिया गया है। काश्मीर व उद्यम विकास वर्गीयान सरकार की उत्तम ग्राह्यमिकाओं में शामिल है।

मन्त्रालय काश्मीर व उद्यम विकास मन्त्रालय की मेक इन इंडिया अभियान के लक्ष्यों को पूरा करने में मन्त्रालयपूर्ण शुभका है। वह अभियान भारत की एक विनिर्माण केन्द्र के रूप में परिवर्तित करने के लिए अग्रगण्य है। विकासशील अर्थव्यवस्था की विनिर्माण क्षेत्र समर्थन प्रगति भुँवों को मांग के अनुसार प्रगतिशील कार्यबल

7. ट्रेड्स में मास्टर ट्रेनर
देंगे प्रशिक्षण

श्री पाण्डेय ने बताया कि उन्होंने को
जल्दवा के अनुसार वर्तमान में केंद्र
में 7 ट्रेड्स में प्रशिक्षण दिया
जाएगा। इसमें छद्म इलेक्ट्रिसियन,
इलेक्ट्रिसियन, आर्मीटेड
ट्रेनीसियन, कंस्ट्रक्शन
एंड जॉइंटिव,
एकनॉमिक टैक्स, सॉलर कर्इ सेक्टर
शामिल है। इसके लिए विश्वविद्यालय
में बहुत सैव्य संयोजना, तैय
वर्कशॉप, कंप्यूटर सैव्य प्रगति, तैय
इसके साथ साथ पर मास्टर ट्रेनर है,
जो विश्वविद्यालय को देख करने में
अनुमति है। श्री पाण्डेय ने बताया कि
इस तरह विश्वविद्यालय को अप्रत्यक्ष
3 महीने के बाद टर्म प्रशिक्षण के
माध्यम से देख किया जाएगा। जिससे
वे योजना के अंश का लाभ
उत्तर जल्द ही जीव में जाए।

अपनी रुचि से प्रविष्टाणा
लेकर पाण्डुरोजगार

इस संबंध में जानकारी देते हुए, बिलासपुर के समस्त तालम ताला अलग से मात्राव्यवस्था बनाकर युवाओं को कोशल में दण्ड करने की योजना तैयार की है। यह एखीसी की बात है कि सरकार ने प्रथममंजरी कोशल केंद्र के लिए सीबीआय का चयन किया है। बिलासपुर के युवा अपनी स्वयं और सुविधा के अनुसार ट्रेड्स में परिश्रम प्राप्त करेंगे। साथ ही उन्हें रोजगार मिल सकेगा। यह बात सामने आई है कि निम्न क्षेत्रों में कुशल लोगों की काम करने वाली की जरूरत है। इसके माध्यम क्षेत्र के युवाओं को रोजगार का बंधन प्रयोज्य मिलेगा। ये युवा जो विकास में अपने भूमिका निभा पाएंगे।

विलासपुर सोमवार
5 दिसंबर, 2016

भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यम मंत्रालय ने की घोषणा, विद्यार्थियों को दिया जाएगा निःशुल्क प्रशिक्षण सीवीआरयू ने खुलेगा प्रधानमंत्री कौशल केंद्र

स्थानीय प्रतिनिधि | विलासपुर

डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री कौशल केंद्र की स्थापना की जाएगी। इसके लिए भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यम मंत्रालय ने इसकी मान्यता दी है। सीवीआरयू में प्रधानमंत्री कौशल केंद्र के माध्यम से कक्षा 8 वीं के बाद के विद्यार्थियों को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। भारत सरकार ने डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय को विभिन्न ट्रेड्स में प्रशिक्षण देने की अनुमति प्रदान की है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव शैलेश पाण्डेय ने बताया कि भविष्य के राजाओं के लिए कौशल विकास से लेकर मानव संसाधन विकसित करने के लिए हाल में ही घोषित प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना से अवश्य ही हमारी अर्थव्यवस्था को पूर्ण लाभ मिलेगा। नई नीति के तहत मिशन के तौर पर लागू की गई यह योजना मानव संसाधन और उद्योग के विकास में नए युग की शुरुआत करेगी। श्री पाण्डेय ने बताया कि किसी भी देश के विकास और सामाजिक विकास के

लिए कौशल और ज्ञान दो प्रेरक बल हैं। वर्तमान वैश्विक माहौल में उभरती अर्थव्यवस्थाओं की मुख्य चुनौती से निपटने में वे देश आगे हैं जिन्होंने कौशल का उच्च स्तर प्राप्त कर लिया है। श्री पाण्डेय ने बताया कि किसी भी देश में कौशल विकास कार्यक्रम के लिए मुख्य रूप से युवाओं पर ही जोर होता है। इस मामले में हमारा देश अच्छी स्थिति में है। जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा उत्पादक आयु समूह में है। यह भारत को सुनहरा अवसर प्रदान करता है। परंतु एक बड़ी चुनौती भी पेश करता है। हमारी अर्थव्यवस्था को इसके लाभ तभी मिलेगा जब हमारी जनसंख्या विशेषकर युवा स्वस्थ, शिक्षित और कुशल होगी। इस क्रम में डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय नया आयाम तय करने जा रहा है। भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यम मंत्रालय ने प्रधानमंत्री कौशल केंद्र की स्थापना की अनुमति दी है। आज आईसेक्ट के अधिकारियों ने सांसद लखन लाल साह से मुलाकात की और इस संबंध में पूरी जानकारी श्री साह को दी। श्री साह ने हर्ष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को जरूरी सहयोग देने की बात कही।



कुलसचिव शैलेश पाण्डेय ने सांसद लखनलाल साह से मुलाकात कर उन्हें कौशल विकास केंद्र के संबंध में जानकारी दी।

7 ट्रेड्स में मास्टर ट्रेनर देंगे प्रशिक्षण- श्री पाण्डेय ने बताया कि उद्योगों की जरूरत के अनुसार वर्तमान में केंद्र में 7 ट्रेड्स में प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें डाटा इंटी ऑपरेटर, इलेक्ट्रिशियन, आटोमोटिव टेक्निशियन, कस्टमर रिलेशन एक्जीक्यूटिव, एकाउंट एक्जीक्यूटिव सहित कई सेक्टर शामिल हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय में बेहतर अधोसंरचना, लैब, वर्कशॉप, कम्प्यूटर लैब उपलब्ध है। इसके साथ हमारे पर मास्टर ट्रेनर हैं, जो विद्यार्थियों को दक्ष करने में अनुभवी हैं। श्री

पाण्डेय ने बताया कि इस तरह विद्यार्थियों को अधिकतम 3 महीने के शॉर्ट टर्म प्रशिक्षण के माध्यम से दक्ष किया जाएगा। जिससे वे रोजगार के अवसर का लाभ उठाकर जल्द ही जीविके में जाएं।

अपनी रुचि से प्रशिक्षण लेकर पाए रोजगार-साह- इस संबंध में जानकारी देते हुए विलासपुर के सांसद लखन लाल साह ने बताया कि केंद्र सरकार ने अलग से मंत्रालय बनाकर युवाओं को कौशल में दक्ष करने की योजना तैयार की है। यह खुशी की बात है कि सरकार ने प्रधानमंत्री

आर्थिक विकास को मिलेगा बढ़ावा: पाण्डेय

कुलसचिव श्री पाण्डेय ने बताया कि भारत में बड़ी युवा जनसंख्या है जिससे आने वाले समय में सामाजिक-आर्थिक विकास को जोरदार बढ़ावा मिलेगा तब ही हमारे पास 605 करोड़ लोग 25 वर्ष से कम आयु के हैं। रोजगार के लिए उपयुक्त कौशल प्राप्त करके ये युवा परिवर्तन के प्रतिनिधि हो सकते हैं। वे न केवल अपने जीवन को प्रभावित करने के काबिल होंगे साथ ही दूसरों के जीवन में भी बदलाव ला सकेंगे। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना युवाओं के कौशल प्रशिक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण योजना है। इसके तहत पाठ्यक्रमों में सुधार, बेहतर शिक्षण और प्रशिक्षित शिक्षकों पर विशेष जोर दिया गया है। प्रशिक्षण

में अन्य पहलुओं के साथ व्यवहार कुशलता और व्यवहार में परिवर्तन भी शामिल है। कौशल प्रशिक्षण नेशनल प्रिक्वल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क और उद्योग द्वारा तय मानदंडों पर आधारित है। श्री पाण्डेय ने बताया कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत मुख्य रूप से श्रम बाजार में पहली बार प्रवेश कर रहे लोगों पर जोर होगा और विशेषकर कक्षा 10 व 12 के दौरान स्कूल छोड़ गये छात्रों पर ध्यान दिया गया है। कौशल व उद्यम विकास वर्तमान सरकार की उच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। नवगठित कौशल व उद्यम विकास मंत्रालय की भेक इन इतिहास अभियान के लक्ष्यों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका है।

कौशल केंद्र के लिए सीवीआरयू का चयन किया है। विलासपुर के युवा अपनी रुचि और सुविधा के अनुसार ट्रेड्स में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। साथ ही उन्हें रोजगार मिल सकेगा। यह बात सामने आई है कि निजी क्षेत्रों में

कुशल लोगों की काम करने वाली की जरूरत है। इसके माध्यम क्षेत्र के युवाओं को रोजगार का बेहतर अवसर मिलेगा। ये युवा जो बेरोजगार थे वे भी समाज के विकास में अपनी भूमिका निभा पाएंगे।

कौशल विकास

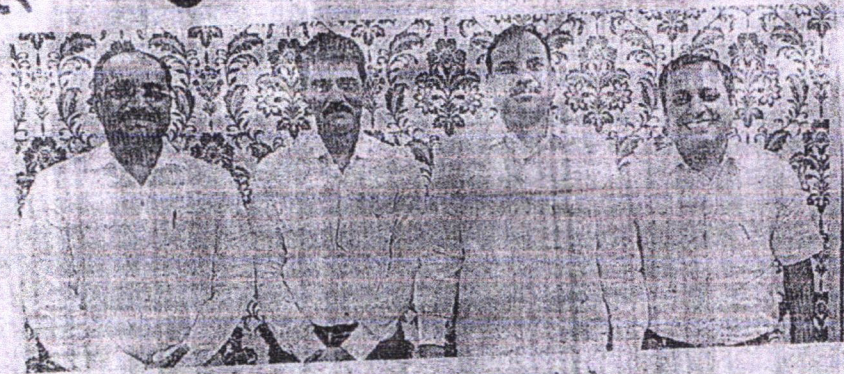
बिलासपुर ■ सोमवार, 05 सितंबर 2016

शिक्षा भारत सरकार के कौशल विकास व उद्यम मंत्रालय ने की घोषणा, देंगे निःशुल्क प्रशिक्षण सीवीआरयू में खुलेगा प्रधानमंत्री कौशल केंद्र

विशेष रिपोर्ट: बिलासपुर

कौशल विकास योजना में प्रधानमंत्री कौशल केंद्र की स्थापना की जाएगी। इसके लिए भारत सरकार के कौशल विकास व उद्यम मंत्रालय ने इसकी घोषणा की है। सीवीआरयू में प्रधानमंत्री कौशल केंद्र के माध्यम से कक्षा 8वीं के बाद के छात्रों को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। भारत सरकार ने डॉ. संजय कुमार को निमित्त टेड्स में प्रशिक्षण देने की जिम्मेदारी दी है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए कौशल विकास व उद्यम मंत्रालय के सचिव शैलेष पाण्डेय ने कहा कि भारत के छात्रों के लिए कौशल विकास के माध्यम से मानव संसाधन को बेहतर बनाने के लिए हाल में ही घोषित कौशल विकास योजना से छात्रों को बेहतर अवसरों को लाभ देना है। निमित्त टेड्स के तहत मिशन के तहत छात्रों की यह योजना मानव संसाधन और उद्यम के विकास में नए रास्ते खोलने के लिए है। किसी भी देश के विकास और सामाजिक विकास के लिए कौशल और उद्यम दो प्रेरक बल हैं। कौशल विकास माहौल में उभरती है। सीवीआरयू की मुख्य चुनौती से निमित्त टेड्स को जोड़ने है। जिन्होंने कौशल विकास को बढ़ावा देकर लिया है। किसी भी देश के विकास कार्यक्रम के लिए कौशल विकास से युवाओं पर ही जोर



संसद लखन लाल साह से मिलने पहुंचे सीवीआरयू के कुलसचिव शैलेष पाण्डेय और अन्य।

होता है। इस मामले में हमारा देश अच्छी स्थिति में है। जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा उत्पादक आयु समूह में है। यह भारत को सुनहरा अवसर प्रदान करता है, परंतु एक बड़ी चुनौती भी पेश करता है। हमारी अर्थव्यवस्था को इसका लाभ तभी मिलेगा, जब हमारी जनसंख्या विशेषकर युवा स्वस्थ, शिक्षित और कुशल होगी। इस क्रम में सीवीआरयू नया आयाम तय करने जा रहा है। भारत सरकार के कौशल विकास व उद्यम मंत्रालय ने प्रधानमंत्री कौशल केंद्र की स्थापना की अनुमति दी है। विचार को आइसेक्ट के अधिकारियों ने सांसद लखन लाल साह से मुलाकात की और इस संबंध में जानकारी दी। साह ने अधिकारियों को जरूरी सहयोग देने की बात कही।

7 टेड्स में भारत सरकार की प्रशिक्षण

उद्योगों की जरूरत के अनुसार वर्तमान में केंद्र में 7 टेड्स में प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें डाटा एंट्री ऑपरेटर, इलेक्ट्रिशियन, आटोमोटिव टेक्नीशियन, कंस्ट्रक्शन रिलेशन प्रोजेक्ट्स, प्रकाशक प्रोजेक्ट्स सहित कई सेक्टर शामिल हैं। इसके लिए यूनिवर्सिटी में बेहतर अपोसंरचना, लैब, वर्कशॉप, कंप्यूटर लैब उपलब्ध है। मास्टर ट्रेनर विद्यार्थियों को अधिकतम 3 महीने के शॉर्ट टर्म प्रशिक्षण के माध्यम से दक्ष करेंगे।

रुचि के अनुसार प्रशिक्षण लेकर पाएं रोजगार

सांसद लखन लाल साह ने बताया कि केंद्र सरकार ने अलग से मंत्रालय बनाकर युवाओं को कौशल में दक्ष करने की योजना तैयार की है। यह खुशी की बात है कि सरकार ने प्रधानमंत्री कौशल केंद्र के लिए सीवीआरयू को चयन किया है। बिलासपुर के युवा अपनी रुचि व सुविधा के अनुसार टेड्स में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। साथ ही उन्हें रोजगार मिल सकेगा। निजी क्षेत्रों में कुशल लोगों की जरूरत है। इसके माध्यम क्षेत्र के युवाओं को रोजगार का बेहतर अवसर मिलेगा।

सामाजिक व आर्थिक विकास को मिलेगा बढ़ावा: कुलसचिव

कुलसचिव पाण्डेय ने बताया कि भारत में युवाओं की बड़ी संख्या है, जिससे आने वाले समय में सामाजिक-आर्थिक विकास को जोरदार बढ़ावा मिलना तय है। हमारे पास 60.5 करोड़ लोग 25 वर्ष से कम आयु के हैं। रोजगार के लिए उपयुक्त कौशल प्राप्त करके वे युवा परिवर्तन के प्रतिनिधि हो सकते हैं। वे न केवल अपने जीवन को प्रभावित करने के काबिल होंगे, साथ ही दूसरों के जीवन में भी बदलाव ला सकेंगे। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत पाठ्यक्रमों में सुधार, बेहतर शिक्षण और प्रशिक्षित शिक्षकों पर विशेष जोर दिया गया है। प्रशिक्षण में अन्य पहलुओं के साथ व्यवहार कुशलता और व्यवहार में परिवर्तन भी शामिल है। कौशल प्रशिक्षण नेशनल रिक्रल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क और उद्योग द्वारा तय मानकों पर आधारित है। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत मुख्य रूप से श्रम बाजार में पहली बार प्रवेश कर रहे लोगों पर जोर होगा और विशेषकर कक्षा 10वीं व 12वीं के दौरान स्कूल छोड़ चुके छात्रों पर ध्यान दिया गया है।



पत्रिका

पत्रिका, बिलासपुर, सोमवार, 05.09.2016

उपलब्ध...

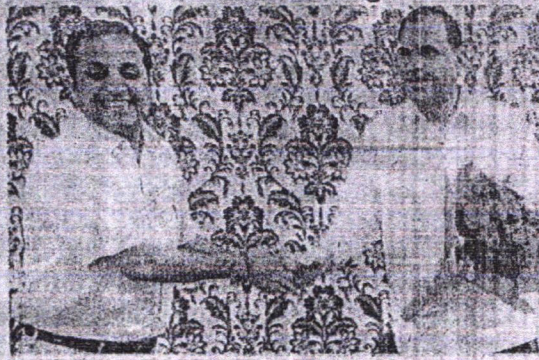
अब सीवीआरयू में खुलेगा प्रधानमंत्री कौशल केंद्र, मंत्रालय ने दी मान्यता

8वीं के बाद के विद्यार्थियों को दिया जाएगा निःशुल्क प्रशिक्षण

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क

patrika.com

बिलासपुर. डॉ.सी.वी.रामन् विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री कौशल केंद्र की स्थापना की जाएगी। इसके लिए भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यम मंत्रालय ने इसकी मान्यता दी है। सीवीआरयू में प्रधानमंत्री कौशल केंद्र के माध्यम से कक्षा 8वीं के बाद के विद्यार्थियों को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। भारत सरकार ने डॉ.सी.वी.रामन् विश्वविद्यालय को विभिन्न ट्रेड्स में प्रशिक्षण देने की अनुमति प्रदान की है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव शैलेश पाण्डेय ने बताया कि भविष्य के बाजारों के लिए कौशल विकास से लेकर मानव संसाधन विकसित करने के लिए हाल में ही घोषित प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना से अवश्य ही हमारी अर्थव्यवस्था को पूर्ण लाभ मिलेगा। नई नीति के तहत मिशन के तौर पर लागू की गई यह योजना मानव संसाधन और उद्योग के विकास में एक नए युग की शुरुआत करेगी। पाण्डेय ने बताया कि किसी भी देश के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए कौशल और ज्ञान दो प्रेरक बल हैं। वर्तमान वैश्विक माहौल में हमारी अर्थव्यवस्थाओं की



स्वा.भारत... सांसद लखनलाल साहू का स्वागत करते शैलेश पाण्डेय।

सामाजिक व आर्थिक विकास को मिलेगा बढ़ावा

कुलसचिव पाण्डेय ने बताया कि भारत में बड़ी युवा जनसंख्या है जिससे आने वाले समय में सामाजिक-आर्थिक विकास को जोरदार बढ़ावा मिलेगा तथा है। हमारे पास 60.5 करोड़ लोग 25 वर्ष से कम आयु के हैं। रोजगार के लिए उपयुक्त कौशल प्राप्त करके ये युवा परिवर्तन के प्रतिनिधि हो सकते हैं। वे न केवल अपने जीवन को प्रभावित करने के कबिल होंगे साथ ही दूसरों के जीवन में भी बदलाव ला सकेंगे। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना युवाओं के कौशल प्रशिक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण योजना है। इसके तहत पाठ्यक्रमों में सुधार, बेहतर शिक्षण और प्रशिक्षित शिक्षकों पर विशेष जोर दिया गया है। प्रशिक्षण में अन्य पहलुओं के साथ व्यवहार कुशलता और व्यवहार में परिवर्तन भी शामिल है।

मुख्य चुनौती से निपटने में वे देश आगे हैं, जिन्होंने कौशल का उच्च स्तर प्राप्त कर लिया है।

किसी भी देश में कौशल विकास कार्यक्रम के लिए मुख्य रूप से युवाओं पर ही जोर होता है। हमारी अर्थव्यवस्था को इसका लाभ तभी मिलेगा जब हमारी

जनसंख्या विशेषकर युवा स्वस्थ, शिक्षित और कुशल होंगे। इस क्रम में डॉ.सी.वी.रामन् विश्वविद्यालय नए आयाम तय करने जा रहा है। भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यम मंत्रालय ने प्रधानमंत्री कौशल केंद्र की स्थापना की अनुमति दी है। आज आईसेक्ट

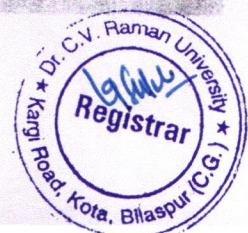
प्रशिक्षण लेकर पाएं रोजगार-साहू

सांसद लखनलाल साहू ने बताया कि केंद्र सरकार ने अलग से मंत्रालय बनाकर युवाओं को कौशल में दक्ष करने की योजना तैयार की है। यह खुशी की बात है कि सरकार ने प्रधानमंत्री कौशल केंद्र के लिए सीवीआरयू का चयन किया है। युवा अपनी रुचि और सुविधा के अनुसार ट्रेड्स में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। साथ ही उन्हें रोजगार मिल सकेगा।

7 ट्रेड्स में मास्टर ट्रेनर देंगे प्रशिक्षण

कुलसचिव पाण्डेय ने बताया कि उद्योगों की जरूरत के अनुसार वर्तमान में केंद्र में 7 ट्रेड्स में प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें डेटा इंटी ऑपरेटर, इलेक्ट्रीशियन, ऑटोमोटाइव टेक्नीशियन, कस्टमर रिजलेशन एक्जीक्यूटिव, एकाउंट एक्जीक्यूटिव, सॉफ्टवेयर डेवलपर शामिल हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय में बेहतर अधीनस्थान, लेब, वर्कशॉप, कंप्यूटर लेब उपलब्ध है।

के अधिकारियों ने सांसद लखनलाल साहू से मुलाकात की और इस संवध में पूरी जानकारी उनको दी। साहू ने हार्दिक बधाई देते हुए जरूरी सहयोग देने की बात कही।



विद्यार्थियों को मिलेगा निःशुल्क प्रशिक्षण, मास्टर ट्रेनर देंगे ट्रेनिंग, भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यम मंत्रालय ने की घोषणा

श्रीवीआरयू में खुलेगा प्रधानमंत्री कौशल केंद्र

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्

में भी प्राप्त विश्वविद्यालय में प्रत्यक्ष प्रयोगशाला के स्थानों पर जाया। इसके लिए भारत सरकार ने विश्व विकास एवं उद्यम संस्थान में एक ही मान्यता दी है। भारत सरकार की अग्रणी प्रणाली में प्रत्यक्ष प्रयोगशाला के माध्यम से विश्व 8वीं शताब्दी के विचारों को विश्व के अग्रणी दिया गया। सरकार ने विश्वविद्यालय को विभिन्न टैक्स में प्रत्यक्ष प्रदान किया है।

[illegible]

बलासपुर, सागर लक्षन डाल सहित अन्य अभियोगों के साथ कुलसचिव शैलेश पांडेय।

अपनी स्रिय से ट्रेनिंग लेकर पाएँ रोजगार : साहू

राजगार मिल सकता। यह बात सामने आई है कि निजी क्षेत्र में कुशल और काम करने वालों की जरूरत है। इसके माध्यम क्षेत्र के युवाओं को राजगार का इशारा अवसर मिलेगा। युवा जो बेरोजगार थे वे भी समान के विकास में अपनी भूमिका निभा पाएंगे।



अवसर मिलेगा। ये युवा जो बेरोजगार
थैं वे भी समाज के विकास में अपनी
भूमिका निभा पाएंगे।

अर्थव्यवस्थाओं की मुख्य चुनौती से निपटने में देखा आगे हैं, जिन्होंने कोशल को उच्च स्तर प्राप्त कर लिया है। श्री पण्डेय ने बताया कि किसी भी देश में कोशल विकास कार्यक्रम के लिए मुख्य रूप से युवाओं पर ही जोर देना है। हमारा देश अच्छी स्थिति में है। जातीयता को एक बड़ा हिस्सा उत्पादक आग सप्ताह में है। यह भारत को सुनहरा अवसर प्रदान करता है, परंतु एक बड़ी चुनौती भी पैदा करता है। हमारी अर्थव्यवस्था को इसका लाभ उठाना

7 ਟੇਲਸ ਮੇਂ ਸਾਧਾ

मिलना जब हमारी जनसंख्या विशेषकर युवा स्वरूप, विभिन्न और कुशल होगी। इस क्रम में डॉ. सीवी रामन निम्नविचारणीय न्याय आयात तब करने का रहा है। भारत सरकार के कांशेल विकास एवं सार्वजनिक मंत्रालय ने प्रगल्भ श्री कोशल चैट्टी की स्थापना की अनुमति दी है। आज आदिशेठ के अधिकांशियों में समीप लखन लाल साह से पुत्रावत का भी और इस संबंध में पूरी जानकारी श्री साह ने अधिकांशियों को जरूरी सहयोग देने की बात कही।

具

7 ड्रिड्स में मास्टर ट्रेनर बनाएं दक्ष

पाण्डय ने बताया कि उद्योगों की रूढ़ि के अनुसार वर्तमान में केंद्र में 7 मास्टर ट्रेनर हैं, जो विद्यार्थियों को दक्ष करने में अग्रणी हैं। पाण्डय ने



इसके लिए विश्वविद्यालय में वेहतर
गोसंरचना, लैब, वर्कशाप, कंप्यूटर
उपलब्ध हैं। इसके साथ ही हमारे

सामाजिक व आर्थिक विकास को मिलेगा बढ़ना

कौलसविद्य श्रीपाठ्ये न वाग्या
किं भारतं न बहीयुतानस्यस्या
हं हिस्वर आने वात समये मे
समाजिक - आर्थिक विकास
को गतिदार दृढता मिलना तेष
हं, हमरि पास 60.5 करोड़
प्रशिक्षण 25 वर्ष से कम आयु के
हं, राजगार के लिए उपयुक्त
प्रशिक्षण के देय युवा
प्रतिपत्ति के प्रतिनिधि हो सकते
हं। देव के वत अपर जीवन को
भक्ति करने के काबिल होंगे,
याथ हो दूसरों के जीवन न भो
दृष्टव्य हो वा सके। प्रमाणमत्री
प्रशिक्षण विकास योजना युवाओं
कोशल प्रशिक्षण के लिए एक
तत्परपूर्ण योजना है, इससे
बेहतर
क्षण और परिश्रित शिलार्क
विशेष जोर दिया गया है।
हं के वत अपर जीवन के
हं के वत अपर जीवन के
हं के वत अपर जीवन के
हं के वत अपर जीवन के

हरिभूमि

बिलासपुर, सोमवार, 5 सितंबर 2016

सीवीआरयू: भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यम मंत्रालय ने की घोषणा

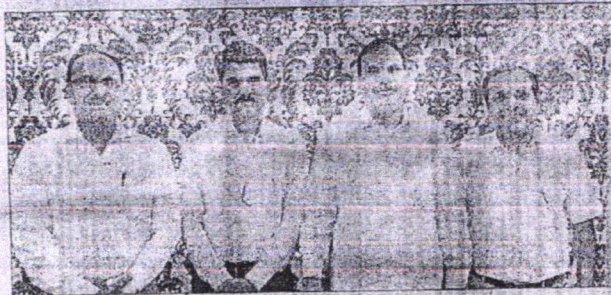
खुलेगा प्रधानमंत्री कौशल केंद्र

डा. सीवी रामन् विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री कौशल केंद्र की स्थापना की जाएगी। इसके लिए भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यम मंत्रालय ने इसकी मान्यता दी है।

हरिभूमि न्यूज, बिलासपुर

सीवीआरयू में प्रधानमंत्री कौशल केंद्र के माध्यम से कक्षा 8वीं के बाद के विद्यार्थियों को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा।

भारत सरकार ने डा. सीवी रामन् विश्वविद्यालय को विभिन्न ट्रेड्स में प्रशिक्षण देने की अनुमति प्रदान की है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव शैलेश



सांसद लखनलाल साहू के साथ सीवी रामन् यूनिवर्सिटी के कुलसचिव व अन्य।

पाण्डेय ने बताया कि भविष्य के बाजारों के लिए कौशल विकास से लेकर मानव संसाधन विकसित करने के लिए हाल में ही घोषित प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना से अवश्य ही हमारी अर्थव्यवस्था को पूर्ण लाभ मिलेगा।

- विद्यार्थियों को दिया जाएगा निः शुल्क प्रशिक्षण, मास्टर ट्रेनर देंगे ट्रेनिंग
- विकास योजना से अर्थव्यवस्था को मिलेगा लाभ
- होगी नए युग की शुरुआत

नई नीति के तहत मिशन के तौर पर लागू की गई यह योजना मानव संसाधन और उद्योग के विकास में एक नए युग की शुरुआत करेगी। श्री पाण्डेय ने बताया कि किसी भी देश के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए कौशल और

ज्ञान का होना जरूरी है। वर्तमान वैश्विक माहौल में उभरती अर्थ व्यवस्थाओं की मुख्य चुनौती से निपटने में वे देश आगे हैं जिन्होंने कौशल का उच्च स्तर प्राप्त कर लिया है। श्री पाण्डेय ने बताया कि किसी भी देश में कौशल विकास कार्यक्रम के लिए मुख्य रूप से युवाओं पर ही जोर होता है। इस मामले में हमारा देश अच्छी स्थिति में है। जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा उत्पादक आयु समूह में है। यह भारत को सुनहरा अवसर दान करता है, परंतु एक बड़ी चुनौती भी पेश करता है।

हमारी अर्थव्यवस्था को इसका लाभ तभी मिलेगा जब हमारी जनसंख्या विशेषकर युवा स्वस्थ, शिक्षित और कुशल होगी। इस क्रम में डा. सीवी रामन् विश्वविद्यालय तथा आयाम तय करने जा रहा है। रविवार को आज आईसेक्ट के अधिकारियों ने सांसद लखन लाल साहू से मुलाकात की और इस संबंध में पूरी जानकारी श्री साहू को दी। श्री साहू ने हर्ष व्यक्त करते हुए अधिकारियों ने जरूरी सहयोग देने की बात कही।

विकास को मिलेगा बढ़ावा: कुलसचिव

कुलसचिव श्री पाण्डेय ने बताया कि भारत में बड़ी युवा जनसंख्या है जिससे आने वाले समय में सामाजिक-आर्थिक विकास को जोरदार बढ़ावा मिलना संभव है। हमारे पास 60.5 करोड़ लोग 25 वर्ष से कम आयु के हैं। रोजगार के लिए उपयुक्त कौशल प्राप्त करके के युवा परिवर्तन के प्रतिनिधि हो सकते हैं।

वे न केवल अपने जीवन को समृद्ध करने के कारगर होंगे साथ ही दूसरों के जीवन में भी बदलाव ला सकते हैं। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना युवाओं के कौशल विकास के लिए एक महत्वपूर्ण योजना है। इसके तहत कार्यक्रमों में सुधार बेहतर शिक्षा और विभिन्न कौशल को विकसित करने दिया जाता है। जिससे वे अपने कौशल को सक्षम कर सकते हैं और

द्वारा तय मानदंडों पर आधारित है। श्री पाण्डेय ने बताया कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत मुख्य रूप से श्रम बाजार में पहली बार प्रवेश कर रहे लोगों पर जोर होगा और विशेषकर कक्षा 10 व 12 के दौरान स्कूल छोड़ गए छात्रों पर ध्यान दिया गया है। कौशल व उद्यम विकास वर्तमान सरकार की उच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

नवगठित कौशल व उद्यम विकास मंत्रालय की मेक इन इंडिया अभियान के लक्ष्यों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका है। यह अभियान उच्च शिक्षा के क्षेत्र में परिवर्तित करने के लिए अग्रिम पहल है। विकासशील अर्थव्यवस्था के विकास के क्षेत्र में हमें अपनी क्षमता को अनुसंधान के माध्यम से विकसित करने में इन

सात ट्रेड में प्रशिक्षण

- इटा एंड्री ऑपरेटर
- इलेक्ट्रीशियन
- ऑटोमोटाइव टेक्नीशियन
- कंस्ट्रक्टर रिलेशन
- एक्जीक्यूटिव
- एकाउंट एंटरप्राइज

भारत को एक विनिर्माण केंद्र के रूप में परिवर्तित करने के लिए अग्रिम पहल है। विकासशील अर्थव्यवस्था के विकास के क्षेत्र में हमें अपनी क्षमता को अनुसंधान के माध्यम से विकसित करने में इन

अपनी रुचि से प्रशिक्षण लेकर पाएं रोजगार-साहू

सांसद लखन लाल साहू ने कहा कि केंद्र सरकार ने अलग से मंत्रालय बनाकर युवाओं को कौशल में दक्ष करने की योजना तैयार की है। यह खुशी की बात है कि सरकार ने प्रधानमंत्री कौशल केंद्र के लिए सीवीआरयू का चयन किया है। बिलासपुर के युवा अपनी रुचि और सुविधा के अनुसार ट्रेड्स में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। साथ ही उन्हें रोजगार मिल सकेगा। यह बात सामने आई है कि निजी क्षेत्रों में कुशल लोगों की काम करने वालों की जरूरत है। इसके माध्यम क्षेत्र के युवाओं को रोजगार का बेहतर अवसर मिलेगा। ये युवा जो बेरोजगार थे वे भी समाज के विकास में अपनी भूमिका निभा पाएंगे। श्री पाण्डेय ने बताया कि तरह-तरह विद्यार्थियों को अधिकतर उच्च शिक्षा के माध्यम से दक्ष बनाने के लिए सरकार को प्रोत्साहित करने के लिए

